हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • शनिवार • 25.01.2025 • वर्ष : 15 • अंक :184 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपया~~ 2 रुपया

गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर पाकुड़ सहित सभी झारखंडवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

उपलब्धियां

- पाकुड़ जिले के कोरोना वायरस से बचाव के लिए निजी कर्तव्य के तहत 2 लाख रुपये रेड क्रॉस सोसायटी सह कोविड-19 सहायता निधि कोष में दान स्वरूप डीसी पाकुड़ को चेक दिया.
- पाकुड़ जिले के सभी गांवों में घर-घर तक स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति के लिए सभी प्रखंड अंतर्गत गांवों में जिला परिषद् प्रदत सोलर आधारित जलापूर्ति योजना का शुभारम्भ.
- पाकुड़ जिले के सभी प्रखंडों के गांवों में सामुदायिक शौचालय का निर्माण.
- पाकुड़ जिले में पीजी की पढ़ाई शुरू करने के लिए सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के साथ वार्ता.
- लॉकडाउन के दौरान कोरोना वायरस से बचाव के लिए सैकड़ों गांवों के हजारों परिवारों के बीच राशन सामग्री, मास्क, सैनिटाइजर का वितरण. जिले में कोरोना के फैलाव को रोकने के लिए जिला प्रशासन के साथ-साथ.
- जिलेवासियों के साथ लगातार वार्ता. पाकुड़ जिले में कोरोना के इलाज के लिए जिला परिषद् के अटल मार्केट के मैरिज हॉल को कोविड हॉस्पिटल बनाने की पेशकश.
- जिले में सभी प्रवासी मजदूरों सहित ग्रामीण मजदूरों को अपने-अपने पंचायत में ही काम दिलाने के लिए जिला प्रशासन के साथ लगातार वार्ता एवं मॉनिटरिंग.
- जलापूर्ति योजना का शुभारम्भ एवं कंचनगढ़ गुफा के सौंदर्यकरण के लिए प्रयासरत. पाकुड़िया प्रखंड में पीडब्ल्यूडी से स्वास्थ्य केंद्र तक सड़क के साथ-साथ 56 लाख रुपये की लागत से तीन अलग-अलग सड़क का निर्माण, बन्नोग्राम एवं मोहलपहाड़ी में जिला परिषद् द्वारा प्रदत सोलर ऊर्जा आधारित ग्रामीण जलापूर्ति योजना का निर्माण.
- हिरणपुर प्रखंड के बाबुपुर पंचायत में आंगनबाड़ी केंद्र का निर्माण, हिरणपुर स्टेडियम का बाउंड्री निर्माण, मोहनपुर में जिला परिषद् द्वारा प्रदत सोलर ऊर्जा आधारित ग्रामीण जलापूर्ति योजना का निर्माण.
- महेशपुर प्रखंड के बड़कियारी पंचायत में पक्की सड़क एवं जयनगरा पंचायत में पूल का निर्माण, रामपुर गांव में सड़क निर्माण.
- अमरापाड़ा प्रखंड अंतर्गत प्रकृति विहार के सौंदर्यकरण, नया मॉडल स्कूल का निर्माण जल्द करने सहित प्रखंड अंतर्गत अनेको गांवों में जलापूर्ति योजना का शुभारम्भ. पाकुड़ जिले में प्रखंड स्तर पर दुकान सहित पाकुड़ सदर प्रखंड में जिला परिषद द्वारा अटल मार्केट कॉम्प्लेक्स सह मैरिज हॉल का निर्माण.
- पाकुड़ जिले के सभी प्रखंडों में प्रधानमंत्री उज्वला योजना के तहत गैस सिलेंडर एवं गैस चूल्हा का वितरण. बनाने के लिए कार्यरत.
- ग्रामीण हाट, ग्रामीण विद्युतीकरण, ग्रामीण स्वस्थ्य सेवा, ग्रामीण स्वच्छता को बेहतर, गरीबों व जरूरतमंदों के बीच गर्म कपड़े, कंबल व साड़ियों का वितरण.
- महेशपुर को अनुमंडल का दर्जा दिलाने के लिए जिला परिषद् में प्रस्ताव स्वीकृत. पाकुड़ प्रखंड के चाचकी पंचायत में आंगनबाड़ी केंद्र का निर्माण, हीरानंदपुर से लखनपुर तक सड़क निर्माण, नबीनगर पंचायत में पक्की सड़क का निर्माण, लखनपुर में नाली निर्माण, झिकरहट्टी पंचायत में पक्की सड़क का निर्माण, चेंगाडांगा, झिकरहटी, बहिरग्राम में सोलर जलपूर्ति योजना का शुभारम्भ।
- बाबूधन मुर्मू को 2024 के विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी के रूप में लिट्टीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र से कुल 61,146 मत प्राप्त करते हुए दूसरे स्थान पर रहे थे।

बाबुधन मुर्मू

पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष (पाकुड़) सह
भाजपा प्रत्याशी लिट्टीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र

एक नजर

शिक्षा से ही एक सभ्य समाज की कल्पना की जा सकती है : राजेन्द्र प्रसाद

बरही : बरही प्रखंड के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय कोरियाडीह में कक्षा द्वितीय और तृतीय के 30 छात्रों के बीच ड्रेस, जूते, मोजे और स्वेटर का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम मुखिया राजेन्द्र प्रसाद, महिला समाजसेवी ममता देवी और उप मुखिया दामोदर प्रसाद वर्मा की उपस्थिति में संपन्न हुआ। मुखिया राजेन्द्र प्रसाद ने इस अवसर पर कहा कि यह झारखंड सरकार की एक महत्त्वाकांक्षी योजना है, जो गरीब बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ समय-समय पर ड्रेस और अन्य आवश्यक सामग्रियां प्रदान करती है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों को समय पर स्कूल भेजें और साफ-सुथरा रखें, ताकि वे मन लगाकर पढ़ाई कर सकें और एक शिक्षित समाज की नींव रखी जा सके। महिला समाजसेवी ममता देवी ने भी बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा ही जीवन को सफल बनाती है। उन्होंने बताया कि सरकार बच्चों को किताबें, छात्रवृत्ति और पोशाक प्रदान कर रही है, ताकि कोई बच्चा शिक्षा से वंचित न रह सके। इस कार्यक्रम में प्रधानाध्यापिका मीना कुमारी, सहायक शिक्षिका मधुबाला कुमारी, सहायक शिक्षक रामजी प्रसाद, दीनानाथ प्रसाद, अजीत प्रसाद, कुंती देवी, सादिया देवी, रेखा देवी, रेणु देवी, रानी देवी, कौशल्या देवी, सोनिया देवी, कांति देवी, लक्ष्मी देवी, गुड़िया देवी, ममता देवी, नंदलाल महतो और कई अन्य ग्रामीण उपस्थित थे। कार्यक्रम ने बच्चों और अभिभावकों के बीच सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया और शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया।

गणतंत्र दिवस को लेकर प्लाटून ने किया फुल ड्रेस परेड का रिहर्सल

हजारीबाग : 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले परेड को लेकर 24 जनवरी को सेना के मार्चिंग टुकड़ियों ने स्थानीय कर्जन ग्राउंड में हिस्सा लिया और परेड की फुल ड्रेस रिहर्सल की। मौके पर आयुक्त पवन कुमार,उपायुक्त नैंसी सहाय, पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह ने सेना व पुलिस बल के टुकड़ियों के द्वारा फुल ड्रेस रिहर्सल का संयुक्त रुप से निरीक्षण किया। इस दौरान आयुक्त के द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया और सलामी दी गई। सेना के जवान ने पूरे यूनिफॉर्म में जोश खरोश के साथ राष्ट्रीय धुन पर कदमताल करते नजर आए। शुक्रवार को फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान बीएसएफ,सीआरपीएफ, जिला पुलिस, महिला विंग,एनसीसी तथा होम गार्ड के दस्ते अपने यूनिफॉर्म और हथियारों के साथ नजर आए। बीएसएफ के बैंड पार्टी ने राष्ट्रधुन बजाई' कर्जन ग्राउंड में आयोजित इस कार्यक्रम में जिला योजना पदाधिकारी पंकज तिवारी, नजारत उपसमाहर्ता प्रदीप प्रसाद, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार व अन्य उपस्थित रहे।

सीएचसी में स्वास्थ्य मेला का हुआ आयोजन

चौपारण : चौपारण सामुदायिक अस्पताल परिसर मे एकदिवसीय स्वास्थ्य मेला का आयोजन शुक्रवार को किया गया। इस मेले में लगभग एक हजार लोग प्रखंड के विभिन्न पंचायतों से पहुंचे जिसमे 570 मरीजों का ओपीडी में स्वास्थ जांच कर मुफ्त दवाइयां दी गई। मौके पर सांसद प्रतिनिधि मुकुंद साव ने कहा कि हमारा प्रखंड स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रहा है। डॉक्टर्स की पूरी टीम समस्त प्रखंड वासियों को 24 घंटे चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाने में प्रयासरत है। जिसमें सहिया दीदी का भी अहम योगदान है।

पीवीयूएनएल ने पुलिस को दिए 10 बाइक अपराधियों पर कसेगा शिकंजा : एसपी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : पीवीयूएनएल के जरिये कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के अंतर्गत रामगढ़ पुलिस को 10 टीवीएस अपाचे आरटीआर बाइक प्रदान की गई है। पीवीयूएनएल कि इस पहल के बाद आपराधिक गतिविधियों पर शिकंजा कसने में पुलिस को काफी मदद मिलेगी। एसपी कार्यालय में पीवीयूएनएल के सीईओ आर के सिंह ने एसपी अजय कुमार को बाइक की चाबी और दस्तावेज औपचारिक तौर पर सौंपा। इस कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों और पीवीयूएनएल के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति रही। इस मौके पर रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने कहा कि पीवीयूएनएल के सीईओ और पूरी टीम बधाई की पात्र हैं। उनकी इस पहल के बाद संगठित अपराधों को अंजाम देने वाले अपराधियों तक पहुंच पाना पुलिस के लिए और आसान हो गया है। उन्होंने कहा कि पतरातू क्षेत्र में हमेशा संगठित अपराध सक्रिय रहा है। वहां कई बार फोर व्हीलर से पेट्रोलिंग करना और अपराधियों के पकड़ने के लिए छापेमारी करना मुश्किल हो जाता है। बाइक हर गली में घुसकर अपराधियों पर नजर रख सकती है। एसपी अजय कुमार ने बताया कि पतरातू क्षेत्र में अभी विकास की गाड़ी काफी तेजी से आगे बढ़ रही है। लेकिन उसकी गति को रोकने के लिए अपराधी अपने हथकंडे अपनाते हैं। पीवीयूएनएल भी अपराधियों के इस तांडव का शिकार रहा है। लेकिन अब गिरोह के मुखिया और सूत्रधार माने जाने वाले लोगों को पुलिस ने इलाका छोड़ने का फरमान जारी कर दिया है। अगर वे नहीं सुधरेंगे तो अंजाम बुरा होगा। पीवीयूएनएल के सीईओ आर.के. सिंह ने कहा कि पीवीयूएनएल समाज और समुदाय के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए इस तरह की पहल के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है। यह योगदान पुलिस की कार्यक्षमता को बढ़ाने और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बाइक से जनता के बीच पुलिस का क्विक प्रसेंस होगा। इससे पुलिस के प्रति जनता में और भरोसा बढ़ेगा।

कमलवार में सड़क दुर्घटना में एक की मौत, चार घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड पंचायत पाण्डेयबारा के ग्राम कमलवार में शुक्रवार को दिल दहला देने वाली सड़क दुर्घटना घटी। घटना दिन में 3:00 बजे घटी। प्राप्त जानकारी के अनुसार गया से बरही की और जा रही कार संख्या बीआर 27पी 0984 असंतुलित होकर डिवाइडर से टकरा गई। तेज रफ्तार होने के कारण कार डिवाइडर से टकराते हुए तीन पटखनी खाते हुए रोड के दूसरी और जा गिरी। जिससे चालक खिड़की का शीशा तोड़ते हुए रोड पर जा गिरा। जिससे चालक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। गाड़ी पलटते देख कमलवार के ग्रामीण दौड़ पड़े और आनन-फानन में गाड़ी में सवार चार लोगों को निकाला। जिसमें दो की स्थिति गंभीर देखते हुए सदर अस्पताल हजारीबाग रेफर कर दिया गया। सड़क पर पड़े शव को देख ग्रामीण की भारी भीड़ लग गई। जिसके बाद ईश्वर की शक्ति का रूप मानने जाने वाला आपदा मित्र के चालक शक्ति कुमार घटनास्थल पर पहुंच शव को उठाया। मृतक की पहचान नाम राजू कुमार, जिला गया के रूप में हुई है। वही घायलों में पहचान समीर कुमार, जिला गया, हरि राम जिला सिमडेगा, अभिषेक कुमार जिला गया, अमरनाथ कुमार जिला गया के रूप में हुई है। बता दे कमलवार चैनल न० 270+250 के रोड के दोनों तरफ से ढाल होने के कारण अक्सर दुर्घटनाएं घटती रहती है। साल के अंतिम दिन में पद्दू प्रजापति की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। कमलवार में दुर्घटना को रोकने के लिए एनएचएआई कब शक्रिय होगी इसका कमलवार की जनता प्रतीक्षा कर रही है।

विनोबा भावे विश्वविद्यालय में मल्लखंब कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग में शुक्रवार को 'फिट इंडिया वीक' के अंतर्गत मल्लखंब कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें पद्मश्री उदय विश्वनाथ देशपांडे, हूनरबाज देश की शान-2022 के विजेता आकाश सिंह, और साक्षी संदेश मांजरेकर ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) पवन कुमार पोद्दार ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) राम कुमार सिंह उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में पद्मश्री उदय विश्वनाथ देशपांडे और बीएसएफ, हजारीबाग के सेकंड-इन-कमांड सुरेंद्र मलिक ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। पद्मश्री उदय विश्वनाथ देशपांडे, जिन्हें 'मल्लखंब के पितामह' के रूप में जाना जाता है, ने इस प्राचीन भारतीय खेल को वैश्विक मंच पर पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने 50 से अधिक देशों में 5,000 से अधिक लोगों को मल्लखंब का प्रशिक्षण दिया है। अपने संबोधन में देशपांडे जी ने कहा, मल्लखंब न केवल शारीरिक शक्ति और लचीलापन बढ़ाने में सहायक है, बल्कि यह मानसिक एकाग्रता और संतुलन को भी प्रोत्साहित करता है। इसका नियमित अभ्यास युवाओं को शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त बनाता है। नोडल अधिकारी डॉ. उमेंद्र सिंह ने कहा, फिट इंडिया मूवमेंट के तहत मल्लखंब जैसे पारंपरिक खेलों का पुनरुत्थान हमारे सांस्कृतिक धरोहर को संजोने के साथ-साथ युवाओं के स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है। कुलपति प्रो. (डॉ.) पवन कुमार पोद्दार ने अपने वक्तव्य में कहा, विश्वविद्यालय में मल्लखंब जैसे कार्यक्रमों का आयोजन छात्रों के सर्वांगीण विकास में सहायक है और यह हमारी सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखने का एक प्रयास है।

आर्थिक रूप से कमजोर ग्रामीण युवाओं को नई दिशा और आशा मिली : सतीश गिरजा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : झारखंड सरकार से मान्यता प्राप्त और नव भारत जागृति केंद्र द्वारा लोकनायक जयप्रकाश आँख अस्पताल परिसर में संचालित एलएनजेपी पैरामेडिकल इंस्टिट्यूट के 2022-24 बैच के 20 छात्र-छात्राओं को सीएमपीडीआइ, रांची के सहयोग से पाठ्यक्रम समापन प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर सीएमपीडीआइ के निदेशक (टी/पी एंड डी) अजय कुमार और महाप्रबंधक (एचआरडी/सीएसआर) आर. के. महापात्रा ने प्रमाणपत्र वितरित किए। अजय कुमार ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम की अध्यक्षता एनबीजेके के सचिव सतीश गिरिजा ने की। उन्होंने सीएमपीडीआइ के सहयोग को सराहनीय बताते हुए कहा कि इस पहल से आर्थिक रूप से कमजोर ग्रामीण युवाओं को नई दिशा और आशा मिली है। ओफ्थैल्मिक असिस्टेंट कोर्स की छात्राओं अंशु और नंदिनी ने बताया कि इस कोर्स ने उनके जीवन को सकारात्मक दिशा दी है। विदित हो कि सीएमपीडीआइ ने 2023-25 बैच के 20 और विद्यार्थियों को डिप्लोमा इन ओफ्थैल्मिक असिस्टेंट कोर्स के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की है। इनमें 50% छात्राएं शामिल हैं। ये छात्र-छात्राएं अब नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में अपनी सेवाएं देते हुए झारखंड में पेशेवरों की कमी को दूर करने में योगदान दे रहे हैं। कार्यक्रम में सीएमपीडीआइ के प्रतिनिधि शैलेश चंद्रा, जसपाल और सफीना के साथ एलएनजेपीपीआई के फैकल्टी, एलएनजेपीईएच के प्रबंधक संतोष पुरी और अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

उमाशंकर अकेला कांग्रेस में पुनः शामिल आगे की रणनीति को लेकर हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : बरही के पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला गुरुवार को कांग्रेस में पुनः शामिल होने के उपरांत चौपारण स्थित आवास में शुक्रवार को संगठन मजबूत व आगे की रणनीति को लेकर बैठक की गयी। बैठक में कांग्रेस पार्टी के जनाधार बढ़ाने और बिखरे कार्यकर्ताओं को पुनः जोड़ने को लेकर रणनीति बनी। पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला ने कहा कि भूल चुक से जो कार्यकर्ता भटक गए हैं उनके लिए यह द्वार हमेशा खुला है। वहीं बैठक में पूर्व वरिष्ठ नेतागण व कार्यकर्तागणो ने अकेला को गर्मजोशी से बुके व माला पहनाकर स्वागत की। मुरली दांगी, नागेंद्र दांगी, रेवाली पासवान, अभिमन्यु भगत, नीरज सिंह, यदुनंदन यादव, गुलाबी यादव, गुलाबचंद यादव, दिनेश यादव, कोठरी सिंह, संजय सिंह, नरेश सिंह, प्रीति गुप्ता, लालेश साहू, कुणाल करतीयार, सर्फिल हक, मोहम्मद अमजद, संजय यादव, नवीन यादव, दिगम्बर भुइयाँ, बीरेंद्र यादव इत्यादि सहित सैकड़ों कार्यकर्तागण थे ।

स्वतंत्रता सेनानी हाजी अब्दुर रज्जाक अंसारी को कांग्रेसियों ने किया याद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम में स्वतंत्रता सेनानी व संयुक्त बिहार के पूर्व मंत्री हाजी अब्दुर रज्जाक अंसारी की 108 वीं जयंती सादगी वातावरण में मनाई गई ।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता निसार खान ने कहा कि इनका जन्म 24 जनवरी 1917 में रांची से करीब 20 किलोमीटर दूर ओरमांझी प्रखंड मे बसे एक छोटे से गांव इरबा में हुआ था ।उन्हें बचपन से पढ़ने का जुनून था ।एक दिन खान बहादुर हबीबुर रहमान में खोले गए एक स्कूल के गेट पर रोज की तरह उस दिन भी खड़े थे, तभी हेडमास्टर ने उन्हें बुलाया और पूछ लिया की तुम पढ़ना चाहते हो और यहीं से पढ़ने का सिलसिला आरंभ हुआ । वह 1946 से राजनीति में सक्रिय थे । उनकी मेहनत से 1946 के चुनाव में कांग्रेस के छोटानागपुर की सभी पांच सिटें मिली थी। उन्होंने बुनकर सहयोग समिति की बुनियाद डाली जो धीरे-धीरे सहकारिता आंदोलन से बुनकरों को जोड़ते हुए चले गए। पूर्व जिला अध्यक्ष आबिद अंसारी ने कहा कि 1978 मे दि छोटानागपुर रीजनल हैण्लूम विवर्स को-ऑपरेटिव लिमिटेड की स्थापना कर हस्तकरघा उद्योग से बुनकरों को जोड़ा। बताया जाता है कि अपने गांव 17 स्कूल था, वह आज भी उनकी याद को जिन्दा रखे हुए है। वे 1946 में बिहार विधान परिषद के सदस्य चुने गए उसके बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ.जगन्नाथ मिश्रा सरकार 1989 में फिर से सिर्फ विधान परिषद का सदस्य बल्कि हस्तकरघा रेशम और पर्यटन विभाग के कैबिनेट मंत्री बनाए गए। कार्यक्रम में प्रदेश प्रतिनिधि विरेन्द्र कुमार सिंह, लाल बिहारी सिंह, सलीम रजा, बाबर अंसारी, मो. रब्बानी, कजरु साव, कृष्णदेव प्रसाद सिंह, मो. कमरूउद्दीन, सदरूल होदा, शहाबुद्दीन, राशिद खान, संजय तिवारी, अनिल भुईयां, सैयद अशरफ अली, विजय कुमार सिंह, मो. इरफान, बबलू अंसारी, देवधारी प्रसाद मेहता, दिलीप कुमार रवि, सुनिल अग्रवाल, मो. कलीम, रोहन ठाकुर मोमिन कान्फ्रेंस के जिला अध्यक्ष जहांगीर अंसारी के अतिरिक्त कई कांग्रेसी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

पीएम श्री मध्य विद्यालय में प्रबंधन समिति के सदस्यों का प्रशिक्षण शुरू

बड़कागांव : बड़कागांव के पीएम श्री मध्य विद्यालय में विद्यालय प्रबंधन समिति का दो दिवसीय प्रशिक्षण शुरू की गई। इसकी अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष तारणी प्रसाद व संचालन प्रधानाध्यापक अशोक कुमार ने किया। यह प्रशिक्षण 24 जनवरी से लेकर 25 जनवरी तक चलेगा। प्रशिक्षण सीआरपी अजय कुमार द्वारा दिया गया। सीआरपी अजय कुमार ने कहा कि विद्यालय का संचालन विद्यालय प्रबंधन समिति द्वारा होता है। आप विद्यालय से संबंधित विषयों पर सलाह दे सकते हैं। प्रशिक्षण में विद्यालय में पठन-पाठन मध्यान भोजन, बच्चों की सुविधाओं पर बताया गया। प्रशिक्षण प्रधानाध्यापक अशोक कुमार, शिक्षिका चंद्रावती वर्मा द्वारा भी दिया गया। प्रशिक्षण में बताया गया कि विद्यालय संचालन में विद्यालय के प्रबंधन का ही सहयोग करना होता है। मौके पर अध्यक्ष तारणी प्रसाद, सचिव सह प्रधानाध्यापक अशोक कुमार, संयोजिका सावित्री देवी, पिंकी देवी, शारदा देवी, जीरीवा कुमारी, शर्मिला देवी, पूनम देवी, संजय राम, बाल संसद से सागर कुमार समेत कई सदस्य शामिल थे।

रंजीत कुमार ने जरूरतमंदों के बीच किया कंबल का वितरण

बड़कागांव : बड़कागांव पश्चिमी पंचायत भवन में मुखिया संघ अध्यक्ष रंजीत कुमार ने जरूरतमंद वृद्ध महिला पुरुष के बीच 120 कंबल का वितरण किया। इस दौरान जरूरतमंद लोगों ने कंबल प्राप्त कर खुशी जाहिर की। मौके पर रंजीत कुमार ने कहा कि अपने पंचायत में हर जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरण किया जा रहा है। बड़कागांव पश्चिमी पंचायत में अब तक कुल लगभग 1250 जरूरतमंद महिला पुरुष के बीच कंबल का वितरण किया जा चुका है। मौके पर उपस्थित लोगों में पंचायत सेवक अशोक नारायण तिवारी, रोजगार सेवक दीपक कुमार, उप मुखिया सत्यदेव कुमार, वार्ड सदस्य सुरेंद्र कुमार, अनिता कुमारी, ममता देवी, शीला देवी, सोनी कुमारी ,सुलेखा कुमारी ,रश्मि कुमारी, बुधन तुरी, पुष्पा देवी, अभिमन्यु पासी के अलावा अन्य अनुपस्थित थे।

केनरा बैंक के द्वारा ग्राहक जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बड़कागांव : बड़कागांव पश्चिमी पंचायत भवन में केनरा बैंक के द्वारा ग्राहक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता बड़कागांव केनरा बैंक शाखा प्रबंधक शशि कुमार बागे ने किया। मौके पर उपस्थित मुख्य अतिथि मंडल केनरा बैंक प्रबंधक घनश्याम यादव ने ग्राहकों को साइबर फ्रॉड डिजिटल फ्रॉड व बैंकिंग संबंधित कई महत्वपूर्ण जानकारियां लोगों को दी गई तथा फ्रॉड होने से बचने के उपाय भी बताए गए। मौके पर उपस्थित लोगों में मुख्य रूप से मंडल केनरा बैंक प्रबंधक घनश्याम यादव, प्रबंधक विकास कुमार झा, अधिकारी उज्जवल दुरई, बड़कागांव केनरा बैंक प्रबंधक शशि कुमार बागे, पूर्व प्रमुख टूकेश्वर प्रसाद, मुखिया संघ अध्यक्ष रंजीत कुमार, पंसस मालती कुमारी, डॉक्टर बालेश्वर महतो, दिनेश प्रसाद, प्रवीण कुमार ,सुभाष सिंह, वीरेंद्र प्रसाद, भीखन महतो, पूर्व पंसस उपेंद्र महतो, लालमणि प्रसाद, बैजनाथ महतो, नागेश्वर महतो, सुधीर जायसवाल, मीनू महतो, विवेक वर्मा, सुनीता कुमारी, अरुण कुमार, सुरेंद्र कुमार, लालमणि महतो, कुंदन जायसवाल, अनिल कुमार वीरेंद्र कुमार डांगी के अलावा अन्य उपस्थित थे।

नव प्राथमिक विद्यालय सोहानपुर के प्रबंधन समिति के अध्यक्ष बने पवन कुमार दास

केरेडारी : केरेडारी प्रखंड के सलगा पंचायत के नव प्राथमिक विद्यालय सोहानपुर के स्कूल के प्रांगण में प्रखंड संसाधन केंद्र केरेडारी के आदर्श अनुसार 24 1/025, को प्रबंधन समिति के पुनर्गठन किया गया। इस बैठक के अध्यक्षता मुखिया से पार्वती देवी, संचालनकर्ता ललिता देवी प्रखण्ड से आए पर्यवेक्षक हेमराज महतो है। इस गठन में 16 सदस्य को चयन किया गया। जिसमें जिसमें सर्व समिति के द्वारा अध्यक्ष पद के लिए पवन कुमार दास, उपाध्यक्ष गुड़िया देवी संजीविका रूपा देवी, उप संजीविका सचिव पियासो देवी, को बनाया गया। मौके पर सचिन ललिता देवी, रुकमणि देवी, उपस्थित बिष्णु कांत राम, राजु राणा संजय भुइंया, लछमी देवी, करिश्मा बुधनी देवी, देवी, रूपा देवी, काजल देवी, पियासो देवी, किरण देवी, जयंती देवी, राधा देवी, सरिता देवी, रुक्मणि देवी, सरस्वती देवी, ललिता देवी, कंचन देवी, सैकड़ो अभिभावक महिला पुरुष उपस्थित थे।

फूड सेफ्टी ऑफिसर ने बरही के कई खाद्य प्रतिष्ठानों में जांच अभियान चलाया

हजारीबाग : उपायुक्त नैंसी सहाय एवं एसीएमओ पदाधिकारी डॉ शशि जायसवाल के निदेर्शानुसार खाद्य प्रतिष्ठानों में नियमित जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज बरही कार्यपालक दंडाधिकारी दीपा खलखो एवं खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी चंद्र प्रकाश गुग्गी के द्वारा संयुक्त रूप से बरही अनुमंडल क्षेत्र के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने होटल क्वॉलिटी इन, मधुलिका स्वीट्स, मधेशिया स्वीट्स,युवराज होटल आदि खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। जांच के क्रम मिठाईयों की गुणवत्ता की जांच के साथ साथ वॉटर टेस्टिंग रिपोर्ट,अनुवल मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट आदि पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। जांच अभियान के क्रम खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी द्वारा संचालकों को निर्देश दिया गया कि अपने रसोईघर को अच्छी तरह से हाईजीन कंडीशन में रखेंगे। साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखेंगे ताकि आम लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर नहीं पड़े। साथ ही सभी संचालकों को फूड कलर 100 पीपीएम तक ही इस्तेमाल करने की सलाह दी।

हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● शनिवार ● 25.01.2025 ● वर्ष : 15 ● अंक : 184 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

एक नजर

आयुध कारखाने में विस्फोट, आठ लोगों की मौत, छह घायल

भंडारा : महाराष्ट्र के भंडारा जिले में शुक्रवार को आयुध कारखाने में हुए विस्फोट में आठ श्रमिकों की मौत हो गई और छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में 08 श्रमिकों की मौत की पुष्टि की है। फैक्ट्री में विस्फोट आज सुबह करीब 10 :30 बजे हुआ। भंडारा के जिलाधिकारी संजय कोलते ने कहा कि विस्फोट के कारण कारखाने की छत पूरी तरह ढह गई और बचाव अभियान अभी भी जारी है। उन्होंने कहा कि विस्फोट इतना जोरदार था कि इसकी आवाज 5 किमी दूर तक सुनी गई। विस्फोट के बाद दूर-दूर तक लोहे और पत्थरों के टुकड़े बिखरे हुए देखे गए। श्री कोलते ने कहा कि विस्फोट जवाहर नगर इलाके में स्थित फैक्ट्री के एलटीपी (दीर्घकालिक योजना) सेक्शन में हुआ। विस्फोट का सही कारण अभी पता नहीं चल पाया है, लेकिन अधिकारी आगे की जांच कर रहे हैं। विस्फोट स्थल पर बचाव और चिकित्सा दल तैनात कर दिए गए हैं। अंदर फंसे श्रमिकों की तलाश अभी भी जारी है।

राजनीतिक दल 'डिसरप्टिव कैंपेन' से बचें : मुख्य चुनाव आयुक्त

नयी दिल्ली : मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस की पूर्व संध्या पर देशवासियों के नाम संदेश में कहा कि आयोग उनके विश्वास और पारदर्शिता से समझौता नहीं होने देगा। उन्होंने राजनीतिक दलों से अनुरोध किया कि "डिसरप्टिव कैंपेन" ना करें। राष्ट्रीय मतदाता दिवस हर वर्ष 25 जनवरी को चुनाव आयोग की स्थापना दिवस पर मनाया जाता है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने अपने संदेश में कहा कि वर्तमान में पोलराइज्ड कैंपेन, बाहरी हस्तक्षेप और साइबर सुरक्षा से जुड़े खतरों का दौर चल रहा है। इस दौरान चुनावी प्रक्रिया भ्रामक जानकारी और फेक नॉरेटिव जैसी बड़ी चुनौतियों का सामना कर रही है। चुनावी प्रक्रिया पर अविश्वास पैदा करने के दुनियाभर में प्रयास चल रहे हैं। सोशल मीडिया भी बार-बार एक ही कंटेंट को परोस रहा है, जिससे दूसरे पक्ष को सुने बिना विश्वास एक ही विषय पर पक्का हो रहा है।

एसएएससीआई को लेकर अलका तिवारी की अध्यक्षता में हुई बैठक

केंद्र सरकार से मिली राशि का ससमय उपयोगिता प्रमाण पत्र दें : मुख्य सचिव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : पूंजी निवेश के लिए राज्यों को दी जानेवाली विशेष सहायता योजना के तहत झारखंड को मिली राशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र केंद्र सरकार को ससमय देने का निर्देश मुख्य सचिव अलका तिवारी ने सभी संबंधित विभागों के सचिवों को दिया है। उन्होंने कहा कि खर्च की गई राशि का उपयोगिता प्रमाण ससमय देने से उस मद में बची राशि पर दावा मजबूत होगा। साथ ही वित्तीय अनुशासन के साथ ससमय योजना पूरी करने वाले राज्य के रूप में भी हमारी पहचान बनेगी। गौरतलब है कि केंद्र सरकार द्वारा पूंजी निवेश के लिए विशेष सहायता योजना के तहत राज्यों को 50 वर्षों के लिए ब्याज मुक्त कर्ज दिया जाता है। मुख्य सचिव शुक्रवार को स्कीम फॉर स्पेशल असिस्टेंस टू स्टेट फॉर कैपिटल इनवेस्टमेंट (एसएएससीआई) को लेकर संबंधित विभागों के सचिवों के साथ समीक्षा कर रही थीं।

समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव को बताया गया कि वित्तीय वर्ष, 2023-24 में झारखंड को केंद्र सरकार द्वारा 5255.14 करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं, जिसमें से अभी तक 4580.62 करोड़ रुपये मिल चुके हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए राज्य द्वारा 4302 करोड़ रुपये का प्रस्ताव केंद्र सरकार को समर्पित किया गया है, जिसके विरुद्ध 2763 करोड़ रुपये के प्रस्ताव की स्वीकृति केंद्र सरकार ने दे दी है। वहीं प्रस्ताव के तहत 1233 करोड़ रुपये की राशि झारखंड को मिल भी चुकी है। बताया गया कि इसके अतिरिक्त भी राज्य लगभग 1250 करोड़ रुपये का दावा एसएएससीआई के विभिन्न हिस्सों के लिए कर सकता है।

बताया गया कि अगर केंद्र सरकार के दिशा निर्देशों के अनुरूप कार्य हुआ, तो एसएएससीआई के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 4600 करोड़ रुपये की अधिप्राप्ति केंद्र सरकार से संभावित है। समीक्षा के दौरान बताया गया कि झारखंड में यूनिटी मॉल के निर्माण के लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 162.94 करोड़ की स्वीकृति दी गयी है। उसके प्रथम किश्त के रूप में राज्य को 81.47 करोड़ रुपये प्राप्त हो चुके हैं। अब उद्योग विभाग को प्राप्त राशि का 75 प्रतिशत खर्च करने का उपयोगिता प्रमाण पत्र देना है, उसके बाद ही इस मद की शेष राशि केंद्र सरकार से मिलेगी।

नेतरहाट, तिलैया एवं तेनूघाट डैम सौंदर्यीकरण के लिए 214.94 करोड़ रुपये का प्रस्ताव राज्य ने समर्पित किया है। तिलैया डैम के लिए केंद्र सरकार ने 34.87 करोड़ रुपये की स्वीकृति दे दी है। बताया गया कि डैमों के सौंदर्यीकरण योजना के लिए केंद्र सरकार द्वारा कुछ जानकारी तलब की गई है, उसके लिए पर्यटन विभाग को तत्संबंधी कार्रवाई के लिए कहा गया है। वहीं वर्किंग वुमेन हॉस्टल निर्माण के लिए केंद्र सरकार द्वारा राज्य को 163 करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं। इसके तहत झारखंड में कुल 8 हॉस्टल का निर्माण होना है। भारत सरकार द्वारा दो हॉस्टल को लेकर कुछ जानकारी मांगी गयी है, जिसे उद्योग विभाग को उपलब्ध कराना है।

समीक्षा के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि एसएनए स्पर्श के तहत राज्य सरकार केंद्र सरकार से 31 जनवरी 2025 तक 250 करोड़ रुपये का क्लेम कर सकती है। बताया गया कि अर्बन प्लानिंग रिफार्म के तहत भवन निर्माण नियम को युक्तिसंगत करने के लिए 30 करोड़ रुपये का दावा केंद्र सरकार से किया गया है।

समीक्षा बैठक में वित्त सचिव प्रशांत कुमार, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा सचिव राहुल पुरवार, ग्रामीण विकास सचिव के श्रीनिवासन, परिवहन सचिव कृपानंद झा, खान सचिव जितेंद्र सिंह, भवन निर्माण सचिव अरवा राजकमल समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे।

स्थापना दिवस समारोह हमारी सांस्कृतिक विविधता और एकता का प्रतीक : राज्यपाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने शुक्रवार को राज भवन में संयुक्त रूप से उत्तर प्रदेश, त्रिपुरा, मणिपुर और मेघालय के राज्य स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर कहा कि यह समारोह हमारी सांस्कृतिक विविधता और एकता का प्रतीक है।

राज्यपाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश राज्य स्थापना दिवस है और 21 जनवरी को त्रिपुरा, मणिपुर और मेघालय का स्थापना दिवस था। वे 21 जनवरी को राज्य के बाहर दौरे के कारण उस दिन नहीं मनाया जा सका था और संयुक्त रूप से चारों राज्य का आज स्थापना दिवस समारोह मनाने का निर्णय लिया।

राज्यपाल ने कहा कि वे स्वयं भी उत्तर प्रदेश के बरेली से आते हैं। यह प्रदेश अपनी समृद्ध संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहर और राष्ट्र निर्माण में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रसिद्ध है। वाराणसी, अयोध्या और मथुरा जैसे स्थान देश और विश्व के लिए विशेष महत्व रखते हैं। उत्तर प्रदेश विश्वविख्यात ताजमहल से लेकर पवित्र गंगा नदी तक, दुनिया के हर कोने से लोगों को आकर्षित करता है। प्रयागराज कुंभ मेले के लिए प्रसिद्ध है, जो हर 12 वर्षों में आयोजित होता है और करोड़ों श्रद्धालु व पर्यटक कुंभ मेले के दौरान त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान करने आते हैं। इस वर्ष का महाकुंभ, जो 144 वर्षों बाद आया है, करोड़ों श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रहा है और देश-विदेश से लोग आ रहे हैं।

राज्यपाल ने कहा त्रिपुरा, मणिपुर और मेघालय जैसे पूर्वोत्तर राज्य हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करने के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता के प्रतीक हैं। उन्होंने त्रिपुरा के खारची और गरिया पूजा, मणिपुर के नृत्य रूपों और मेघालय की मातृसत्तात्मक परंपराओं का उल्लेख करते हुए इन्हें भारत की सांस्कृतिक विविधता की अनमोल धरोहर बताया। उन्होंने कहा कि झारखंड के वीर सपूत परमवीर अल्बर्ट एक्का ने 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान अगरतला के निकट मातृभूमि की रक्षा करते हुए उन्होंने अपने प्राणों की आहुति दी। राज्यपाल महोदय ने कहा कि एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम हमारे प्रधानमंत्री की एक अद्भुत पहल है, जिसका उद्देश्य विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के लोगों के बीच परस्पर संवाद और समझ को बढ़ावा देना है।

उपनिदेशक ने गणतंत्र दिवस का लेकर मीडिया प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

बेरिकेडिंग के अंदर रहकर करें मीडिया कवरेज : शालिनी वर्मा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय की उप निदेशक शालिनी वर्मा ने मोरहाबादी में आयोजित गणतंत्र दिवस के दिन झंडोत्तोलन के समाचार संकलन में किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, संदर्भ में मीडिया प्रतिनिधियों के साथ सूचना भवन के तृतीय तल स्थित सभागार में बैठक की।

बैठक के दौरानशालिनी वर्मा ने मीडिया प्रतिनिधियों से अपील करते हुए कहा कि झंडोत्तोलन के दौरान एवं प्रदर्शनी भ्रमण के दौरान फोटोग्राफर एवं वीडियोग्राफर कवरेज के लिये ग्राउंड में न दौड़ें साथ ही राष्ट्रगान के समय सावधान मुद्रा में खड़े होकर उसका सम्मान करने की बात कही। उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों को जानकारी देते हुए कहा कि वीडियोग्राफी हेतु इसबार मंच को पहले के अपेक्षाकृत बड़ा बनाया जा रहा है साथ ही वॉयस आउटपुट की व्यवस्था भी की गई है। उन्होंने प्रतिनिधियों से कहा कि एकबार स्पॉट निरीक्षण वह करें अगर कोई अन्य सुझाव उनकी तरफ से प्राप्त होते हैं तो उसमें सुधार अथवा बदलाव किये जायेंगे।

बैठक में सहायक निदेशक सुनीता धान सहित विभिन्न मीडिया संस्थानों के मीडिया प्रतिनिधि मौजूद थे।

दुनिया के 25 देश प्लास्टिक प्रदूषण और क्लाइमेट चेंज के खिलाफ हुए एकजुट

एजेंसी

नयी दिल्ली : वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम 2025 की वार्षिक बैठक में सात और देश ग्लोबल प्लास्टिक एक्शन पार्टनरशिप से जुड़ गए हैं। अब इस पहल में शामिल देशों की संख्या बढ़कर 25 हो गई है। नए सदस्य देशों में अंगोला, बांग्लादेश, गैबोन, ग्वाटेमाला, केन्या, सेनेगल और तंजानिया शामिल हैं। ये देश वैश्विक प्लास्टिक कचरे को कम करने, टिकाऊ सामग्रियों को बढ़ावा देने और रीसाइक्लिंग सिस्टम को मजबूत करने पर काम करेंगे ताकि पृथ्वी को स्वच्छ और हरित बनाया जा सके।

ग्लोबल प्लास्टिक एक्शन पार्टनरशिप की निदेशक क्लेमेंस शिमड ने इस उपलब्धि पर जोर देते हुए कहा 25 देशों का इस पहल में शामिल होना यह दिखाता है कि दुनिया प्लास्टिक प्रदूषण को खत्म करने के लिए एकजुट हो रही है। हम प्लास्टिक के उत्पादन, प्रबंधन और पुनः उपयोग के तरीकों को बदलने के लिए काम कर रहे हैं जिससे भविष्य अधिक टिकाऊ हो सके। GPAP अब तक 3.1 बिलियन डॉलर का निवेश जुटा चुका है और कचरा प्रबंधन के अनौपचारिक कामगारों के लिए सुरक्षित नौकरियां बनाई हैं। यह पहल प्लास्टिक कचरे को कम करने और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन (जो हर साल 1.8 बिलियन टन होता है) को घटाने में भी देशों की मदद कर रही है। बता दें कि हर साल 6 मिलियन टन से अधिक प्लास्टिक कचरा महासागरों में पहुंचता है जबकि उससे दोगुना जमीन को प्रदूषित करता है। यह प्लास्टिक कचरा पारिस्थितिक तंत्र, जैव विविधता और मानव जीवन पर गंभीर प्रभाव डालता है। GPAP का लक्ष्य प्लास्टिक प्रबंधन के लिए सर्कुलर सिस्टम को अपनाना है, जो लैंडफिल (कचरा भराव क्षेत्रों) से निकलने वाली मीथेन जैसी हानिकारक गैसों को कम करेगा। मीथेन, अल्पावधि में कार्बन डाइऑक्साइड से 80 गुना अधिक खतरनाक है। इस पहल का उद्देश्य ग्रीन जॉब्स को बढ़ावा देना भी है, जिससे 2030 तक वैश्विक स्तर पर 6 मिलियन नई नौकरियां पैदा हो सकती हैं।

महाकुंभ में मौनी अमावस्या के दिन 10 करोड़ श्रद्धालुओं के अमृत स्नान करने की उम्मीद

एजेंसी

प्रयागराज : उत्तर प्रदेश सरकार ने शुक्रवार को कहा कि महाकुंभ में 29 जनवरी को मौनी अमावस्या पर अमृत स्नान के दौरान प्रयागराज में 10 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के पवित्र संगम में डुबकी लगाने का अनुमान है। उसने कहा कि इस सिलसिले में भीड़ और यातायात के कुशल प्रबंधन के लिए व्यापक उपाय किए जा रहे हैं।

कुंभ में स्नान सबसे महत्वपूर्ण अनुष्ठान है। वैसे तो मकर संक्रांति से शुरू होकर सभी दिन संगम में डुबकी लगाना पवित्र माना जाता है। फिर भी कुछ विशेष शुभ स्नान तिथियां हैं, जिन्हें 'अमृत स्नान' (जिसे पहले शाही स्नान कहा जाता था) के रूप में जाना जाता है।

उनतीस जनवरी को मौनी अमावस्या महाकुंभ में तीसरी ऐसी शुभ तिथि होगी। पहले दो दिन 13 जनवरी (पौष पूर्णिमा) और 14 जनवरी (मकर संक्रांति) थे, जबकि अगले महीने तीन और दिन होंगे - तीन फरवरी (बसंत पंचमी), 12 फरवरी (माघी पूर्णिमा) और 26 फरवरी (महा शिवरात्रि)।

शुक्रवार को एक बयान में राज्य सरकार ने कहा कि अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि श्रद्धालु उसी सेक्टर या जोन से वापस लौटें जहां वे पहुंच थे और किसी भी परिस्थिति में श्रद्धालुओं को 'संगम नोज या अन्य जोन' में जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सरकार ने कहा कि सभी अतिरिक्त जिलाधिकारियों, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षकों, क्षेत्राधिकारी, उप-मंडल मजिस्ट्रेट और सेक्टर मजिस्ट्रेट को अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में व्यवस्था बनाए रखने के लिए निगरानी करने का निर्देश दिया गया है। उसने कहा, महाकुंभ के सबसे महत्वपूर्ण पर्व के रूप में मौनी अमावस्या इस मेले की व्यवस्थाओं का केंद्र बिंदु है। इस वर्ष महाकुंभ को और अधिक भव्य और दिव्य बनाने के योगी आदित्यनाथ सरकार के प्रयासों के बीच प्रयागराज में रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालुओं के जुटने की उम्मीद है। सरकार ने कहा, श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए 27 से 29 जनवरी तक विभिन्न क्षेत्रों, विशेषकर 'संगम नोज' पर आवागमन न्यूनतम करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

सरकार ने कहा कि श्रद्धालुओं के आसानी से आगमन और स्नान के लिए 12 किलोमीटर लंबा घाट तैयार किया गया है। सरकार ने कहा, श्रद्धालुओं को अपने प्रवेश बिंदु के सबसे नजदीकी घाट पर स्नान करने और वहीं से लौटने एवं अन्य क्षेत्रों में नहीं जाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। घाटों पर भीड़भाड़ को रोकने के लिए निकासी दल तैनात किए जाएंगे क्योंकि श्रद्धालुओं की सुरक्षित निकासी प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।

सरकार ने कहा कि प्रभावी भीड़ नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए, कठोर अवरोधों और बैरिकेड्स पर 100 प्रतिशत नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए रस्सियां, 'लाउड हेलर', सीटियां, उड़न दस्ते और वॉच टावर टीम जैसे उपाये किये जाएंगे।

मकर संक्रांति के पर्व पर 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने पवित्र संगम में स्नान किया और अब महाकुंभ के सबसे बड़े पर्व मौनी अमावस्या पर 10 करोड़ श्रद्धालुओं के त्रिवेणी संगम में अमृत स्नान करने का अनुमान है।

नक्सलियों ने पद्मश्री वैद्यराज हेमचंद सहित छह लोगों को दी जान से मारने की धमकी

एजेंसी

नारायणपुर : छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में नक्सलियों की पूर्व बस्तर डिवीजन कमेटी ने पद्मश्री वैद्यराज हेमचंद मांझी सहित छह लोगों को जान से मारने की धमकी दी है। इस बाबत नारायणपुर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि धमकी वाले मिले पर्चे की सत्यता की जांच की जा रही है। इसके साथ ही वैद्यराज हेमचंद की सुरक्षा औरपुख्ता की जा रही है। नक्सलियों ने शुक्रवार को नारायणपुर के धौड़ाई के पास पर्चा फेंककर पद्मश्री वैद्यराज हेमचंद मांझी सहित छह लोगों सरपंच हरिराम मांझी, नारायण नाग, तिलक बेलसरिया, परिवहन संघ अध्यक्ष शरद और रामेश्वर बघेल को जान से मारने की बात कही है। इससे इलाके के लोगों में दहशत का माहौल व्याप्त है।

▶ पद्मश्री वैद्यराज हेमचंद मांझी सहित सरपंच हरिराम मांझी, नारायण नाग, तिलक बेलसरिया, परिवहन संघ अध्यक्ष शरद और रामेश्वर बघेल को जान से मारने की धमकी दी है।

नक्सलियों ने आरोप लगाते हुए आज फेंके गए पर्चे में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का बहिष्कार करते हुए कहा है कि उक्त सभी छह लोग आमदाई माइंस की दलाली और पुलिस कैंप का समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कब तक गांव के बाहर रहोगे। इन्हें जनअदालत में मौत की सजा दी जाएगी। सागर साहू के जैसे इनको भी सजा दी जाएगी। वहीं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव से पहले नक्सलियों की इस धमकी भरे पर्चे के बाद इलाके में दहशत है।

इस बारे में नारायणपुर पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने बताया कि पद्मश्री वैद्यराज हेमचंद मांझी को वाई कटेगरी की सुरक्षा मिली हुई है। इसके अलावा उनके मूवमेंट के समय चार कंपनी की आरओपी लगती है। उनकी सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम है। पुलिस मिले इस पर्चे की सत्यता की जांच कर रही है। उल्लेखनीय है कि नक्सलियों ने इससे पहले भी वैद्यराज हेमचंद को धमकी दे चुके हैं। वहीं कुछ महीने पहले ही पद्मश्री वैद्यराज हेमचंद मांझी के भतीजे की नक्सलियों ने हत्या कर दी थी। वर्तमान में सुरक्षा की दृष्टिकोण से हेमचंद मांझी नारायणपुर जिला मुख्यालय में रहते हैं। इन्हें पिछले वर्ष राष्ट्रपति दौपदी मुर्मु ने पद्मश्री से सम्मानित किया था।

एक नजर

गर्मी के पूर्व बिजली व्यवस्था दुरुस्त हो : विशाल

धनबाद : युवा नेता विशाल कुमार महतो ने कतरास विधुत विभाग के एसडीओ से मिलकर ग्रामीणों कि मांगो से अवगत कराया जिसमे झींझी पहाड़ी पूरनी तलाब शिव मंदिर पुराने ट्रांसफर्मर को बदलने कि मांग साथ ही मंदिर के समीप ही कटआउट लगाने कि मांग कि इसपर श्री महतो ने कहा कि बरासत में जंगल में पेड़ गिरने से आधा झींझी पहाड़ी व लस्करीटाड़ में रात-रात बिजली नहीं रहती यहां कटआउट लगाने से इससे राहत मिलेगी इसलिए विभाग को इसपर अगर विभाग मांगो पर 15 दिन के अंदर पहल नहीं करती तो ग्रामीण आंदोलन कि दिशा में आगे बढ़ेंगे जिसकी जिम्मेदारी बिजली विभाग स्वयं होंगी।

केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के द्वारा लगाया गया रक्तदान शिविर

बोकारो : ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ कैमिस्ट एंड ड्रगिस्ट के 50वें साल गिरह पर बोकारो जिला कैमिस्ट एन्ड ड्रगिस्ट ऐसोसिएशन के द्वारा ब्लड सेंटर,सदर अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 20 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया।इस मौके पर एसोसिएशन के महासचिव सुजीत चौधरी ने कहा कि जिले में रक्त की कमी को देखते हुए उनकी संस्था ने आज रक्तदान शिविर का आयोजन किया है और सभी स्वस्थ लोगों को रक्तदान करना चाहिए।ब्लड बैंक की इंचार्ज डॉ मैथिली ठाकुर ने कहा कि एसोसिएशन का ये बहुत ही सराहनीय कदम है और सभी व्यवसायिक संस्थाओं को रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए। शिविर को सफल बनाने में एसोसिएशन के अध्यक्ष सुभाष चन्द्र मण्डल,संयुक्त सचिव निशार आलम,सुमन्त पांडे,सुनील शर्मा,सीतेश सिंह,ब्लड शेयर एन यू के संस्थापक अनुपम कुमार सौरव आदि का योगदान रहा। रक्तदान करने वालों में अजय केजरीवाल,सुभाष चन्द्र मण्डल, सुनील शर्मा, सन्दीप कुमार, सीतेश सिंह, राजेश राय, प्रवीण मोदी, निहाल केजरीवाल, विमल प्रसाद, अक्षय सामल, गौतम कुमार, अनीश कुमार आदि रहे।

आरपीएफ की सक्रियता से रेलवे स्टेशन पर खोया हुआ सामान बरामद

बोकारो : रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ की सक्रियता से खोया हुआ सामान बरामद किया गया। शिकायतकर्ता ने एससीएनएल/एडीए से संदर्भ संख्या 2025012401407 के माध्यम से अपने खोए हुए सामान की शिकायत दर्ज की थी। एसआई मीना कुमारी और उनकी टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए ट्रेन संख्या 13352, कोच संख्या एस 5, सीट संख्या 25 पर पहुंचकर सामान बरामद किया और सहायता बूथ में रखा था। शिकायतकर्ता के रिश्तेदार तेज करण सिंह ने उचित सत्यापन और पहचान के बाद सामान प्राप्त किया और आरपीएफ को धन्यवाद दिया। बरामद सामान में एसी आउट डोर और फोल्डिंग बेड शामिल थे, जिनकी कीमत लगभग 3000 रुपये है। यह घटना आरपीएफ की सक्रियता और जनता के प्रति उनकी सेवा की भावना को दर्शाती है।

संविधान गौरव अभियान में केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कांग्रेस पर साधा निशाना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : भाजपा बोकारो जिला द्वारा मां अम्बे गार्डन सेक्टर-2 में संविधान गौरव अभियान के तहत एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष जयदेव राय एवं संचालन जिला महामंत्री संजय त्यागी ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि माननीय केन्द्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी जी शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ महापुरुष की चित्र पर पुष्प अर्पित कर हुआ एवं माननीय मंत्री जी द्वारा संविधान की प्रस्तावना को पढ़कर किया गया। मुख्य अतिथि माननीय मंत्री जी ने विपक्ष पर बाबा साहब भीमराव आंबेडकर के नाम पर राजनीति करने का आरोप लगाया। भारत के संविधान निर्माण में बाबा साहब का अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान है। बाबा साहेब को कांग्रेस ने हमेशा अपमान किया, भाजपा ने बाबा साहेब का सदैव सम्मान किया है और हमेशा करते रहेंगे। बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के सम्मान में भाजपा समर्थित सरकार ने उनके मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित करने और 1990 में उनका चित्र संसद में स्थापित करने का महत्वपूर्ण कदम उठाया था। इतना ही नहीं भाजपा सरकार ने 26 नवम्बर को संविधान दिवस के रूप में मनाने की परम्परा शुरू की। भाजपा ने बाबा साहेब के सम्मान में पंच तीर्थ स्थल भी विकसित किया। कांग्रेस पार्टी ने सदैव अपनी निजी राजनीतिक स्वार्थ में संविधान का संशोधन किया परंतु भाजपा ने देशहित में संविधान का संशोधन किया। कांग्रेस हमेशा से दलित विरोधी और संविधान विरोधी पार्टी रही है। यह कांग्रेस की दलित और पिछड़े वर्गों के प्रति नफरत को दशार्ता है। जिला अध्यक्ष जयदेव राय ने संविधान का असली रक्षक और बाबा भीमराव आंबेडकर को सबसे अधिक सम्मान देने वाली पार्टी भाजपा को बताया। उन्होंने कहा कि संविधान निमार्ता भीमराव आंबेडकर जी का हमेशा अपमान कांग्रेस ने किया है। कांग्रेस ने संविधान में 75 संशोधन कर संविधान का अपमान किया, जबकि भाजपा सरकार ने राष्ट्रहित में कुछ संशोधन कर संविधान को सम्मान दिया। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने संसद भवन में बाबा साहब का चित्र लगा कर उन्हें सम्मान दिया। भाजपा सरकार ने उन्हें भारत रत्न दिया। कार्यक्रम में रोहित लाल सिंह, अम्बिका खवास, कुमार अमित, विनय सिंह, देवी लाल, परिंदा सिंह, शशिभूषण ओझा, आरती राणा, अनिल स्वर्णकार, मुकेश राय, लक्ष्मण नायक, कृष्ण कुमार मुन्ना, विक्रम पाण्डेय, अर्जुन सिंह, गोउर रजवार, विनोद गोराई, अर्चना सिंह, सुनिता दास, गिरजा देवी, संजय सिंह, सुरेन्द्र राज, सुभाष महतो, इंद्र कुमार झा, अनिल सिंह, मंटु राय, ईश्वर महतो, कमलेश राय, संजय सिन्हा, दिलीप श्रीवास्तव, शंकर रजक, विककी राय, अमर स्वर्णकार, अशोक शर्मा, ब्रज दुबे, भानु प्रताप सिंह, विनोद कुमार, अभिषेक कुमार ध्रुव, प्रकाश दास, राघव राज मिश्रा, राज सिंह,विक्रम कुमार, पंकज शेखर, बब्लू चौबे, विनय किशोर, बाटुल प्रमाणिक, हरिपद गोप, मनोज ठाकुर, दिनेश यादव, चंद्रप्रकाश सिंह, नीरज कुमार, राजेश सिन्हा, सचिन मिश्रा, राजीव चौबे, मुकेश बाउरी, रघुनाथ टुडू,घनश्याम आनंद, सुरेन्द्र महतो, जितेन्द्र गोस्वामी, बबिता देवी, प्रिती गुप्ता,गंदोरी राम,मोहन राम, प्रेम लाल साव,हरिश सिंह, मेघन राम, सतपाल महतो, प्रमोद दास,उपस्थित रहे।

हर गांव से 500 नए सदस्य बनाने का लक्ष्य

बोकारो : झारखंड मुक्ति मोर्चा बोकारो जिला संयोजक मंडली की बैठक बोकारो अतिथि गृह सेक्टर 1 में झारखंड मुक्ति मोर्चा बोकारो जिला संयोजक मंडली की एक महत्वपूर्ण बैठक संयोजक प्रमुख डॉक्टर रतनलाल माझी की अध्यक्षता में संपन्न हुई । बैठक में संगठन की मजबूती के लिए सदस्यता अभियान और 4 फरवरी 2025 को धनबाद में होने वाले पार्टी के स्थापना दिवस कार्यक्रम की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। संयोजक प्रमुख डॉक्टर रतनलाल माझी ने कहा कि झामुमो का उद्देश्य हर गांव से कम से कम 500 नए सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है उन्होंने यह भी कहा कि स्थापना दिवस समारोह में प्रत्येक पंचायत से अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इस अवसर पर प्रत्येक प्रखंड से कम से कम 50 वाहनों के माध्यम से कार्यकताओं को धनबाद पहुंचाने की योजना बनाई गई है।

जेईई मेन के पहले सेशन में बोकारो के कुल 1986 अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की ओर से इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश के लिए आयोजित देश की सबसे प्रतिष्ठित संयुक्त प्रवेश परीक्षा मुख्य के पहले सत्र का आयोजन शुक्रवार को बोकारो में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। बोकारो में 22 से 24 जनवरी तक तीन दिनों की अवधि में कुल 2069 में से 1986 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। जबकि, 83 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा के लिए यहां दो केंद्र बनाए गए थे। पहला सेंटर चास में नवाडीह मूर्तिटांड़ स्थित आरआर टेक्नोलॉजी और दूसरा चिकसिया में डॉ. एस. राधाकृष्णन बीएड कॉलेज के समीप बोकारो एजुकेशन ट्रस्ट कैंपस स्थित अल्फा आईसीटी सेंटर को बनाया गया था।

एनटीए के सिटी कोऑर्डिनेटर एवं डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने परीक्षा के सफल, सुचारू एवं कदाचारमुक्त आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसके लिए सभी केंद्राधीक्षकों, पर्यवेक्षकों तथा जिला प्रशासन के सहयोग के प्रति विशेष रूप से आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि तीनों दिन की परीक्षाएं पूर्णयता शांतिपूर्ण माहौल में हुईं। कहीं से भी किसी प्रकार की कोई गड़बड़ी की सूचना नहीं है। परीक्षा के पहले दिन 22 जनवरी को कुल 658 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए और 33 अनुपस्थित रहे। दूसरे दिन 23 जनवरी को 676 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी, तो 25 अनुपस्थित रहे। वहीं, तीसरे दिन 652 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए और 25 अनुपस्थित रहे। शुक्रवार को आरआर टेक्नोलॉजी सेंटर पर पहली पाली में कुल 141 में 138 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 03 अनुपस्थित रहे। इसी केंद्र में दूसरी पाली में कुल 96 में 94 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी और 02 अनुपस्थित रहे। वहीं, अल्फा आईसीटी सेंटर में बने केंद्र में पहली पाली में कुल 220 में 209 कैंडिडेट ने परीक्षा दी। जबकि, 11 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। दूसरी पाली में कुल 220 में 211 ने परीक्षा दी और 09 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। अप्रैल में होगा दूसरा सेशन

सिटी कोऑर्डिनेटर डॉ. गंगवार ने बताया कि जेईई मेन का पहला सेशन 22 से 31 जनवरी 2025 तक हो रहा है, जिसमें बोकारो में 22, 23 और 24 जनवरी को परीक्षाएं हुईं। दूसरा सत्र आगामी 01 अप्रैल से 15 अप्रैल 2025 की अवधि में होगा।

दोनों सेशन के एग्जाम देना फायदेमंद : डॉ. गंगवार

सिटी कोऑर्डिनेटर डॉ. गंगवार ने बताया कि इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अपना करियर संवारने को इच्छुक विद्यार्थियों के लिए जेईई मेन मुख्य आधार है।

धनबाद में नगर निकाय चुनाव ने पकड़ा जोर जनसंपर्क अभियान में जुटे उम्मीदवार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

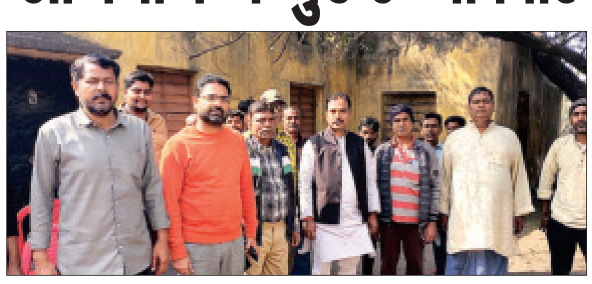

धनबाद : धनबाद नगर निकाय चुनाव की तैयारियों ने जोर पकड़ लिया है, और सभी प्रत्याशी जनता के समर्थन के लिए अपनी रणनीतियों के साथ मैदान में उतर चुके हैं। इस बार बेहतर झारखंड संस्था के संस्थापक मयूर शेखर झा भी चुनावी मैदान में हैं। अपनी ईमानदारी, सक्रियता और जनता से जुड़े रहने के अंदाज के कारण मयूर शेखर झा तेजी से लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं। समस्याओं को सुनने और समाधान का वादा मयूर शेखर झा ने धनबाद नगर निगम के वार्ड 29 के युवा नेता संतोष यादव और उनके समर्थकों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस दौरान वार्ड में जल संकट, सड़क निर्माण में देरी और स्वच्छता जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। झा ने स्थानीय निवासियों को भरोसा दिलाया कि इन समस्याओं को जल्द ही संबंधित विभाग के समक्ष उठाया जाएगा और समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। मयूर शेखर झा ने कहा वार्ड 29 में समस्याओं का अंबार है, लेकिन मैं यहां सिर्फ वादे करने नहीं, बल्कि समाधान की ठोस योजना के साथ आया हूं। जनता की भलाई और विकास को प्राथमिकता देना मेरी जिम्मेदारी है। वार्ड 11 में भी जमीनी समस्याओं की समीक्षा वार्ड 29 के बाद मयूर शेखर झा ने वार्ड 11 का रुख किया, जहां उन्होंने जुझारू नेता विश्वनाथ वर्मा और उनके समर्थकों के साथ बैठक की। वार्ड 11 में सड़क, बिजली और साफ-सफाई जैसे बुनियादी मुद्दे लंबे समय से लोगों की परेशानियों का कारण बने हुए हैं। झा ने इन समस्याओं को गहराई से सुना और उनके समाधान के लिए ठोस कदम उठाने का आश्वासन दिया। बैठक के दौरान मयूर शेखर झा ने कहा धनबाद की समस्याओं को लंबे समय से अनदेखा किया गया है। अब समय आ गया है कि हम सब मिलकर इन्हें सुलझाएं और अपने शहर को विकास के पथ पर आगे बढ़ाएं।

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर समारोह का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

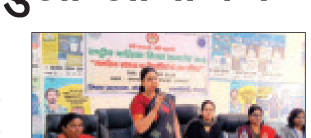

कसमार : सहयोगिनी संस्था द्वारा कसमार प्रखंड सभागार में राष्ट्रीय बालिका दिवस समारोह का आयोजन किया गया। जिला प्रशासन के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं के मानसिक स्वास्थ्य कैसे सुदृढ़ हो इस पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रखंड की प्रमुख नियोति दे ने कहां कि लड़कियों का सही मानसिक स्वास्थ्य से ही उनका बेहतर कैरियर संभव हो सकता है। इसके लिए उन्हें सही परामर्श दिए जाने की जरूरत है । उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर किशोरियों के साथ आज का यह कार्यक्रम उनके लिए लाभप्रद साबित होगा। इस दौरान कसमार प्रखंड के अंचल अधिकारी प्रवीण कुमार ने कहा कि लड़कियों के स्वास्थ्य तथा शिक्षा पर सभी वर्गों को मिलकर काम करने की जरूरत है। जिससे उनका समेकित विकास हो सके। उन्होंने कहा कि सहयोगिनी द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम किशोरियों के लिए बहुत ही जरूरी है। इस दौरान बोकारो सदर अस्पताल की मानसिक स्वास्थ्य काउंसलर सुषमा कुमारी ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य जैसी समस्या से सभी उम्र के लोग पीड़ित है। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य समस्या का लक्षण को समझने की जरूरत है। अत्यधिक उदासी, निराशा या उत्साह की कमी, पुरानी यादों से या अकेले रहने से घबराना, अत्यधिक चिन्ता, तेजी से दिल धड़कना, पसीना आना, आत्महत्या विचार आना,अकले में हंसना, बातें करना, शक करना, अत्यधिक सफाई करते रहना, नशा या नशीले पदार्थ का सेवन, अत्यधिक मोबाइल या अन्य यंत्र की लत/आदत जैसे लक्षण को समझने तथा इससे होने वाली तनाव को कम करने की जरूरत है।

स्मार्ट, रेजिलिएंट और सस्टेनेबल इंफ्रास्ट्रक्चर पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

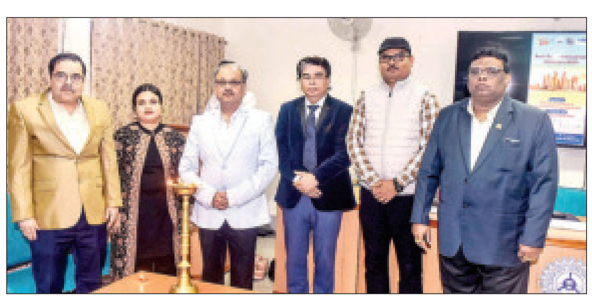

धनबाद : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भारतीय खनन विद्यालय, धनबाद ने शुक्रवार को स्मार्ट, रेजिलिएंट और सस्टेनेबल इंफ्रास्ट्रक्चर पर एक प्रतिष्ठित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ किया। इस आयोजन में भारत और विदेशों से 150 से अधिक सिविल इंजीनियरिंग विशेषज्ञों ने भाग लिया है, जो इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के क्षेत्र से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर चर्चा और विचार-विमर्श करेंगे। सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित इस सम्मेलन का आयोजन 24 और 25 जनवरी को अमेरिकन सोसाइटी ऑफ सिविल इंजीनियर्स के सहयोग से किया गया है। इसका उद्देश्य सतत और रेजिलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर को आगे बढ़ाने के लिए नवाचारपूर्ण दृष्टिकोण और अत्याधुनिक समाधान तलाशना है। कार्यक्रम का उद्घाटन सत्र आईआईटी आईएसएम के कार्यकारी विकास केंद्र में आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रो.सुकुमार मिश्रा, निदेशक, आईआईटी आईएसएम उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में प्रो. धीरज कुमार, उप निदेशक, आईआईटी आईएसएम, और दिलीप कुमार धर, सचिव, एएससीइ शामिल थे। सम्मेलन की शुरूआत सम्मेलन संयोजक प्रो. पियाली सेनगुप्ता के स्वागत भाषण से हुई और इसका समापन प्रो. राजीब सरकार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। अपने उद्घाटन भाषण में, प्रो. सुकुमार मिश्रा ने इंफ्रास्ट्रक्चर विकास में यांत्रिक और सामाजिक पहलुओं के दोहरे महत्व पर जोर दिया। उन्होंने सतत विकास लक्ष्यों के साथ सामंजस्य स्थापित करने के लिए भवन डिजाइन में ऊर्जा दक्षता को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। प्रो. धीरज कुमार ने शून्य-अपशिष्ट और शून्य-डिस्चार्ज भवन प्रथाओं को अपनाने की तात्कालिकता पर जोर दिया ताकि जलवायु-लचीला इंफ्रास्ट्रक्चर बनाया जा सके। दिलीप कुमार धर ने 1852 में अपनी स्थापना के बाद से सिविल इंजीनियरिंग पेशे के लिए एएससीई के समृद्ध इतिहास और योगदान का अवलोकन प्रस्तुत किया। उन्होंने इंजीनियरिंग समुदाय के भीतर नेतृत्व को बढ़ावा देने, प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने, और आजीवन सीखने को प्रोत्साहित करने के एएससीई के मिशन पर विस्तार से चर्चा की। सम्मेलन में शिक्षाविदों और उद्योग के 28 प्रमुख विशेषज्ञों द्वारा मुख्य भाषण दिए जाएंगे, जिनमें शामिल हैं।

संक्षिप्त खबरें

उपायुक्त व वरीय पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से किया परेड के पूर्वाभ्यास का निरीक्षण

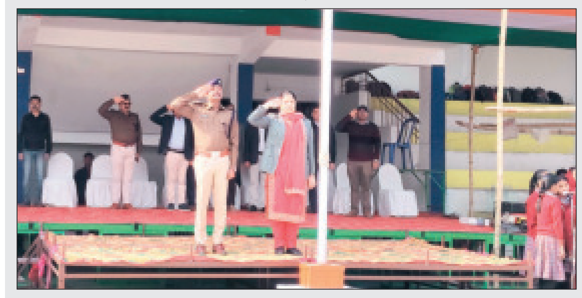

धनबाद : गोल्फ ग्राउंड में 26 जनवरी को आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह को लेकर शुक्रवार को परेड का पूर्वाभ्यास किया गया। इसमें उपायुक्त सुश्री माधवी मिश्रा और वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन ने परेड पूर्वाभ्यास का निरीक्षण किया तथा तैयारियों की समीक्षा की। साथ ही परेड की सलामी ली। परेड में शामिल विभिन्न प्लाटून ने आकर्षक एवं भव्य परेड का स्वरूप प्रदर्शित किया। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि पुलिस जवानों की ओर से परेड की तैयारियां बेहतर तरीके से की गई है। परेड के दौरान किसी प्रकार की त्रुटियां न रहे, इसके लिए सभी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। वरीय पुलिस अधीक्षक ने परेड में भाग लेने वाले प्लाटून का हौसला बढ़ाया। उन्होंने सभी टुकड़ियों को पूरे स्वाभिमान व गर्व के साथ परेड में भाग लेने की सीख दी। गोल्फ ग्राउंड में उपायुक्त सुश्री माधवी मिश्रा, वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन, एसडीएम राजेश कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी शसुनिल कुमार सिंह समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहें।

पांच लिम्का बुक रिकॉर्ड होल्डर को केन्द्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने किया सम्मानित

धनबाद : बेकार बांध स्थित ब्लेसिंग हॉल में भारतीय जनता पार्टी के द्वारा आयोजित संविधान गौरव दिवस अभियान कार्यक्रम में अम्बेडकर स्कूल ऑफ मार्शल आर्ट्स के अध्यक्ष सह मुख्य प्रशिक्षक सह लिम्का बुक रिकार्ड होल्डर एवं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी अनिल बांसफोर, लिम्का बुक रिकॉर्ड होल्डर सुनील बांसफोर, लिम्का बुक रिकार्ड होल्डर अमरजीत बाँसफोर, लिम्का बुक रिकार्ड होल्डर मुकेश बांसफोर, लिम्का बुक रिकॉर्ड होल्डर सुयश भारती को भारत सरकार के ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान नें शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। वहीं अम्बेडकर स्कूल ऑफ मार्शल आर्ट्स के अध्यक्ष सह मुख्य प्रशिक्षक अनिल बांसफोर, लिम्का बुक रिकॉर्ड होल्डर सुनील बाँसफोर, अमरजीत बांसफोर, मुकेश बांसफोर, सुयश भारती एवं तलवारबाजी के स्टेट प्लेयर अखिलेश बांसफोर, रूपेश, नितेश, निकेश ये सभी खिलाडियों ने कमलेश पासवान ग्रामीण विकास राज्य मंत्री भारत सरकार को बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिरूप सौंपी। इस अवसर पर धनबाद के सांसद ढुलु महतो, धनबाद विधायक राज सिन्हा,भाजपा के धनबाद महानगर जिला अध्यक्ष श्रवण राय के साथ-साथ गणमान्य लोग उपस्थित थे।

श्रीराम कृष्णा पब्लिक स्कूल में लगा नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर

धनबाद : सर्वोच्च मानवाधिकार संरक्षण झारखण्ड के तत्वावधान में लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल बोहरा आश्रम चौपारण की ओर से श्रीराम कृष्णा पब्लिक स्कूल विराजपुर धनबाद में नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें मेडिकल टीम ने सैकड़ों लोगों के आंखों की जाचं की और उन्हें नि:शुल्क दवा और चश्मा दिया। इस अवसर पर मानवाधिकार के प्रदेश अध्यक्ष व इस स्कूल के निदेशक भागवत प्रसाद पाण्डेय वशिष्ठ ने इनके लोकहित एवं उत्कृष्ट कार्यों के लिए सराहना की। प्रदेश सचिव सुरेश चन्द्र तिवारी ने उनकी सेवा भावना के लिए धन्यवाद दिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य सरयू प्रसाद राय ने आयोजन को भौतिक व्यवस्था दी। इस नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर में मेडिकल टीम में डा.आर्यन कुमार यादव, डा. गौरव कुमार पाण्डेय, डा. युवराज कुमार के साथ साथ रोहन सिंह, हरिश्वर डांगी,लक्की सिंह,आकाश सिंह,रवी कुमार वर्मा,संदीप कुमार,याशिका कुमारी,प्रत्याश कुमारी, रोहित कुमार, अमीत कुमार,दीलांशी परवीन, सोनाली कुमारी उज्वल बाउरी आदि की अहम भूमिका थी। मौके पर मानवाधिकार के प्रदेश उपाध्यक्ष अरुण राजवंशी, बोल-बम पाण्डेय,मुकेश पाण्डेय,डिलू राय, मनोहर, सुरेश, विकास, रोहित एवं तुलसी आदि उपस्थित हुए। स्टेट प्लेयर अखिलेश बांसफोर, रूपेश, नितेश, निकेश ये सभी खिलाडियों ने कमलेश पासवान ग्रामीण विकास राज्य मंत्री भारत सरकार को बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिरूप सौंपी। इस अवसर पर धनबाद के सांसद ढुलु महतो, धनबाद विधायक राज सिन्हा,भाजपा के धनबाद महानगर जिला अध्यक्ष श्रवण राय के साथ-साथ गणमान्य लोग उपस्थित थे।

बोकारो प्रबंधन सेवानिवृत्त कर्मियों के साथ कर रहा अमानवीय व्यवहार : रणधीर

बोकारो : राष्ट्रवादी इस्पात मजदूर संघ की बैठक स्थानीय कार्यालय सेक्टर 9 में हुई बैठक को संबोधित करते हुए रिम्स के महामंत्री रणधीर सिंह ने कहा कि बोकारो प्रबंधन सेवानिवृत कर्मियों के साथ एवं लाइसेंस धारी आवासों में रहने वाले लोगों के साथ अमाननीय व्यवहार कर रही है बोकारो प्रबंधन ने लाइसेंस धारी के साथ आवास लाइसेंस योजना के तहत विभिन्न तरीके का आवास किराया एवं अग्रिम राशि निर्धारित की थी समय-समय पर बदलकर लाइसेंस धारी को बोकारो प्रबंधन ठगने का काम कर रही है एक तरफ सेवानिवृत्ति कर्मियों की पेंशन कुछ भी नहीं है ऐसे में उसे पर दबाव बनाकर बिजली बिल एवं रेनवाल चार्ज जमा करने का जो तांडव रच रही है वह बर्दाश्त के बाहर है कुछ दलाल यूनियन के लोगों के इशारे पर बोकारो प्रबंधन या खेल खेल रही है बोकारो प्रबंधन बिजली बिल के लिए रेनवाल चार्ज की अनिवार्यता को समाप्त कर बिजली बिल की बकाया राशि तीन किस्त में लेने का काम करें इसके अलावा पिछले वर्ष लाइसेंसिंग योजना के तहत जिन लोगों ने भी एलॉटमेंट ऑर्डर लिया था और पैसा नहीं जमा कर पाए उन लोगों के लिए बोकारो प्रबंधन अलग से तिथि निर्धारित कर उनका पैसा ले बोकारो प्रबंधन संयंत्र को एवं नगर को व्यावसायिक प्रतिष्ठान बनाने का काम ना करें अन्यथा इसके खिलाफ संघ के द्वारा क्रमबद्ध रूप से जन जागरण अभियान के साथ-साथ आंदोलन के रूपरेखा तैयार की जाएगी और आने वाले समय में तीव्र आंदोलन किया जाएगा बैठक में मुख्य रूप से जैन तिवार, जी बैठा, ओन्ली अली, एस अली, जीबी पासवान, उपस्थित थे।

फुल ड्रेस रिहर्सल का डीसी-डीआईजी ने किया निरीक्षण

डीसी और डीआईजी ने दिए कई निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस के राज्यस्तरीय समारोह का शुक्रवार को फुल ड्रेस रिहर्सल की गई। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री एवं डीआईजी-सह-वरीय पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार सिन्हा की देखरेख में फुल ड्रेस रिहर्सल की गई।

फुल ड्रेस रिर्हसल के दौरान गणतंत्र दिवस पर आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रमों को रियल टाइम बेसिस पर दुहराया गया। उपायुक्त और डीआईजी-सह-वरीय पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से परेड का निरीक्षण कर मार्च पास्ट की सलामी ली। परेड पार्टियों को संबोधित करते हुए उपायुक्त एवं वरीय पुलिस अधीक्षक द्वारा आवश्यक सुधार के लिए कई निर्देश दिए गए।

फुल ड्रेस रिहर्सल के बाद प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों की ज्वाइंट ब्रीफिंग भी हुई। इस दौरान जिलास्तरीय पदाधिकारियों के साथ पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

ब्रीफिंग के दौरान सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को अपर जिला दण्डाधिकारी, रांची द्वारा समारोह के लिए जारी संयुक्तादेश के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। ज्वाइंट ब्रीफिंग के दौरान उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के जरिये सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को ससमय प्रतिनियुक्ति स्थल पर पहुंचकर कार्य एवं दायित्व का निर्वहन करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारी उचित समन्वय के साथ अपनी-अपनी जिम्मेदारी निष्ठापूर्वक निभाएं। उन्होंने निर्धारित समय-सीमा में झांकियों का प्रदर्शन एवं मेडिकल व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

ज्वाइंट ब्रीफिंग में डीआईजी-सह-वरीय पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार सिन्हा द्वारा समारोह के दौरान सुरक्षा-व्यवस्था को लेकर प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारियों एवं पुलिस बलों को निर्देशित किया गया। पुलिस उपाधीक्षक, यातायात द्वारा भी समारोह के दौरान सुदृढ़ यातायात व्यवस्था को लेकर प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों जरूरी जानकारी दी गई।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर परेड का समादेशन मेजर सुमन कुमार, भारतीय सेना, रांची करेंगे। सुशांत कुमार, परिचारी प्रवर-1, रांची परेड का द्वितीय समादेशन करेंगे।

15 प्लाटून लेंगे परेड में हिस्सा

- गणतंत्र दिवस समारोह में सेना सहित 15 प्लाटून जवान हिस्सा लेंगे।
- सेना, सीआईएसएफ, सीआरपीएफ
- आईटीबीपी, झारखंड जगुआर
- जेएपी-1, जेएपी-2, डीएपी (पुरुष), डीएपी (महिला) एसएसबी, पश्चिम बंगाल पुलिस
- जेएपी-10 (महिला बटालियन)
- होमगार्ड, एनसीसी (गर्ल्स)
- एनसीसी (ब्वॉयज)
- ये बैंड पार्टी होंगे शामिल
- जे.ए.पी -1, होमगार्ड, जे.ए.पी.-10 (महिला)।

एक नजर

निगम और स्थानीय निकाय चुनाव के लिए दाखिल याचिका पर अब 7 फरवरी को सुनवाई

रांची : झारखंड में नगर निगम और स्थानीय शहरी निकाय चुनाव कराने को लेकर निवर्तमान पार्षद रोशनी खलखो की ओर से दायर याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान प्रार्थी की ओर से विनोद सिंह ने पक्ष रखा। वहीं स्टेट इलेक्शन कमीशन के अधिवक्ता ने कहा कि हमें अभी तक अपटूडेट वोटर लिस्ट नहीं मिला है, जिसके कारण चुनाव की तैयारी में समस्या हो सकती है। इसपर केंद्रीय चुनाव आयोग के अधिवक्ता ने कहा कि अभी नवंबर में झारखंड सहित अन्य राज्यों में नवंबर 2024 में आयोग द्वारा जारी अपडेटेड वोटर लिस्ट के आधार पर चुनाव हुआ था। इसलिए उसी वोटर लिस्ट के आधार पर चुनाव कराया जाये।

उत्पाद मंत्री ने जेएसबीसीएल गोदाम का किया औचक निरीक्षण

रांची : उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने शुक्रवार को झारखंड स्टेट बेवरेज कॉरपोरेशन लिमिटेड (जेएसबीसीएल) के गोदाम का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कई अनियमितताएं पाईं और गोदाम प्रबंधक को फटकार भी लगाई। उन्होंने कहा कि सभी अनियमितताओं को जल्द से जल्द सुधारा जाए नहीं तो नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने कहा कि विभाग द्वारा तय एसओपी के तहत ही कार्य किए जाएंगे।

जुपमी भवन में मनाया गया राष्ट्रीय मतदाता दिवस

रांची : स्मार्ट सिटी रांची स्थित जुपमी भवन में राष्ट्रीय मतदाता दिवस की पूर्व संध्या पर शुक्रवार को राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया गया। इस मौके पर रांची स्मार्ट सिटी कॉरपोरेशन और नगर विकास विभाग के नगरीय प्रशासन निदेशालय के पदाधिकारी और कर्मचारियों मौजूद रहे। निदेशालय और स्मार्ट सिटी कॉरपोरेशन के कर्मियों ने सभी निर्वाचनों में धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय और भाषा से बगैर प्रभावित हुए अपने मताधिकार का प्रयोग करने की शपथ ली गई। यह भी शपथ ली गई कि हम लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखेंगे और अपने देश की लोकतांत्रिक परंपराओं की मयार्दा को बनाए रखेंगे।

दक्षिण पूर्व रेलवे, निविदा

निविदा सूचना संख्या: ई-निविदा/2025/02। भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनकी ओर से दक्षिण पूर्व रेलवे, खड़गपुर-721301 के मंडल रेल प्रबंधक (इंजीनियरिंग) निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं, निम्नलिखित मदों के सामने उल्लिखित तिथि से पहले 15:00 बजे तक निविदाएँ जमा की जानी चाहिए और उन्हें 15:30 बजे खोला जाएगा: क्र.सं.; निविदा संख्या; कार्य का विवरण; निविदा मूल्य; बयाना राशि; निविदा खोलने की तिथि; कार्य की पूर्णता अवधि: (1) ई-केजीपी-साउथ-01-2025; खड़गपुर-भद्रक खंड के तहत एडीईएन/बालासोर के अंतर्गत 3410 मीटर बैंक में सुधार और कंक्रीट कैनवास नालों का प्रावधान, ₹9,70,99,617.29; ₹6,35,500.00; 11/02/2025; 18 माह; (2) ई-केजीपी-एचक्यू-04-2025; एडीईएन / तमलुक के अधिकार क्षेत्र में पड़ने वाले पांसकुड़ा हल्दिया खंड में 27.788 ट्रैक किलोमीटर (पैचों में) का थ्रू वेल्डेड नवीकरण; ₹1,91,27,972.68; ₹2,15,600.00; 11/02/2025; 06 महीने; (3) ई-केजीपी-साउथ-02-2025; एडीईएन / बालासोर के अंतर्गत रूपसा-रानीताल खंड में 28.789 ट्रैक किलोमीटर का थ्रू स्लीपर नवीकरण (टीएसआर) कार्य का निष्पादन; ₹77,15,959.85; ₹1,54,300.00; 13/02/2025; 12 महीने; (4) ई-केजीपी-साउथ-04-2025; खड़गपुर मंडल के खड़गपुर-हावड़ा खंड में एडीईएन (साउथ)/खड़गपुर के अंतर्गत (6वीं कॉल) 10 मौजूदा पर्ण जिनों का प्रतिस्थापन; ₹4,82,92,883.82; ₹3,91,500.00; 13/02/2025; 12 महीने; (5) ई-केजीपी-साउथ-03-2025; वरिष्ठ डीईएन (साउथ)/खड़गपुर के अंतर्गत खड़गपुर-भद्रक खंड में 5.474 ट्रैक किलोमीटर का संपूर्ण ट्रैक नवीकरण (प्राथमिक) (सीटीआरपी) कार्य का निष्पादन; ₹1,32,16,887.12; ₹2,16,100.00; 18/02/2025; 12 महीने; (6) ई-केजीपी-साउथ-05-2025; वरिष्ठ डीईएन (साउथ)/खड़गपुर के अधिकार क्षेत्र में खड़गपुर-भद्रक खंड में 59.820 ट्रैक किलोमीटर और 10 पॉइंट्स एवं क्रॉसिंग का थ्रू बैलास्ट नवीकरण (टीबीआर) कार्य का निष्पादन; ₹5,71,22,766.29; ₹4,35,600.00; 18/02/2025; 12 महीने; निविदा दस्तावेज की लागत संख्या: ₹0.00; निविदा जमा करने की प्रारंभ तिथि: क्रमांक 1 के लिए: 28/01/2025 से 11/02/2025 को 15:00 बजे तक; क्रमांक 2 के लिए: 17/01/2025 से 11/02/2025 को 15:00 बजे तक; क्रमांक 3 और 4 के लिए: 30/01/2025 से 13/02/2025 के 15:00 बजे तक; क्रमांक 5 और 6 के लिए: 04/02/2025 से 18/02/2025 के 15:00 बजे तक। इच्छुक निविदाकार www.ireps.gov.in वेबसाइट पर जाकर निविदाओं की पूर्ण जानकारी/विवरण/विशेषताएँ देख सकते हैं और अपनी बोलियाँ ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। इन कार्यों के लिए किसी भी स्थिति में मैनुअल निविदाएँ स्वीकार नहीं की जाएंगी। नोट: संभावित बोलीदाता उपर्युक्त निविदाओं में भाग लेने के लिए नियमित रूप से www.ireps.gov.in पर विजिट करते रहें। (PR-1054)

पुलिस महानिदेशक ने दिलाई राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर मताधिकार प्रयोग की शपथ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : पुलिस महानिदेशक (मुख्यालय) आरके मल्लिक ने शुक्रवार को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में पुलिस मुख्यालय परिसर में सभी पदाधिकारियों को शपथ दिलाई।

इस दौरान सभी ने लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए शपथ ली कि हम, भारत के नागरिक लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए, यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मयार्दा को बनाये रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

इस अवसर पर पुलिस मुख्यालय में पदस्थापित सभी पुलिस पदाधिकारी और कर्मी उपस्थित रहे।

रन फॉर सेल में सभी कर्मचारियों को स्वास्थ्य ठीक रखने की दिलाई गई शपथ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : शुक्रवार को सेल रांची इकाइयों ने सेल सैटेलाइट कॉलोनी में अपना सेल स्थापना दिवस बड़े उत्साह और भव्यता के साथ मनाया। इस अवसर पर एसके वर्मा, ईडी (सीईटी), वेदप्रकाश, ईडी (एसडीटीडी), संदीप कुमार कर, ईडी (आरडीसीआईएस), संजय धर कार्यवाहक ईडी (एमटीआई) और अन्य सीजीएम, कर्मचारी, उनके परिवार और मित्र उपस्थित थे। सबसे पहले रन फॉर सेल में सभी कर्मचारियों को अपना और कंपनी का स्वास्थ्य फिट और ठीक रखने की शपथ दिलाई गई। इसके बाद सेल कर्मचारियों के बच्चों को छात्रवृत्ति पुरस्कार वितरित किए गए। इन पुरस्कारों को प्राप्त करने वाले बच्चों में रौनक जैन, नव्याकृति, सक्षम कुमार, कुशाग्र, एम वर्मा, श्यामंतक मिश्रा और वैष्णवी कुमारी शामिल थे। श्यामली कॉलोनी में 5 किलोमीटर की दौड़ 10 विभिन्न श्रेणियों के लिए थी श्री जे. मोयलन और श्री ए.के. जेना, पूर्व कर्मचारी त्रिवेंद्रम से आए और उन्हें पूर्व कर्मचारी श्रेणी में दूसरा स्थान मिला। विभिन्न 10 श्रेणियों में शीर्ष धावक लक्ष्मण कुमार, सीमा यादव, बेन्सी बी.के., प्रभा देवी, तान्या श्रीहर्ष, श्रेयश रॉय, शांभवी सौम्या, सुखधाम टोप्पो, अबधेश प्रसाद और गर्वित यादव थे। इन विजेताओं को कार्यकारी निदेशकों द्वारा सम्मानित किया गया। पुरुष प्रतिभागियों के लिए सर्वश्रेष्ठ समय श्रेयश रॉय द्वारा 30 मिनट और महिला प्रतिभागियों के लिए तान्या श्रीहर्ष द्वारा 44 मिनट था।

जीएनएलयू और एनयूएसआरएल के बीच हुआ समझौता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (जीएनएलयू) और नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ (एनयूएसआरएल) के बीच आज एक अहम समझौते (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस मौके पर जीएनएलयू के निदेशक प्रोफेसर डॉ. एस. शांताकुमार और एनयूएसआरएल के कुलपति प्रोफेसर डॉ. अशोक आर. पाटिल ने इस समझौते पर दस्तखत किया।

इस एमओयू का उद्देश्य दोनों विश्वविद्यालयों के बीच शैक्षिक और शोध संबंधों को और मजबूत करना है। इसके तहत दोनों विश्वविद्लाय एक दूसरे के साथ सहयोग करेंगे और शैक्षिक माहौल को बेहतर बनाने की दिशा में काम करेंगे। इस समझौते में कुल 11 प्रमुख बिंदुओं पर सहमति बनी है।

एमओयू के अहम बिंदू

शैक्षिक और शोध सहयोग : दोनों विश्वविद्यालय एक दूसरे के शैक्षिक कार्यक्रमों और शोध परियोजनाओं की जानकारी साझा करेंगे, साथ ही शिक्षण सामग्री और अन्य शैक्षिक संसाधनों का आदान-प्रदान करेंगे।

संयुक्त शैक्षिक कार्यक्रम और कार्यशालाएं : दोनों संस्थान मिलकर शैक्षिक कार्यक्रम, सेमिनार, सम्मेलन और कार्यशालाएं आयोजित करेंगे।

शोध सहयोग : दोनों विश्वविद्यालय२ शोध परियोजनाओं में मिलकर काम करेंगे और एक-दूसरे के फैकल्टी को इसमें शामिल करेंगे।

छात्र विनिमय : स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट स्तर के छात्रों का आदान-प्रदान किया जाएगा।

लाइब्रेरी और शैक्षिक संसाधनों का साझा करना : दोनों संस्थान अपनी लाइब्रेरी और शैक्षिक संसाधनों को साझा करेंगे, ताकि छात्रों और शिक्षकों को अधिक से अधिक लाभ हो सके।

एनयूएसआरएल के कुलपति प्रोफेसर डॉ. अशोक आर. पाटिल ने इस समझौते पर कहा, यह हमारे विश्वविद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। हम अपने छात्रों और शिक्षकों के लिए बेहतर शोध, शिक्षण माहौल और अवसरों के सृजन की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं। इस समझौते से दोनों विश्वविद्यालयों को इस दिशा में मजबूती मिलेगी। इस समझौते से दोनों संस्थानों के बीच शैक्षिक और शोध संबंधों में एक नया अध्याय जुड़ने की उम्मीद है, जिससे विद्यार्थियों और शिक्षकों को वैश्विक स्तर पर बेहतरीन अवसर प्राप्त होंगे।

सरकारी रिक्त पदों की संख्या घटने पर मरांडी ने सरकार पर साधा निशाना

रांची : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर बड़ा निशाना साधा है। मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर शुक्रवार को कहा कि पिछले दो सालों में सरकारी विभागों के रिक्त पदों की संख्या 4.66 लाख से घटकर अब महज 1.59 लाख रह गई है। यानी बिना कोई परीक्षा कराए सरकार युवाओं की 2 लाख 7 हजार नौकरियां खा गई। उन्होंने कहा कि सरकार बेरोजगार युवाओं को नौकरी देने के प्रति कितने गंभीर हैं, उसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बिना नियुक्ति दिए ही दो लाख से अधिक रिक्त पद गायब हो गए। इस अनूठे घोटाले का जवाब न तो मुख्यमंत्री के पास है, न अधिकारियों के पास।

डिजिटल सक्षम पहल से झारखंड के छोटे व्यापारी हुए लाभान्वित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) झारखंड में मास्टरकार्ड सेंटर फॉर इनक्लूसिव ग्रोथ की सहायता से डिजिटल सक्षमता परियोजना के माध्यम से सूक्ष्म उद्यमों को सशक्त बनाने के लिए प्रशंसनीय कार्य कर रहा है। सीआईआई नेशनल एमएसएमई काउंसिल के चेयरमैन समीर गुप्ता ने शुक्रवार को बताया कि डिजिटल सक्षम पहल ने झारखंड के छोटे व्यवसायों को डिजिटल युग के अवसरों का लाभ उठाने के लिए सशक्त किया है। व्यापक प्रशिक्षण और समर्थन के माध्यम से यह पहल न केवल उनकी डिजिटल क्षमताओं को बढ़ा रही है, बल्कि स्थानीय व्यापार समुदाय में नवाचार और विकास की संस्कृति को भी प्रोत्साहित कर रही है।

बहुत से लोगों को इस पहल से लाभ हुआ है और इनमें एक सफलता की कहानी है आनंद प्रकाश की, जिन्होंने झारखंड में अपनी एनजीओ की नौकरी छोड़कर "जस्ट कम्स" नाम से व्यवसाय शुरू किया। वे पैन, आधार और वोटर कार्ड जैसी ऑनलाइन सेवाएं प्रदान करते हैं। डिजिटल सक्षम प्रशिक्षण के बाद, उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए अपने व्यवसाय का प्रचार किया, जिससे उनकी सेवाओं की पहुंच और लोकप्रियता बढ़ी। उन्होंने एक सॉफ्टवेयर विकसित किया और फ्रेंचाइजी शुरू की, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सेवाएं आसानी से उपलब्ध हो सकीं। उनका यह प्रयास ग्रामीण इलाकों में डिजिटल सशक्तिकरण का उदाहरण है। यह पहल एमएसएमई व्यवसायों को नया आकार देकर अनछुए बाजारों तक पहुंचने में मदद कर रही है। यह कार्यक्रम अब तक 7,335 से अधिक लोगों तक पहुंच चुका है, जिसमें 2,617 लोगों को प्रशिक्षण दिया गया और 116 से अधिक लोगों ने डिजिटल उपकरणों को अपना लिया है। डिजिटल सक्षम ने झारखंड के स्थानीय उद्यमियों को डिजिटल टूल्स का उपयोग करने के लिए सक्षम बनाया है, जिससे वे अपने व्यवसाय को ऑनलाइन बढ़ा रहे हैं और डिजिटल भुगतान की सुविधा का लाभ उठा रहे हैं। इससे न केवल व्यवसायों को विकास का अवसर मिला है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों तक सेवाओं की पहुंच भी आसान हो गई है।

संक्षिप्त खबरें

राज्यपाल बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित समारोह में हुए शामिल

रांची : राज्यपाल-सह-झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार ने शुक्रवार को झारखंड राज्य खुला विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची में आयोजित समारोह में कहा कि यह विश्वविद्यालय केवल एक शैक्षणिक संस्थान नहीं, बल्कि उन लाखों विद्यार्थियों के लिए आशा का केंद्र है, जो शिक्षा के माध्यम से अपने सपनों को साकार करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय की स्थापना झारखंड राज्य खुला विश्वविद्यालय अधिनियम, 2021 के तहत व्यापक उद्देश्यों के साथ की गई। राज्यपाल महोदय ने कहा कि यह विश्वविद्यालय ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में रहने वाले व्यक्तियों, कामकाजी वर्ग, गृहणियों और शिक्षा से वंचित अन्य लोगों को शिक्षा के माध्यम से सशक्त बनाने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करना हमारा दायित्व है कि हमारे विद्यार्थी न केवल शिक्षा प्राप्त करें, बल्कि कार्यक्षेत्र में भी अपनी विशिष्ट पहचान बना सकें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "आत्मनिर्भर भारत" और विकसित भारत@2047 के विजन को साकार करने में विश्वविद्यालय की अहम भूमिका है। राज्यपाल महोदय ने सभी छात्रों और शिक्षकों से समाज और राष्ट्र के विकास में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों को और अधिक सशक्त बनाए और आधुनिक तकनीकी उपकरणों का उपयोग कर शिक्षा को सभी के लिए सुलभ बनाए। यह विश्वविद्यालय कड़ी मेहनत और समर्पण से अन्य राज्य के लोगों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बनेगा। राज्यपाल महोदय ने सभी छात्रों, शिक्षकों, कर्मियों को शुभकामनाएं दीं और झारखंड के कोने-कोने में शिक्षा के प्रकाश को फैलाने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

स्कूल वैन को स्कॉर्पियो ने मारी टक्कर घायल चालक की हुई मौत

रांची : रांची के धुर्वा थाना क्षेत्र के शालीमार मार्केट के पास शुक्रवार की सुबह स्कूल वैन को पुलिस लिखी स्कॉर्पियो ने टक्कर मार दी। इस हादसे में स्कूल वैन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। स्कूल वैन का चालक बुरी तरह से घायल हो गया था जिसकी मौत हो गई। हालांकि एक बच्चे को हल्की चोट आई है। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि पुलिस लिखी स्कॉर्पियो के चालक और स्कूल वैन के चालक में किसी बात को लेकर बहस हुई। इस विवाद के बाद वैन चालक बच्चों को लेकर आगे बढ़ गया, लेकिन स्कॉर्पियो ने उसका पीछा कर टक्कर मार दी। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर आगे की जांच की जा रही है।

एक सप्ताह बाद झारखंड पुलिस में डीजी रैंक के अफसरों की संख्या हो जायेगी कम

रांची : झारखंड पुलिस में डीजी रैंक के अफसरों की संख्या एक सप्ताह बाद कम हो जायेगी। झारखंड में वर्तमान में डीजी (डायरेक्टर जनरल) रैंक के अफसरों की संख्या कुल पांच हैं। जिनमें से 31 जनवरी को 1989 बैच के आईपीएस अजय कुमार सिंह और 1992 बैच के आईपीएस आरके मलिक रिटायर हो जायेंगे। जिसके बाद झारखंड पुलिस में डीजी रैंक के तीन अफसर रहेंगे जिनमें अनुराग गुप्ता, अनिल पालटा और प्रशांत सिंह शामिल हैं। झारखंड कैडर के आईपीएस एमएस भाटिया जनवरी 2025 में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटेंगे। 1993 बैच के आईपीएस अधिकारी एमएस भाटिया वर्तमान में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं, और सीआरपीएफ में आईजी एडमिन हैं। गौरतलब है कि इससे पहले एमएस भाटिया को डीजी रैंक में प्रोफार्मा प्रोन्नति मिल चुकी है। इसे लेकर गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने अधिसूचना जारी दी थी। झारखंड पुलिस में वर्तमान में आईपीएस अधिकारियों की संख्या बढ़कर 145 हो गयी है, हालांकि इनमें से 2022 और 2021 बैच के कई आईपीएस ट्रेनिंग में है। गौरतलब है कि झारखंड पुलिस सेवा के 17 डीएसपी को आईपीएस में प्रोन्नति देने की तैयारी शुरू हो गयी है। इन 17 डीएसपी के नाम यूपीएससी को भेजे जा सकते हैं। इससे संबंधित फाइल तैयार कर ली गयी है। झारखंड कैडर में झारखंड पुलिस सेवा से आईपीएस में प्रोन्नति के सिर्फ नौ पद रिक्त हैं। जिन डीएसपी को आईपीएस बनाने की तैयारी हो रही है, उनमें शिवेंद्र, राधा प्रेम किशोर, मुकेश कुमार महतो, दीपक कुमार-1, मजरूल होदा, राजेश कुमार, अविनाश कुमार, रौशन गुड़िया, श्रीराम समद, निशा मुर्मू, सुरजीत कुमार, वीरेंद्र कुमार चौधरी, राहुल देव बड़ाईक, खीस्टोफर केरकेट्टा, प्रभात रंजन बरवार, अनूप कुमार बड़ाईक व समीर कुमार तिर्की शामिल हैं। इनमें से दो ऐसे डीएसपी भी हैं, जिन पर सीबीआई ने बीते दिनों चार्जशीट भी की है। इससे पहले झारखंड पुलिस सेवा के 24 डीएसपी को आईपीएस रैंक में साल 2023 में प्रोन्नति दी गयी है।

सीआईडी को जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा के तीन सेंटर पर गड़बड़ी के संकेत मिले

रांची : जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा की अब तक हुई सीआईडी जांच में कई अहम खुलासे हुए हैं। सीआईडी की ओर से हाई कोर्ट में दी गई जानकारी के मुताबिक परीक्षा में गड़बड़ी की दो शिकायतें रांची पुलिस ने दर्ज की थी, जिसे सीआईडी ने टेकओवर करते हुए कांड संख्या 1/2025 और 2/2025 दर्ज की है। इन दोनों मामलों की अब तक हुई जांच में यह बात सामने आयी है कि रांची और धनबाद के तीन परीक्षा सेंटरों को घटनास्थल के रूप में चिह्नित किया गया है। सीआईडी ने जिन तीन परीक्षा सेंटरों को घटनास्थल के रूप में चिह्नितकिया है, उसमें रांची के माखमन्द्रो स्थित बेथनी कॉन्वेंट हाई स्कूल, धनबाद के राजगंज स्थित कुमार बीएड कॉलेज और धनबाद के बलियापुर स्थित यूपीजी हाईस्कूल शामिल है। हाई कोर्ट में सीआईडी ने यह भी जानकारी दी है कि अब तक इस मामले में केस दर्ज करवाने वाले अभ्यर्थी समेत 9 लोगों से पूछताछ की है और सभी लोगों का बयान दर्ज किया है। सीआईडी ने इस केस से जुड़े लोगों के 9 मोबाईल फोन भी जब्त किये हैं जिनका एफएसएल जांच कराई जायेगी। मामले की जांच शुरू होने के बाद से अब तक सीआईडी को व्हाट्सप और फोन के जरिए 30 सूचनाएं मिली है, जिनमे सूचना देने वाले कई संदिग्ध अभ्यर्थी भी है। इसके अलावा सीआईडी को 24 ईमेल भी मिले हैं जिसमें परीक्षा में गड़बड़ी की शिकायत की गई है। सीआईडी के केस टेकओवर करने के बाद सीआईडी ने एसआईटी का गठन किया है जिसमें डीआईजी संध्या रानी मेहता, सीआईडी की एसपी निधि द्विवेदी और रांची के ग्रामीण एसपी सुमित अग्रवाल समेत डीएसपी अमर कुमार पांडेय एवं मुन्ना प्रसाद गुप्ता शामिल हैं।

लोकतंत्र को मजबूती देने के लिये मतदाता को जागना होगा

राष्ट्रीय मतदाता दिवस

ललित गर्ग

किसी भी राष्ट्र के जीवन में चुनाव सबसे महत्त्वपूर्ण घटना होती है। यह एक यज्ञ होता है। लोकतंत्र प्रणाली का सबसे मजबूत पैर होता है। राष्ट्र के प्रत्येक वयस्क के संविधान प्रदत्त पवित्र मताधिकार प्रयोग का एक दिन। इसलिये इस दिन भारत के प्रत्येक नागरिक को अपने राष्ट्र के प्रत्येक चुनाव में भागीदारी की शपथ लेनी चाहिए, क्योंकि भारत के प्रत्येक व्यक्ति का वोट ही देश के भावी भविष्य की नींव रखता है और उन्नत राष्ट्र के निर्माण में भागीदारी निभाता है।

भारत में राष्ट्रीय मतदाता दिवस प्रत्येक वर्ष 25 जनवरी को मनाया जाता है। विश्व में भारत जैसे सबसे बड़े लोकतंत्र में मतदान को लेकर कम होते रुझान को देखते हुए इस दिवस को मनाने की आवश्यकता महसूस हुई और पहली बार इसे वर्ष 2011 में मनाया गया। इसके मनाए जाने के पीछे निर्वाचन आयोग का उद्देश्य था कि देश अधिकतम मतदान को प्रोत्साहन दिया जाये। 'मतदाता बनने पर गर्व है, मतदान को तैयार हैं' जैसे नारों के साथ मतदान दिवस मनाने का मुख्य कारण है कि लोगों को मतदान का महत्व बताया जाए ताकि लोग इसके प्रति जागरूक हो और अपने मत का आवश्यकतरूप से उपयोग करते हुए सही उम्मीदवार को चुने। 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस-2025 की थीम है 'वोट जैसा कुछ नहीं, वोट जरूर डालेंगे हम।' ऐसा करके ही लोकतंत्र को मजबूती दी जा सकती है। पिछले कुछ वर्षों में इसने मतदान के अधिकार के बारे में जागरूकता बढ़ाने और लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विशेषतः युवा मतदाताओं को पंजीकृत करने, उन्हें मताधिकार का उपयोग करने के लिये अग्रसर और प्रेरित करने में इस दिवस की महत्वपूर्ण भूमिका बनी है। चुनाव आयोग इस मंच का उपयोग स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों में योगदान देने वाले अधिकारियों, हितधारकों और संगठनों के प्रयासों को मान्यता देने के लिए भी करता है। यह लोकतांत्रिक मील का पत्थर बना है और भारत के लोकतंत्र के 78 वर्षों की यात्रा और चुनावी अखंडता के प्रति इसकी प्रतिबद्धता के लिये इसे जश्न रूप में मनाया जाता है।

किसी भी राष्ट्र के जीवन में चुनाव सबसे महत्त्वपूर्ण घटना होती है। यह एक यज्ञ होता है। लोकतंत्र प्रणाली का सबसे मजबूत पैर होता है। राष्ट्र के प्रत्येक वयस्क के संविधान प्रदत्त पवित्र मताधिकार प्रयोग का एक दिन। इसलिये इस दिन भारत के प्रत्येक नागरिक को अपने राष्ट्र के प्रत्येक चुनाव में भागीदारी की शपथ लेनी चाहिए, क्योंकि भारत के प्रत्येक व्यक्ति का वोट ही देश के भावी भविष्य की नींव रखता है और उन्नत राष्ट्र के निर्माण में भागीदारी निभाता है। सत्ता के सिंहासन पर अब कोई राजपुरोहित या राजगुरु नहीं बैठता अपितु जनता अपने हाथों से तिलक लगाकर नायक चुनती है। लेकिन जनता तिलक किसको लगाये, इसके लिये सब तरह के साम-दाम-दंड अपनाये जा रहे हैं। हर राजनीतिक दल अपने लोकलुभावन वायदों एवं घोषणाओं को ही गीता का सार व नीम की पत्ती बता रहे हैं, जो सब समस्याएं मिटा देगी तथा सब रोगों की दवा है। लेकिन ऐसा होता तो आजादी के अमृतकाल तक पहुंच

जाने के बाद भी देश गरीबी, महंगाई, भ्रष्टाचार, अफसरशाही, बेरोजगारी, अशिक्षा, स्वास्थ्य समस्याओं से नहीं जुझता दिखाई देता। ऐसी स्थिति में मतदाता अगर बिना विवेक के आंख मूंदकर मत देगा तो परिणाम उस उक्ति को चरितार्थ करेगा कि 'अगर अंधा अंधे को नेतृत्व देगा तो दोनों खाई में गिरेंगे।' इसलिये यह दिवस मतदाता को जागरूक करने के साथ प्रशिक्षित भी करता है।

भारतीय लोकतंत्र दुनिया का विशालतम लोकतंत्र है और समय के साथ परिपक्व भी हुआ है। बावजूद इसके लोकतंत्र अनेक विसंगतियों एवं विषमताओं का भी शिकार है। मुख्यतः चुनाव प्रक्रिया में अनेक छिद्र हैं, सबसे बड़े लोकतंत्र का सबसे बड़ा छिद्र चुनावों की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता को लेकर है। खरीद-फरोख्त, नशा एवं मतदाताओं को लुभाने एवं आकर्षित करने का आरोप भी लोकतंत्र पर बड़े दाग हैं। चुनाव सुधारों की तरफ हम चाह कर भी बहुत तेजी से नहीं चल पा रहे हैं। चुनाव आयोग जैसी बड़ी और मजबूत संस्था की उपस्थिति के बाद भी चुनाव में धनबल, बाहूबल एवं सत्ताबल का प्रभाव कम होने के बजाए बढ़ता ही जा रहा है। ये तीनों ही हमारे प्रजातंत्र के सामने सबसे बड़ा संकट है। इन सब संकटों से मुक्ति के लिये मतदाता की जागरूकता की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण पहलू चुनाव है, लोकतंत्र में स्वस्थ मूल्यों को बनाये रखने के साथ उसमें सभी मतदाताओं की सहभागिता को सुनिश्चित करना जरूरी है। इसके लिये चुनाव आयोग का आरईवीएम के प्रयोग का प्रस्ताव सैद्धांतिक तौर पर एक सराहनीय एवं जागरूक लोकतंत्र की निशानी है। क्योंकि आजादी के बाद से ही जितने भी चुनाव हुए है, उनमें लगभग आधे मतदाता अपने मत का उपयोग अनेक कारणों नहीं कर पा रहे हैं, ऐसा हर चुनाव में होता आया है। इसलिए लंबे समय से मांग उठती रही थी कि ऐसे लोगों के लिए मतदान का कोई व्यावहारिक एवं तकनीकी उपाय निकाला जाना चाहिए। उसी के मद्देनजर निर्वाचन आयोग के द्वारा घरेलू प्रवासियों के लिए आरवीएम का प्रस्ताव एक सूझबूझभरा एवं दूरगामी सोच एवं विवेक से जुड़ा उपक्रम है। जरूरत है राजनीतिक दल ऐसे अभिनव उपक्रम का विरोध करने या अवरोध खड़ा करने की बजाय उसका अच्छाइयों को स्वीकार करते हुए स्वागत करें।

इनदिनों दिल्ली विधानसभा चुनाव की सरगर्मियां उग्रता पर है और इसमें मुफ्त की रेवडियां बांटने की होड़-सी लगी है। लोकतन्त्र में यह मुफ्त बांटने की मानसिकता एक तरह का राजशाही का अन्दाज ही कहा जायेगा जो लोकतंत्र के मूल्यों के विपरीत है। लोकतंत्र में कोई भी सरकार आम जनता की सरकार ही होती है और सरकारी खजाने में जो भी धन जमा होता है वह जनता से वसूले गये शुल्क या टैक्स अथवा राजस्व का ही होता है। राजशाही के विपरीत लोकतन्त्र में जनता के पास ही उसके एक वोट की ताकत के भरोसे सरकार बनाने की चाबी रहती है। दरअसल, जनता के हाथ की इस चाबी को अपने पक्ष में घुमाने एवं जीत का ताला खोलने के लिये यह मुफ्त की संस्कृति एक राजनीतिक विकृति के रूप में विकसित हो रही है। वृद्धों को मुफ्त धार्मिक यात्रा-पेंशन, युवाओं को रोजगार देने का वायदा, महिलाओं को नगद राशि एवं मुफ्त बस सफर हो या बिजली-पानी या गैस सिलेंडर। हालात यह हो गए है कि इस मामले में लगभग सभी पार्टियों के बीच एक होड़ जैसी लग गई है कि मुफ्त के वादे पर कैसे मतदाताओं से अपने पक्ष में लुभा कर मतदान कराया जा सके। इससे राज्यों का आर्थिक संतुलन लड़खड़ाता है या वे कर्ज में डूबती है तो इसकी चिन्ता किसी भी दल की सरकार को नहीं है। इस बड़े संकट से उबारने का काम मतदाता ही कर सकता है, वह बिना प्रलोभन, लोभ एवं मुफ्त की सुविधाओं के निष्पक्ष मतदान के लिये आगे आये।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस से जुड़ा एक और महत्वपूर्ण विमर्शनीय विषय है लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने का सुझाव, इसको लेकर एक सार्थक बहस छिड़ी हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों चुनावों को एक साथ कराने का सुझाव दिया था। चुनाव एक साथ कराने का विचार बहुत नया हो, ऐसा भी नहीं है। पिछली सरकारों में भी समय-समय पर इस पर चर्चाएं होती रही हैं। लेकिन इस व्यवस्था को लागू करने को लेकर अनेक संवैधानिक समस्याएं भी और कुछ बुनियादी सवाल भी है। इन सबका समाधान करते हुए यदि हम यह व्यवस्था लागू कर सके तो यह सोने में सुहागा होगा। जनता की गाढी कमाई की बबार्दी को रोकने, बार-बार चुनाव प्रक्रिया के होने जनता को होने वाली परेशानी और प्रशासनिक कार्य में होने वाली असुविधाओं को रोकने के लिए चुनाव एक साथ कराने की व्यवस्था निश्चित रूप से लोकतंत्र को एक नई उष्मा एवं नया परिवेश देगी। यदि इसके लिये कोई सर्वमान्य रास्ता निकलता है तो सचमुच यह देश, समाज और लोकतंत्र के हित में होगा। जैसाकि हम जानते हैं कि लोग शीघ्र ही अच्छा देखने के लिए बेताब हैं, उनके सब्र का प्याला भर चुका है। लोकतंत्र को दागदार बनानेवाले अपराध और अपराधियों की संख्या बढ़ रही है। जो कोई सुधार की चुनौती स्वीकार कर सामने आता है, उसे रास्ते से हटा दिया जाता है। लेकिन इस बार राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर ऐसा एक नया रास्ता बने जो लोकतंत्र को सुदृढ़ बनाने एवं चुनाव की खामियों को दूर करने के लिये एक नया सूरज उदित करे और मतदाताओं को उनकी जिम्मेदारियों का अहसास कराये, तभी इस दिवस की सार्थकता एवं प्रासंगिकता है।

संपादकीय

अफवाह से पसरी मौत

उत्तर महाराष्ट्र के जलगांव में आग फैलने की अफवाह के चलते तेरह की ट्रेन से कट कर मौत वाकई दुखदाई है। लखनऊ से मुंबई जा रही पुष्पक एक्सप्रेस में आग की अफवाह के कारण यात्रियों द्वारा चेन खींच कर कूदकर भागते हुए दूसरी पटरी पर आ रही कर्नाटक एक्सप्रेस ने रौंद दिया। शुरूआती जानकारी के अनुसार जनरल बोगी में चिंगारी उठने और धुंआ फैलने से अफरा-तफरी हुई और आग की अफवाह तेजी फैल गई। रेलवे के अनुसार एक्सल के गरम होने या ब्रेक जाम होने के कारण ऐसा हो जाता है। चूंकि उस जगह ट्रैक घुमावदार था इसलिए दूसरी तरफ से आ रही तेज रफ्तार ट्रेन नजर नहीं आई। इस सेक्शन पर ट्रेनें सौ किलोमीटर की रफ्तार से दौड़ती हैं। रेल विभाग ने अपने चालकों का पक्ष रखते हुए बताया कि दोनों ने फ्लैशर ऑन कर नियमों का पालन किया था। सबसे बड़ा सवाल है, ट्रेन के पहियों से धुंआ क्यों और कितना निकला। दूसरे, यह रख-रखाव से जुड़ी लापरवाही तो नहीं है या उपकरणों में की गई कोताही। जिसे रेल विभाग छिपाने का प्रयास कर रहा है। रेल पटरियों में बैठने वालों को कुचलने के कई हादसे अपने यहां पहले भी हो चुके हैं। 2021 में बिल्कुल इसी तरह चिंगारी देख यात्रियों के भागने से गिर कर मौत हो गई थी। 2020 में लॉक डाउन के समय औरंगाबाद में पटरियों पर सो रहे दस प्रवासी मजदूरों को माल गाड़ी ने रौंद डाला था। 2018 में दशहरा पर्व में साठ से ज्यादा लोगों को तेज रफ्तार ट्रेन द्वारा रौंदा जाना शामिल है। अफवाह कैसे फैली या किसने फैलाई इसकी जांच की जा रही है। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों का आरोप है कि आग भड़क ने की बात चाय वाले द्वारा की गई। अन्य धुंआ फैलने की बात कर रहे हैं। इस तरह झूठी अफवाहों के प्रति जागरूकता लाना दुष्कर है। रेलवे अपनी गलती छिपाने की कोशिशें भी कर रहा हो तो यात्रियों को अपनी सुरक्षा के प्रति लापरवाहीपूर्ण रवैये से बाज आना चाहिए। तमाम हिदायतों व नियमों के बावजूद वे ज्वलनशील सामग्री लेकर यात्रा करते अकसर पकड़े.जाते हैं। झूठी अफवाहों को पूर्ण रूप से रोकना लगभग असंभव है। खासकर भीड़.में, वह भी जब जान-माल को क्षति पहुंचने का जोखिम हो। लिहाजा, रेल विभाग को तकनीक और आधुनिक व्यवस्था का बेहतर इस्तेमाल करने व यात्रियों को सुरक्षित गंतव्य तक पहुंचाने की जिम्मेदारी से हाथ नहीं झाड़ना चाहिए।

रेबड़ियों पर केंद्रित होता दिल्ली चुनाव

सुरेश हिंदुस्तानी

देश की राजधानी दिल्ली में चुनावी घमासान के बीच रेबड़ी बांटने की प्रतिस्पर्धा सी चलती दिखाई दे रही है। इससे ऐसा लगता है कि अब दिल्ली राज्य की सत्ता तक पहुँचने का मार्ग केवल रेबड़ी ही है। दिल्ली राज्य के लिए होने वाले चुनाव के लिए सभी राजनीतिक दल मतदाताओं के लिए लोक लुभावन तरीके से अपने पिटारे से रेबड़ी बांटने की योजना जनता के बीच बता रहे हैं। इसके लिए आम आदमी पार्टी तो पहले से ही अपने पिटारे को खोलकर बैठी है। अब इसमें कांग्रेस और भाजपा भी अपने कदमों को उसी ओर बढ़ाने की ओर प्रवृत हुई है, जिस ओर आदमी पार्टी जाती रही है। लेकिन एक तथ्य ध्यान देने योग्य माना जा सकता है कि आम आदमी पार्टी के पास कुछ भी नया नहीं है, क्योंकि वह पिछले चार विधानसभा चुनावों से इस राह पर चल रही है। मुफ्त में देने के वादे करना एक प्रकार से आम आदमी पार्टी की फितरत ही बन गई है। इससे अलग अपेक्षा भी नहीं की जा सकती, क्योंकि यह मार्ग उसके लिए लाभकारी साबित रहा है। इसलिए आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल इस बार यह पूरा विश्वास है कि इस बार भी बाजी उन्हीं के हाथ लगेगी।

वर्तमान में दिल्ली राज्य के लिए हो रहे चुनाव प्रचार में राजनीतिक दलों के नेताओं की ओर से जो स्वर मुखरित हो रहे हैं, उन स्वरों में केवल रेबड़ी की ध्वनि ही गुंजायमान हो रही है। ऐसा लगता है कि अब दिल्ली की जनता रेबड़ी लूटने की आदी हो चुकी है। इसका राजनीतिक आशय यह भी निकाला जा सकता है कि अपना नायक चुनने के लिए किसकी रेबड़ी स्वार्थ की पूर्ति करने वाली है, यह ही देखा जाएगा। इस कवायद को लालच देकर वोट प्राप्त करने का एक माध्यम भी माना जा सकता है, क्योंकि जनता को मुफ्त में खजाना लुटाना किसी भी प्रकार से न्याय संगत नहीं माना जा सकता। क्योंकि इसका बोझ उस समाज पर आता है, जो योजना का लाभ लेने के पात्र नहीं होते। हालांकि सरकार द्वारा आम जनता का ध्यान रखना चाहिए, लेकिन इसके लिए मुफ्त की योजना के अलावा अन्य तरीके अपनाए जाएं तो बेहतर होगा। नहीं तो एक दिन ऐसा भी आ सकता है कि यही योजनाएं विकास की योजनाएं न होकर विनाशकारी मार्ग तैयार कर सकती हैं।

दिल्ली में एक दशक पहले भाजपा और कांग्रेस के बीच ही चुनावी लड़ाई होती रही थी, लेकिन कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार के विरोध में एक धूमकेतु की तरह अरविन्द केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी का गठन कर दिया और लोक लुभावने वादे करके आम जनता का छप्पर फाड़ समर्थन प्राप्त करके दिल्ली के सिंहासन को अपने कब्जे में ले लिया। इस चुनाव में बहुकोणीय मुकाबला होने की झलक दिखाई दे रही है। आम आदमी पार्टी ने गठबंधन को धता बताकर अपने आपको फिर से मैदान में उतारा है, लेकिन उसकी सबसे बड़ी परेशानी यह है कि उसके नेता अरविन्द केजरीवाल पर भ्रष्टाचार करने का आरोप है। साथ ही ऐसा कहना भी समुचित ही होगा कि केजरीवाल की कथनी और करनी में जमीन आसमान का अंतर है। एक समय सुविधाओं को त्याग कर राजनीति करने की कसम खाने वाले केजरीवाल की जीवनशैली सुविधामय होती दिखाई दे रही है। शीशमहल के नाम से भाजपा द्वारा प्रचारित किए गए उनके आवास में लकजरी सुविधाएं हैं। जो उनके कथन से कतई सरोकार नहीं रखती। ऐसे में यह कहना तर्कसंगत ही होगा कि इस बार केजरीवाल की राह उतनी आसान नहीं कही जा सकती, जो पहले थी। दूसरी बड़ी बात यह भी है कि इस बार के चुनाव में आम आदमी पार्टी के समक्ष गंभीर चुनौतियाँ भी हैं। केजरीवाल जमानत पर बाहर हैं। वे दोष मुक्त नहीं हुए। उनका मुख्यमंत्री कार्यालय जाने पर प्रतिबन्ध उसी समय लगा दिया है, जब वे मुख्यमंत्री थे, ऐसी स्थिति में केजरीवाल फिर से दिल्ली के मुख्यमंत्री बनेंगे, इसकी गुंजाइस भी नहीं है।

आम आदमी पार्टी के समक्ष एक बड़ी चुनौती यह भी है कि इस बार के चुनाव में कांग्रेस और भाजपा के अलावा बहुजन समाज पार्टी और औवेसी की पार्टी भी मैदान में है। यह दोनों राजनीतिक दल जितने प्रभावी होंगे, उसका खामियाजा आप आदमी पार्टी को ही होगा। एक गणित यह भी है कि पिछले चुनाव में अंदरूनी तौर पर कांग्रेस पार्टी का समर्थन आम आदमी पार्टी को मिला था, लेकिन इस बार पूरी गंभीरता के साथ कांग्रेस चुनावी मैदान में है। कांग्रेस और भाजपा दोनों ने केजरीवाल के समक्ष वजनदार प्रत्याशी उतार कर यह संदेश तो दिया ही है कि इस बार केजरीवाल की पार्टी आसानी से विजय प्राप्त नहीं करेगी। क्योंकि बसपा और औवेसी के आने से केजरीवाल की पार्टी को मुस्लिम और दलित मतों की प्राप्ति में कमी हो सकती है और कांग्रेस का मूल वोटर इस बार कांग्रेस को ही वोट देगा।

आम आदमी पार्टी के साथ यह विसंगति जुड़ती जा रही है कि वह गठबंधन का हिस्सा केवल उन राज्यों में है, जहाँ आम आदमी पार्टी का अस्तित्व नहीं है।

जहाँ केजरीवाल की पार्टी का अस्तित्व है, वहां गठबंधन के मायने बदल जाते हैं। इसका तात्पर्य यही है कि केजरीवाल स्वार्थ सिद्धि के लिए ही गठबंधन करते हैं। यह बात सही है कि केजरीवाल को अब राजनीति की समझ आ गई है। वे एक चतुर राजनीतिक नेता की तरह चुनाव लड़ रहे हैं, लेकिन विपक्ष की एकता के सपने को चकनाचूर कर रहे हैं। हालांकि राजनीतिक विश्लेषक गठबंधन में दरार आने का ठीकरा कांग्रेस पर फोड़ रहे हैं। कुल मिलाकर यह कहना उचित होगा कि गठबंधन अब बिखरने की ओर है। खैरड्ड मूल विषय रेबड़ी का है। मुफ्त की रेबड़ी बांटना निश्चित ही इस बात की ओर संकेत करता है कि आज राजनीतिक दलों ने आम जनता के बीच अपनी विश्वसनीयता खोई है, इसीलिए चुनाव जीतने के जनता को प्रलोभन देकर वोट कबाड़ने की राजनीति की जा रही है। अब देखना यह है दिल्ली का सिंहासन किसका इंतजार कर रहा है। फिलहाल यही समझा जा रहा है कि मुख्य मुकाबला भाजपा और आदमी पार्टी के बीच है। प्रचार के लिए भाजपा के पास नेताओं की भारी भरकम फौज है तो आम आदमी पार्टी के पास केवल केजरीवाल ही हैं। चुनावी प्रचार के माध्यम से भाजपा अपनी बात को नीचे तक पहुंचाने का प्रयास करेगी और इसका प्रभाव भी हो सकता है। लेकिन फिर वही बातड्ड क्या रेबड़ी के सहारे ही इस बार भी दिल्ली की सरकार बनेगी।

चिंतन-मनन

जीवन निर्भरता और आत्म -निर्भरता का संयोग है

जीवन में सम्पूर्ण आत्म निर्भरता जैसा कुछ नहीं है। इसे भूल जाओ। यदि आप सोचते हो कि मैं पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर हो जाऊं तो ऐसा नहीं होगा। 15, 16 या 17 साल की आयु तक आप आत्मनिर्भर नहीं थे। आप आश्रित ही पैदा हुए थे। आप अपने आप उठ भी नहीं सकते थे, और कोई और आपको उठाता था। कोई आपके डायपर बदलता था। कोई आपको नहलाता था। कोई खिलाता था। कोई सुलाता था। आप एक आश्रित ही पैदा हुए थे और अंत में भी आश्रित ही रहोगे। जब आपकी मृत्यु हो जाती है तो आप अपने शरीर को अपने आप नहीं जला या दफना सकते। जब आप बीमार होते हो किसी को आपका ध्यान रखना होता है। आप अपने डाक्टर नहीं बन सकते। 50-60 वर्ष की आयु के बाद यह बिलकुल स्पष्ट हो जाता है कि आप किसी पर निभर होते हो।

किसी हद तक आप नहीं कह सकते कि, मैं पूरी तरह से आत्म निर्भर हूँ। आपको किसी ना किसी की सहायता लेनी ही पड़ती है। अच्छा, फिर यह भी धारणा है कि आप पैसे से आत्मनिर्भर बनते हो। हमें अपनी जरुरत पूरा करने के लिए कुछ पैसा चाहिए, पर मान लो कोई भी आपके लिए कार्य करना न चाहे, तो आपका क्या होगा? आपकी धारणा गलत है कि पैसा आपको आत्मनिर्भर बनाता है। पर इसके साथ साथ आप अपने आप को आत्मनिर्भर मान सकते हो, आप अपने कार्यों के लिए स्वतंत्र हो, आप अपनी भावनायों को नियंत्रित करने के लिए मुक्त हो, यदि आप अच्छा महसूस करना चाहते हो तो यह आपके अपने हाथ में हैं। यदि आप अच्छा महसूस नहीं करना चाहते तो यह भी आपके अपने हाथों में हैं।

आपको अष्टवक्र गीता सुननी चाहिए। जीवन निर्भरता और आत्म -निर्भरता का संयोग है। यदि आप दयालु होना चाहते हो, तो आपको पूरी स्वतंत्रता है ऐसा बनने की। यदि आप चाहते हो आपका शिष्टाचार अच्छा हो,आप मीठे बोल बोलो तो यह पूर्ण रूप से आपके उपर निर्भर करता है। आप सोच सकते हो वित्तीय रूप से आप स्वतंत्र हो परन्तु मैं आपको बता देना चाहूँगा यदि आप अपने मित्रों, परिवारजनों यां और भी किसी के अपमानजनक शब्द सहन कर लेते हो तो आप स्वतंत्र हो। यदि आपको कोई दोष देता है और आपके लिए बुरा भला कहता है, आप इसे किस तरह से लेते हो यही निर्धारित करता है कि आप कितने स्वतंत्र हो। यदि आप वास्तव में मुक्त हो तो कोई भी आपको परेशान

फर्जी कॉलेज: कब तलक फंसते रहेंगे छात्र-परिजन

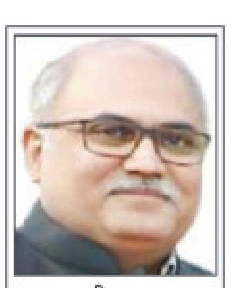

रजनीश कपूर

देश में सूचना क्रांति, उदारीकरण और उपभोक्ता संस्कृति तीनों ने मिलकर गांव और कस्बों के नौजवानों के मन में कुछ नया सीखने और व्यावसायिक जगत में आगे बढ़ने की ललक पैदा कर दी है। उनकी इस ललक को बढ़ाने का काम कर रहे हैं देश भर में कुकुरमुत्ते की तरह उग आए हजारों देसी व विदेशी उच्च शिक्षा संस्थान। इनकी दुकान जितनी ऊंची है, उतनी फीकी भी। यह किसी से छिपा नहीं है कि देश के बहुसंख्यक विद्यार्थियों को शिक्षा का सही वातावरण तक नहीं मिलता। शिक्षा के नाम पर खानापूर्ति ही ज्यादा होती है। ऐसे में कमजोर नींव पर खड़े इन नौजवानों को यह शिक्षा संस्थान सपने दिखाकर, झूठे वायदे करके और भ्रामक सूचनाएं देकर आकर्षित कर लेते हैं।

इनके जाल में फंसने वाले नहीं जानते कि जिन फर्जी सर्टिफिकेट या डिग्रियों को बांटकर यह लोग सुनहरे भविष्य के सपने दिखा रहे हैं, उन्हें लेकर वे सिर्फ धक्के ही खाएंगे। इनकी बदौलत कोई ढंग की नौकरी मिलना मुश्किल नहीं तो आसान भी नहीं है। अगर एमबीए करके कपड़े की दुकान पर पंद्रह सौ रुपये महीने की सेल्समैनिशप मिली, तो कौन सा तीर मार लिया। इतना ही नहीं, प्रोफेशनल कोर्स की पढ़ाई से आने वाला आत्मविश्वास भी यह डिग्रियां नहीं दे पातीं। गौरतलब है कि गरीब घर से आए ये छात्र अपनी जमीन जायदाद को बेच कर या गिरवी रख कर इन संस्थानों में लाखों रुपये देकर पढ़ने आते हैं। इन छात्रों के मन में हमेशा एक डर सा बना रहता है कि कहीं ऐसा न हो कि पढ़कर भी नौकरी न मिले। यदि सर्वेक्षण किया जाए तो यह बात सिद्ध भी हो जाएगी कि लाखों रुपये लेकर दाखिला देने वाले इन इंजीनियरिंग, मेडिकल या मैनेजमेंट कॉलेजों के ज्यादातर छात्रों को बरसों तक माकूल रोजगार नहीं मिलता। यह तो उन लोगों की बात है जो जानते-बूझते हुए ऐसी डिग्रियां लेते हैं, लेकिन भारत में बहुत से ऐसे भी शिक्षण संस्थान भी हैं, जो असली होने का दावा करते हुए लाखों लोगों को सर्टिफिकेट और डिग्रियां बांट चुके हैं जबकि हैं ये पूरे फर्जी। इनके काम करने के तौर तरीके देखकर कोई भी इन्हें असली मान लेता है। पर वास्तव में यह असली नहीं होते। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 22 के मुताबिक, डिग्री प्रदान करने का अधिकार केवल उन्हीं विश्वविद्यालयों को है जो केंद्र अथवा राज्य के कानूनों के तहत स्थापित किए गए हों या यूजीसी अधिनियम की धारा 3 के तहत यूनिवर्सिटी की मान्यता प्राप्त हो अथवा संसद द्वारा विशेष रूप से किसी संस्थान को डिग्री प्रदान करने की अनुमति दी गई हो। इसके अलावा अन्य कोई भी विश्वविद्यालय डिग्री प्रदान नहीं कर सकता। यदि वह ऐसा करता है तो कानूनन गलत है। यूजीसी एक्ट की धारा 23 के मुताबिक केंद्र, राज्य अथवा प्रांतीय अधिनियम के अंतर्गत गठित विश्वविद्यालयों को छोड़कर किसी भी अन्य संस्थान को अपने नाम के साथ यूनिवर्सिटी या विश्वविद्यालय शब्द प्रयोग करने की अनुमति नहीं है। स्थानीय सरकारें सब जानते हुए भी खामोश बैठी रहती हैं। कारण साफ है। प्रायः इन कॉलेजों के संस्थापक या प्रबंधक क्षेत्र या प्रांत के प्रतिष्ठित राजनेता होते हैं, जिनकी रुचि शिक्षा के प्रसार में नहीं बल्कि बेरोजगारों की मजबूरी का फायदा उठाकर मोटी कमाई करने में होती है। प्रायः फर्जी विश्वविद्यालयों तथा जाली डिग्रियों को बांटने से रोकने के लिए संसदीय समिति द्वारा कुछ सुझाव जाते हैं, जैसे यूजीसी या शिक्षा विभाग जाली विश्वविद्यालयों व संस्थानों की एक सूची बनाए, यूजीसी तथा शिक्षा विभाग अखबारों में छपने वाले फर्जी विश्वविद्यालयों के विज्ञापनों के बारे में प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया तथा एडीटर्स गिल्स को अवगत कराकर अखबारों में ऐसे विज्ञापनों को प्रतिबंधित करवाए, यूजीसी को दोषी संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई करने के ज्यादा अधिकार दिए जाएं आदि-आदि। पर ऐसी कितनी सूचनाएं हैं जो हम तक पहुंचती हैं? कई बार तो बहुत से विश्वविद्यालय, कॉलेज अथवा स्कूल अखबारों में बड़े-बड़े विज्ञापन देकर कहते हैं कि उनकी डिग्रियां फलाने संस्थान से मान्यता प्राप्त हैं, फलाने संस्थान से संबद्ध है। कई तो कुछ कदम आगे बढ़कर जाली नाम वाली विदेशी संस्थाओं से भी अपनी संबद्धता दिखा देते हैं।

यह सही है कि इन निजी संस्थाओं में छात्रों को

सुविधाएं अधिक दी जाती हैं, परंतु सही और वैधानिक संस्थाओं की आड़ में कुछ नकली संस्थाएं भी छात्रों का शोषण करती हैं, इससे इनकार नहीं किया जा सकता। कुछ मामलों में तो देश के नामी विश्वविद्यालयों के उच्च पदस्थ अधिकारी भी इन संस्थाओं के कामकाज में शामिल पाए गए। यूजीसी और अन्य रेग्यूलेटरी अथारिटी, एडवर्टाइजमेंट स्टेंडर्डस काउंसिल ऑफ इंडिया (एएससीआई), इंडियन न्यूजपेपर्स सोसायटी तथा मोनोपोलीज एंड रेस्ट्रिक्टिव ट्रेड प्रेक्टिसेज कमीशन को एकसाथ मिलकर एक ऐसी प्रक्रिया तैयार करनी चाहिए, जिनसे ऐसे धोखेबाज विज्ञापनों पर रोक लग सके।

एक नजर

उपायुक्त ने सभी पदाधिकारियों और कर्मियों को दिलायी शपथ

लोहरदगा : राष्ट्रीय मतदाता दिवस को लेकर शुक्रवार को कार्यक्रम का आयोजन समाहरणालय परिसर में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन उपायुक्त-सह-जिला निर्वाचन पदाधिकारी डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण के जरिये दीप प्रज्जवलित कर किया गया। इसके बाद उपायुक्त के जरिये सभी पदाधिकारियों, कर्मियों एवं मतदाताओं को मतदाता के रूप में सभी निर्वाचनों में मताधिकार का प्रयोग करने की प्रतिज्ञा दिलायी गई। कार्यक्रम में 18 वर्ष की उम्र पूरी करने के बाद मतदाता सूची में नाम जुड़ने पर नये मतदाताओं, अंदिता भट्टाचार्य, आलिया नाज, लक्ष्मी कुमारी, अनामिका भुईंया, प्राची कुमारी, रामकिशोर कुजूर को मतदाता पहचान पत्र उपायुक्त के जरिये प्रदान किया गया। 85 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं कृष्णा खलखो और शांति देवी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में नौ सहायक निवार्ची पदाधिकारी, नौ बीएलओ, सात बीएलओ सुपरवाइजर, उप निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के 11 कर्मियों और तीन हेल्प डेस्क मैनेजर को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में आइटीडीए परियोजना निदेशक सुषमा नीलम सोरेंग, अपर समाहर्ता जितेंद्र मुण्डा, अनुमण्डल पदाधिकारी अमित कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज ठाकुर समेत सभी संबंधित पदाधिकारी और बड़ी संख्या में मतदाता उपस्थित थे।

पुस्तक छात्रों का है सबसे उपयोगी साथी : डीसी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : राष्ट्रीय अविष्कार अभियान एवं नवाचार 2024-25 के तहत जिला स्तरीय पुस्तक मेला, क्विज प्रतियोगिता एवं विज्ञान प्रदर्शनी का गांधी स्मारक, जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय, रामगढ़ में आयोजन किया गया। शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ, डीसी चंदन कुमार के जरिये किया गया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला शिक्षा पदाधिकारी नीलम कुमारी, जिला शिक्षा अधीक्षक संजीत कुमार, अनुमण्डल जिला शिक्षा पदाधिकारी खुशबू कुमारी एवं अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी नलिनी रंजन, सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी कुमार राज तथा विद्यालय के प्राचार्य डॉ संतोष कुमार अनल उपस्थित थे। इस दौरान उपायुक्त ने छात्रों को पुस्तकों का अध्ययन करने पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि पुस्तक छात्रों का सबसे उपयोगी साथी है। इसी क्रम में जिला शिक्षा पदाधिकारी ने भी पुस्तकों की महत्व एवं विशेषता पर प्रकाश डाला। आयोजित इन तीनों कार्यक्रमों में सभी प्रखण्डों के छात्रों ने हिस्सा लिया। वर्ग 9 से 12 एवं वर्ग 6 से 8 के छात्रों के जरिये भाग लिया गया। कार्यक्रम में श्री गुरूनानक पब्लिक स्कूल, कैथोलिक आश्रम भुरकुण्डा के छात्रों ने भी भाग लिया। कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों के बीच आयोजित क्विज प्रतियोगिता में चितरपुर प्रखंड के आरबी हाई स्कूल सांडी के छात्र सोनू कुमार प्रथम, उत्क्रमित उच्च विद्यालय दिग्वार के सत्यम कुमारी द्वितीय, सीएमएसओआई रामगढ़ की छात्रा रेशमी परवीन तृतीय स्थान पर रही। वर्ग 6 से 8 के छात्रों के बीच आयोजित क्विज प्रतियोगिता में पतरातू प्रखंड के कैथोलिक आश्रम स्कूल, भुरकुंडा की छात्रा कनक झा प्रथम, मांडू प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय हेसागढ़ा का छात्र राजहंस कुमार साहू द्वितीय, गोला प्रखंड के उत्क्रमित उच्च विद्यालय चौकाद की छात्रा मनीषा कुमारी तृतीय स्थान पर रही। वर्ग 9 से 12 के छात्रों के बीच आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी में चितरपुर प्रखंड के आरबी हाई स्कूल सांडी की छात्रा कल्याणी कुमारी, उत्क्रमित उच्च विद्यालय रजरप्पा प्रोजेक्ट की छात्रा पम्मी कुमारी और मांडू प्रखंड के पब्लिक उच्च विद्यालय कुजू की छात्रा आकांक्षा पटेल तृतीय स्थान पर रही। वर्ग 6 से 8 के छात्रों के बीच आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी में पतरातू प्रखंड के कैथोलिक आश्रम स्कूल, भुरकुंडा की छात्रा अनुष्का सिंह, गांधी स्मारक प्लस टू उच्च विद्यालय का छात्र अमित कुमार, मध्य विद्यालय कोयरी टोला का छात्र देवांशु कुमार तृतीय स्थान पर रहा।

संक्षिप्त खबरें

आयुक्त ने अपने सभी पदाधिकारियों व कर्मियों को मतदाता दिवस पर दिलाई शपथ

हजारीबाग : 15वें मतदाता दिवस के अवसर पर प्रमंडलीय आयुक्त पवन कुमार ने शुक्रवार को आयुक्त कार्यालय परिसर में अपने सभी विभागीय पदाधिकारियों व कर्मियों को मतदाता दिवस की शपथ दिलाई। आयुक्त ने उपस्थित लोगों को अपने देश की लोकतांत्रिक परंपराओं की मयार्दा को बनाए रखने तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण रखते हुए निर्भीक होकर धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करने की शपथ दिलाई।

एनडीपीएस मामले के बेहतर अनुसंधान के लिए दिया गया प्रशिक्षण

हजारीबाग : पुलिस मुख्यालय झारखंड रांची के द्वारा दिए गए निर्देश के आलोक में अरविंद कुमार सिंह पुलिस अधीक्षक हजारीबाग के नेतृत्व में विकास श्रीवास्तव, पुलिस उपाधीक्षक एवं पुलिस निरीक्षक, असीत कुमार मोदी दोनों पुलिस मुख्यालय, झारखंड रांची तथा के पदाधिकारी मुरली मनोहर मंजुल के द्वारा आज दिनांक 24.1.2025 को उपयुक्त कार्यालय सभागार, हजारीबाग में हजारीबाग जिला के सभी पुलिस निरीक्षक सभी थाना प्रभारी, सभी अनुसंधानकताओं को एन0डी0पी0एस0 एक्ट में बेहतर अनुसंधान हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया।

समाज एकजुट हो, तभी होगा समुचित विकास : सीताराम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददता

रामगढ़ : रामगढ़ जिले का विश्वकर्मा समाज (लोहार) अपनी एकजुटता को प्रदर्शित करने के लिए प्रतिबद्ध है। समाज का विकास तभी संभव है जब सभी एकत्रित रहेंगे। शुक्रवार को कांकेबार स्थित हार्ट रेजीडेंसी में आयोजित वन भोज कार्यक्रम के दौरान यह बातें समाज के अध्यक्ष सीताराम विश्वकर्मा ने कही। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न स्थानों से लोग शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ समाज के अध्यक्ष सीताराम विश्वकर्मा, संयोजक बद्री विश्वकर्मा, नेपाल विश्वकर्मा, बसंत विश्वकर्मा सहित समाज के वरिष्ठ सदस्यों ने संयुक्त रूप से भगवान विश्वकर्मा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। इस दौरान वन भोज में समाज के लोगों ने स्वादिष्ट व्यंजनों का लुफ्त उठाया। वन भोज कार्यक्रम के उपरांत समाज के लोग बैठक कर समाजहित में कई निर्णय लिए। जिसमे, जल्दी ही विश्वकर्मा धर्मशाला निर्माण, गरीब और जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण करने, स्वास्थ्य शिविर लगाने, समाज के वंचित लोगों से संपर्क कर उनके उत्थान करने, समाज के गरीब परिवारों की लड़कियों की शादी विवाह में बढ़-चढ़कर भाग लेने, विश्वकर्मा जयंती धूमधाम से मनाने आदि निर्णय लिए गए। मौके पर समाज के अध्यक्ष सीताराम विश्वकर्मा ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से समाज के लोग एकजुट होते हैं। समाज को एकजुट करने के लिए समाज कई तरह के कार्यक्रम करेगी। जिससे समाज एकजुट हो। वन भोज कार्यक्रम में बसंत विश्वकर्मा, राज कपिल शर्मा, विजय विश्वकर्मा, रमेश शर्मा, मनोज शर्मा, आनंद कुमार विश्वकर्मा, रघुनाथ शर्मा, छेदी विश्वकर्मा, सुबोध विश्वकर्मा, अशोक विश्वकर्मा, संतोष कुमार शर्मा, दुर्गा विश्वकर्मा, विनय शर्मा, अमित विश्वकर्मा, विवेक विश्वकर्मा, ऋषि विश्वकर्मा, बबलू शर्मा, पमपम विश्वकर्मा, मदन शर्मा, हीरा विश्वकर्मा, डॉ हिमांशु शर्मा, शालू विश्वकर्मा, सुनील विश्वकर्मा, विक्की विश्वकर्मा, अमरनाथ शर्मा, कृष्णा विश्वकर्मा, विशाल विश्वकर्मा, शैलेन्द्र शर्मा आदि शामिल थे।

श्रम मंत्री संजय प्रसाद यादव पहुंचे चतरा, जागरूकता रथ को किया रवाना

चतरा : राज्य के उद्योग और श्रम मंत्री संजय प्रसाद यादव का शुक्रवार को चतरा परिसदन आगमन हुआ। उनके आगमन पर उपायुक्त रमेश घोलप ने आभार व्यक्त करते हुए पौधा भेंटकर उनका स्वागत किया। श्रम विभाग के तहत संचालित योजनाओं और प्रवासी श्रमिक पुनर्वास योजना 2021, बाल श्रमिक, झारखंड असंगठित सामाजिक सुरक्षा योजना, झारखंड भवन एवं कर्मकार योजना समेत अन्य योजनाओं के बारें में लाभुक जागरूक हों और योजनाओं का लाभ ले सके। इस उद्देश्य से मंत्री ने परिसदन भवन चतरा से जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, रांची

सर्वसाधारण के लिए सूचना

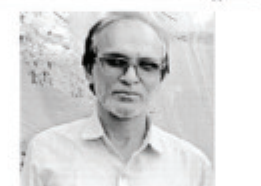

नाम-दिलीप कुमार ठाकुर,उम्र-55 वर्ष,रंग-सॉवला, ऊँचाई-5 फीट, 5 ईंच पहनावा-सफेद रंग का शर्ट एवं काला रंग का पैंट पहने हुए है।

उपरोक्त लापता दिलीप कुमार ठाकुर, उम्र-55 वर्ष, पिता-स्व0 प्रभुदयाल ठाकुर, स्थायी पता-ग्राम मतवे, पोस्ट-चकमे, थाना-बुढ़मू, जिला-राँची वर्तमान पता-मकान मालिक-स्व0 विश्वनाथ गुप्ता, मिलन चौक खादगढा, सुखदेवनगर थाना के पीछे किराये का मकान, जिला-राँची जो दिनांक-30.11.2024 को घर से कचहरी जाने को कहकर निकले जो आजतक अपने घर वापस नहीं आए है। जिसके संबंध में सुखदेवनगर थाना सनहा संख्या-19/2024 दिनांक-15.12.2024 दर्ज कर खोजबीन की जा रही है। इनकी खोजबीन हेतु जनता का सहयोग अपेक्षित है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जन साधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता व्यक्ति कहीं मिलते/दिखते है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नलिखित फोन नम्बर पर सम्पर्क कर इसकी सूचना दें।

पुलिस उपाधीक्षक, कोतवाली, राँची। -9431770077
थाना प्रभारी सुखदेवनगर, राँची। -9431788800

पुलिस उप-महानिरीक्षक-सह-वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची

PR 344991 Police(24-25).D

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 128वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : नेताजी सुभाष चंद्र बोस के 128 वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। उत्तरी शिवपुरी उप समिति द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत भगवान चित्रगुप्त की वंदना से की गई मुख्य अतिथि एवं सभा अध्यक्ष ने संयुक्त रूप से नेताजी के चित्र पर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम कि अध्यक्षता उप समिति के अध्यक्ष बैजनाथ लाल ने की वही कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला अध्यक्ष दीपक नाथ सहाय एवं विशिष्ट अतिथि कार्यकारी जिला अध्यक्ष अनिल कुमार लाल रहे। जिला युवा अध्यक्ष बप्पी कारण ने अपने अपने संबोधन में नेताजी को याद करते हुए उनके द्वारा किए गए कार्य एवं विचार से लोगों को अवगत कराया साथ ही साथ सरकार से उनके मौत की गुत्थी को सुलझाने का आह्वान किया। किशोर कुमार सिन्हा ने नेताजी के आदर्श को एवं उनके देश प्रेम को जन जन पहुंचने की बात की। प्रबल प्रताप नारायण ने उनके संघर्ष एवं सांगठनिक शक्ति के विषय में विस्तार से बताते हुए महिला ब्रिगेड निर्माण तक की बातें बताएं। जिला अध्यक्ष ने अपने संबोधन में सभी से एक मंच पर आकर सांगठनिक मजबूती देते हुए नेताजी को श्रद्धांजलि स्वरुप उनके रहस्य में मौत को उजागर करने के लिए अगर हमें धरना देने की आवश्यकता होगी तो हम इसके लिए भी तैयार हैं पर जोर दिया। बैजनाथ लाल ने उनके बचपन से लेकर स्वतंत्रता संग्राम में उनकी भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। राजीव रंजन जिला महामंत्री द्वारा नेता जी को महान संगठन कर्ता बताते हुए उनके जन्मदिन पर सभी को मजबूत होकर संगठन विस्तार हेतु आहवान किया। शोभा प्रसाद महिला कार्यकारी अध्यक्ष उन्हें याद करते हुए हिटलर जैसे तानाशाह को भी घुटने पर कैसे नेताजी ने लाया एवं उच्च कोटि के अफसर होने के बावजूद देश सेवा के लिए उसे पद का त्याग किया इस प्रकार हमें भी अपने देश एवं संगठन के लिए कुछ समय जरूर देना चाहिए ।

एसबीयू में एक्सपर्ट टॉक का हुआ आयोजन

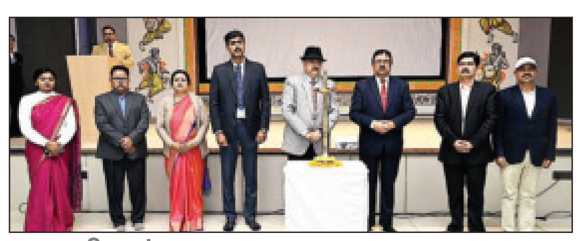

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भारतीय संविधान की आत्मा इसकी प्रस्तावना में बसती है। पूर्व में अनेकानेक उदाहरणों और न्यायिक फैसलों में इसकी महत्ता भी उजागर हुई है। यह बातें झारखंड उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति डॉ. एस. एन. पाठक ने कहीं। वे आज सरला बिरला विश्वविद्यालय में प्रस्तावना भारतीय संविधान का सार विषय पर आयोजित एक्सपर्ट टॉक के अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि अपने विचारों को रख रहे थे। उन्होंने प्रस्तावना को भारतीय लोकतंत्र के स्थायित्व एवं शासन एवं समानता आधारित समाज के लिए आवश्यक करार दिया। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हमें इसका सदुपयोग महज कोर्ट रूम में ही नहीं, बल्कि दैनंदिन जीवन में भी करना चाहिए। कार्यक्रम में विषय प्रवेश करते हुए एसबीयू के महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक ने विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के निखार में एक अच्छे वक्ता के योगदान की चर्चा की। उन्होंने न्यायाधीश का परिचय उपस्थित श्रोताओं से करवाते हुए न्यायिक क्षेत्र में उनके योगदान को सराहा। कुलपति प्रो सी. जगनाथन ने धन्यवाद देते हुए न्यायिक प्रक्रिया के शीघ्र निष्पादन में जस्टिस पाठक के योगदान की चर्चा की।

असैनिक शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी,लोहरदगा
Email-cs.lohardaga2@gmail.com

आभा कार्ड बनाने हेतु आमजनों के लिए महत्वपूर्ण सूचना

स्वास्थ्य सुविधाओं को आमजनों तक सुगमतापूर्वक उपलब्ध कराने के लिए भारत सरकार द्वारा आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (ABDM) प्रारंभ की गई, जिसका मुख्य उद्देश्य पूरे देश में स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के डिजिटलीकरण के लिए एक आधार विकसित करना है। इस महत्वाकांक्षी योजना की परिकल्पना स्वास्थ्य सेवाओं को दक्ष, सुगम, समावेशी और पारदर्शी बनाने के लिए की गई है। आम-जनों तक इसका लाभ पहुँचाने जैसे कि स्वास्थ्य सुविधाओं और चिकित्सा उपचार तक परेशानी मुक्त पहुँच, स्वास्थ्य रिकॉर्ड के लिए आसान साईन-अप और भरोसेमंद पहचान प्रदान करना है।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के अन्तर्गत सभी नागरिकों का 14 अंकों का आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउण्ट बनाना अनिवार्य है। आभा नम्बर के माध्यम से सभी नागरिक व्यक्तिगत रूप से निजी हेल्थ रिकॉर्ड को संधारित एवं साझा कर सकते हैं। आभा नम्बर बनवाने में नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र से आवश्यक सहयोग प्राप्त कर सकते हैं अथवा दिए गए लिंक https://abha.abdm.gov.in/abha/v3/register_ के माध्यम से स्वयं भी आभा नम्बर बना सकते हैं।

असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, लोहरदगा

PR 345047 Lohardaga(24-25).D

झारखण्ड सरकार
कार्यालय जिला उद्यान पदाधिकारी, खूँटी

खूँटी जिला में अधिष्ठापित कटहल प्रसंस्करण इकाई के संचालन हेतु ईच्छा की अभिव्यक्ति का आमंत्रण।

वित्तीय वर्ष 2023-24 में DMFT मद के तहत **कटहल प्रसंस्करण इकाई** का अधिष्ठापन, बाजार समिति, कदमा, खूँटी में किया गया है। वर्तमान में यह प्रसंस्करण इकाई वर्ष के कुछ महिने ही संचालित हो रहा है। चूंकि कटहल फसल मौसम आधारित है, जिस कारण प्रसंस्करण का उपयोग माह फरवरी से जुलाई तक ही हो पाता है।

प्रसंस्करण इकाई का पूरे वर्ष उपयोग करने के उद्देश्य से कटहल कैनिंग के उपरांत शेष महिने यथा माह **जुलाई से फरवरी** तक अन्य उद्यानिकी फसलों के कैनिंग अथवा अन्य उत्पाद तैयार करने हेतु प्रसंस्करण इकाई को किराये पर संचालन करने हेतु इच्छुक सरकारी/निजी संस्थान/ एफ0पी0ओ0/स्वंय सहायता समूह/लाभुक विस्तृत परियोजना प्रस्ताव के साथ अपना आवेदन दिनांक 05 फरवरी 2025 को अपराह्न 5:00 बजे तक कार्यालय, जिला उद्यान पदाधिकारी, रांची-खूँटी में जमा कर सकते है। प्रसंस्करण इकाई के संचालन, इकाई में अधिष्ठापित मशीन एवं उपकरण तथा किराया संबंधी अन्य विशेष जानकारी के लिए जिला उद्यान कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

पताः
जिला उद्यान पदाधिकारी, रांची-खूँटी का कार्यालय,
कृषि भवन परिसर, संयुक्त कृषि कार्यालय भवन,
कांके रोड, रांची-834008 (झारखण्ड)
मोबाईल नं0 9470978005

जिला उद्यान पदाधिकारी, खूँटी

PR 345055 District(24-25).D

जीवन में सफलता के लिए प्रतिबद्धता जरूरी : वरुण रंजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : जीवन में सफलता के लिए परिश्रम के साथ प्रतिबद्धता जरूरी है। लक्ष्य के प्रति हम लगातार प्रयास करते रहे तो सफलता जरूरी मिलेगी। उक्त बातें जेआईआईडीसीओ के प्रबंध निदेशक वरुण रंजन ने कहीं। वह आज झारखंड गवर्नमेंट टूल रूम में आयोजित मेधा सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों के कक्षा 10वीं के छात्रों की 2024-25 शैक्षणिक सत्र में उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों को मान्यता और सम्मान देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। इसमें उषा मार्टिन की ओर से भी सहयोग किया गया। वरुण रंजन, आईएएस ने छात्रों को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए बधाई दी और उनके समर्पण और कड़ी मेहनत की सराहना की। उन्होंने शिक्षा को छात्रों और राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने माता-पिता और शिक्षकों को भी छात्रों के विकास और सफलता में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए धन्यवाद दिया। प्राचार्य एमङ्क के ० गुप्ता ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को प्रेरित करना और उनमें शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति रुचि पैदा करना है। उन्होंने शैक्षणिक उत्कृष्टता को पहचानने के महत्व पर जोर दिया और इससे छात्रों को उनकी पूरी क्षमता तक पहुंचने के लिए प्रेरित करने का अवसर मिलता है। इस अवसर पर टॉपर्स को नकद पुरस्कार के साथ प्रमाण पत्र प्रदान किए गए, जिसमें प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को 1000 रुपये, द्वितीय स्थान के लिए 800 रुपये, और तृतीय स्थान के लिए 500 रुपये का पुरस्कार तथा प्रमाण पत्र दिया गया। उषा मार्टिन के मानव संसाधन विभाग के जीएम निपेंद्र नाथ झा ने छात्रों को प्रोत्साहन देते हुए कहा कि वे अपने सीखने की यात्रा को उसी जोश और प्रतिबद्धता के साथ जारी रखें। उन्होंने झारखंड गवर्नमेंट टूल रूम द्वारा इस तरह के कार्यक्रमों के आयोजन की प्रशंसा की, जो युवा मनों में सीखने और पहचानने की भावना को बढ़ावा देते हैं। सीएसआर हेड डॉ मयंक मुरारी ने सीएसआर के तहत शिक्षा के लिए किये जा रहे कार्यों की जानकारी दी।पुरस्कार प्राप्त करने वाले छात्रो के स्कूल है-हंसराज वधवा हाई स्कूल, नामकुम, गवर्नमेंट हाई स्कूल, टाटीसिल्वाई, पीएम गवर्नमेंट अपग्रेडेड हाई स्कूल, बनपुर, गोंडली पोखर मिडिल एंड हाई स्कूल, अनगड़ा, गौतम बुद्ध इंटरनेशनल स्कूल, टाटीसिल्वाई, एसएस 2 हाई स्कूल, चिलडाग, आरटीसी पब्लिक स्कूल, अनगड़ा, सेंट अलॉयसियस इंग्लिश मीडियम स्कूल, अंगड़ा, मॉडल स्कूल, नामकुम, जिला स्कूल, रांची कार्यक्रम का समापन अशुतोष मिश्रा, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसने छात्रों और उनके परिवारों पर एक अमिट छाप छोड़ी। कार्यक्रम का संचालन मंगल टोप्पो, वरिष्ठ अभियंता प्रशिक्षण द्वारा किया गया। इस समारोह में संस्थान से पी. पंकज, राहुल रंजन ओरांव, कुमार अविनाश, वरुण कुमार, मोनीत बूतकुमार एवं संगीता कुमारी, देबाशीष घोष तथा अन्य उपस्थित थे। ष्मेधा सम्मान समारोहष झारखंड गवर्नमेंट टूल रूम की शिक्षा को बढ़ावा देने और युवा उपलब्धिकताओं को नई ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए प्रेरित करने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

झारखण्ड, सरकार
कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (गव्य प्रक्षेत्र),
जिला गव्य विकास कार्यालय, रामगढ़

पशुपालकों के लिए आम सूचना

विभागीय राज्यादेश संख्या- 23, दिनांकः-31.07.2024 के द्वारा रामगढ़ जिला के इच्छुक व्यक्तिगत लघु उद्यमि/युवा शिक्षित बेरोजगार/स्वयं सहायता समूह के सदस्य/प्रगतिशील पशुपालकों को वित्तीय वर्ष 2024-25 से 2025-26 की अवधि अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी अनुदान-सह-बैंक ऋण/लाभुक लाभुक अंशदान (सामान्य जाति के लिए 25 प्रतिशत तथा अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति के लिए 33.33 प्रतिशत अनुदान) पर दो चरणों में कार्यान्वित किये जाने वाली कामधेनु डेयरी फॉर्मिंग योजना अन्तर्गत 50 दुधारू गाय/भैंस हेतु आवेदन पत्र प्रकाशन की तिथि से 10 दिनों के अंदर विहित प्रपत्र में आमंत्रित किये जाते हैं। जिले में झारखण्ड मिल्क फेडरेशन के कार्यक्षेत्र में चिन्हित दुग्ध पथों के इर्द-गिर्द एवं पूर्व से दुधारू मवेशी पालन करने वाले आवेदकों को प्राथमिकता के आधार पर चयन कर क्रियान्वित किया जाएगा।

आवेदन पत्र जिला गव्य विकास कार्यालय, रामगढ़ से निःशुल्क प्राप्त किए जा सकते हैं। पूर्ण रूप से भरे हुए फोटोयुक्त आवेदन पत्र के साथ आधार कार्ड, बैंक खाता एवं भूमि स्वामित्व प्रमाण पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा ग्रामसभा से अनुशंसित **ग्राम सभा की कार्यवाही की छायाप्रति संबंधित मुखिया द्वारा अभिप्रमाणित किया हुआ कार्यालय अवधि में जिला गव्य विकास कार्यालय, रामगढ़ में जमा करना अनिवार्य होगा अन्यथा आवेदन की मान्यता नहीं दी जायेगी एवं उसे रदद् कर दिया जायेगा।**

योजना की विवरणी निम्नवत्त है :-

योजना का नाम	परियोजना लागत	लक्ष्य	अनुदान प्रतिशत	बैंक ऋण	लाभुक अंश दान 10%	लाभुक की अहर्तायें
कामधेनु डेयरी फार्मिंग अन्तर्गत 50 (पचास) दुधारू गाय/भैंस की योजना	3976250/-	4	25% सामान्य जाति के लिए (OSP)	65% सामान्य जाति के लिए	10%	इच्छुक व्यक्तिगत लघु उद्यमि/युवा शिक्षित बेरोजगार /स्वयं साहायता समूह के सदस्य/प्रगतिशील पशुपालक
		1	33.33% अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लिए	56.67% अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लिए	10%	

नोटः- 1. लाभुकों का अंतिम चयन उपायुक्त की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय चयन समिति द्वारा किया जायेगा।
2. अनुदान का लाभ Back Ended के रूप में लाभुक के बैंक खाते में किया जायेगा।
3. विशेष जानकारी के लिए जिला गव्य विकास कार्यालय, रामगढ़ में स्वयं आकर कार्यालय अवधि में संपर्क किया जा सकता है।

निवेदक
ह0/-
जिला गव्य विकास पदाधिकारी, रामगढ़

PR 344953 District(24-25)#D

एक नजर

बेलडीह पंचायत के ग्रामीणों ने बीडीओ से की डीलर की शिकायत

पटमदा : बोड़ाम प्रखंड के बेलडीह पंचायत के गागीबुरू गांव के दर्जनों ग्रामीणों ने प्रखंड कार्यालय पहुंचकर बीडीओ से लिखित आवेदन देकर डीलर रामपद महतो के खिलाफ शिकायत की है।ग्रामीणों का आरोप है कि के वाई सी के नाम पर डीलर द्वारा जनवरी माह का राशन उठाव कर निकासी कर लिया गया है।वही मामले में प्रखंड प्रशासन द्वारा जांच करने की बात कही गई है।वही डीलर ने कहा कि विभाग के निर्देश पर ही सभी लाभुको का के वाई सी किया जाता हैं।

प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेला में 220 लोगों ने उठाया लाभ

जमशेदपुर : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहारागोड़ा में शुक्रवार को प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया गया। मेला में विभिन्न स्टॉल लगाए गए थे। चिकित्सा प्रभारी डॉ. उत्पल मुर्मू ने बताया कि स्वास्थ्य मेला से लगभग 220 लोगों से अधिक लोगों को लाभ मिला। छह बच्चों का अन्नप्राशन भी कराया गया इस अवसर पर मानसी प्लस प्रोजेक्ट की ओर से छह बच्चों का अन्नप्राशन भी कराया गया। साथ ही प्रखंड की सभी लोगों से नशा से दूर रहने की अपील की गई। मेला का उद्घाटन मुख्य अतिथि विधायक समीर महंती, विशिष्ट अतिथि पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. दिनेश षाड़ंगी, प्रखंड विकास पदाधिकारी केशव भारती, 20 सूत्री अध्यक्ष असित मिश्रा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। सभी अतिथियों का स्वागत सहिया दीदियों और चिकित्सा प्रभारी डॉ. उत्पल मुर्मू द्वारा किया गया। झोला छाप डॉक्टरों से इलाज नहीं कराएं : बीडीओ इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक समीर मोहंती ने कहा कि मनपसंद खाना बीमारी की जड़ है। बीडीओ केशव भारती ने कहा कि यहां स्वास्थ्य मेला में स्वास्थ्य से संबंधित हर तरह के स्टॉल लगाए गए हैं। जिसे जो भी समस्या है, उससे संबंधित परामर्श हासिल कर इलाज करा सकते हैं।

यज्ञ की तैयारी को लेकर बैठक 26 को

साहिबगंज : जिला अंतर्गत अखिल विश्व गायत्री परिवार की ओर से बोरियो प्रखंड के बांझी बाजार में होने वाले गायत्री महायज्ञ को लेकर ग्रामीणों की बैठक रविवार 26 जनवरी को बुलाई गई है। गायत्री परिवार के शिव शंकर निराला ने बताया कि उक्त बैठक बांझी बाजार के दुर्गा स्थान परिसर में 2:00 बजे दिन में होगी। बांझी बाजार में नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ की तैयारी को लेकर बैठक में चर्चा होगी।

पाटन-पांकी में सड़क हादसे, महिला समेत दो की मौत

पलामू : पलामू जिले के पाटन एवं पांकी थाना क्षेत्र में शुक्रवार को अलग अलग सड़क हादसे में एक महिला समेत दो की मौत हो गयी, जबकि दो लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। पहली घटना पाटन थाना क्षेत्र के कारीहार में हुई। यहां टेम्पो में बैठने के दौरान एक तेज रफ्तार बाइक सवार ने महिला को टक्कर मार दी। इलाज के लिए ले जाने के क्रम में मौत हो गयी। दूसरी घटना पांकी–बालूमाथ मुख्य पथ करामाटी में हुई। ऑल्टो कार और पिकअप में जोरदार टक्कर हो गयी, जिससे एक की मौत हो गयी, वहीं दो लोग जख्मी हो गए। सूचना मिलने के बाद पाटन एवं पांकी पुलिस छानबीन में जुटी है।

गणतंत्र दिवस से पूर्व फुल ड्रेस रिहर्सल का उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : गणतंत्र दिवस की सभी तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। मुख्य समारोह स्थल सिद्धों कान्हो स्टेडियम में भव्य पंडाल का निर्माण कराया जा रहा है। साथ ही आज जवानों, एनसीसी के छात्र, विभिन्न विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने फुल ड्रेस रिहर्सल परेड किया। जिसका निरीक्षण उपायुक्त हेमंत सती एवं पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से किया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले परेड के अंतिम पूर्वाभ्यास का निरीक्षण करते हुए उपायुक्त ने तिरंगे को सलामी दी। इस क्रम में टुकड़ियों ने परेड का अंतिम पूर्वाभ्यास किया। इस दौरान सार्जेंट मेजर और सार्जेंट द्वारा पूर्वाभ्यास करने वाले जवानों और पुलिस पदाधिकारियों का नेतृत्व किया। उपायुक्त ने सभी जवानों और पुलिस पदाधिकारियों का उत्साहवर्द्धन करते हुए परेड को लेकर आवश्यक निर्देश दिये। परेड के पूर्वाभ्यास से पहले उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने सिद्धों कान्हो कि प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस दौरान उपायुक्त ने ध्वजारोहण का पूर्वाभ्यास किया एवं जवानों की टुकड़ियों द्वारा किये गए परेड कि सलामी ली। मौके पर स्कूली छात्राओं की ओर से राष्ट्रगान का पूर्वाभ्यास किया गया। ज्ञात हो कि गणतंत्र दिवस पर झंडोत्तोलन और परेड के बाद जिला प्रशासन की ओर से अलग-अलग क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित भी किया जाएगा। वहीं उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने सभी व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को कई दिशा निर्देश दिए। मुख्य समारोह स्थल पर अतिथियों और लोगों की बैठने की व्यवस्था का भी निरीक्षण किया और संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को दिशा निर्देश दिए।

ध्वजारोहण हेतु समय सारणी

उपायुक्त गोपनीय कार्यालय पूर्वाह्न 8:15 बजे, मुख्य आयोजन स्थल सिद्धो- कान्हो स्टेडियम में पूर्वाह्न 9:05 पर झंडोतोलन किया जाएगा। जबकि समाहरणालय साहिबगंज में 10:35 बजे, विकास भवन साहिबगंज में 10:50 जैप- 9 साहिबगंज में 11:05 बजे पुलिस अधीक्षक कार्यालय में 11:30 एवं पुलिस लाईन कार्यालय में 11:45 बजे, अनुमंडल कार्यालय साहिबगंज में 11:55 बजे ध्वजारोहण जाएगा। जबकि कार्यालय एवं विद्यालयों में ध्वजारोहण समारोह मुख्य झंडोतोलन के पूर्व किया जाएगा। गणतंत्र दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन भी निर्धारित है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन 25 जनवरी संध्या 6:00 से पंडित दीनदयाल उपाध्याय साहिबगंज में किया जाना है। मुख्य आयोजन स्थल पर परेड के पूर्वाभ्यास के दौरान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक के अलावे अपर समाहर्ता गौतम भगत, परियोजना निदेशक आईटीडीए संजय कुमार दास, जिले के वरीय पदाधिकारी गण एवं अन्य उपस्थित थे।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर मंत्री रामदास ने दी श्रद्धांजलि

जमशेदपुर : बहरागोड़ा में गुरुवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती धूमधाम से मनाई गई। नेताजी शिशु उद्यान समिति की ओर से शिशु उद्यान में आयोजित समारोह में बतौर मुख्य अतिथि राज्य के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन शरीक हुए। उन्होंने उद्यान स्थित नेताजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके साथ ही उद्यान परिसर में 9 दिवसीय मेले का उद्घाटन भी किया। इससे पूर्व समिति की ओर से शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन, विधायक समीर मोहंती व डॉ दिनेश कुमार षाड़ंगी का स्वागत गुलदस्ता व अंग वस्त्र भेंटकर किया गया। रामदास सोरेन ने नेताजी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने युवाओं से नेताजी से प्रेरणा लेकर राष्ट्र की सेवा में जुटने की अपील की। समारोह में विभिन्न स्कूलों से आए बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर अतिथियों का मन मोह लिया। मौके पर शिशु उद्यान के संयोजक रवीन्द्र नाथ दास, निर्मल दुबे, तपन ओझा, सुमन कल्याण मंडल, स्नेहांसु पाल, श्याम मुर्मू, रासबिहारी साव, गौरीशंकर महतो, राजीव लेंका आदि मौजूद रहे।

चुनौतियां, समाधान और सकारात्मक पत्रकारिता पर कार्यशाला में हुई चर्चा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : सिविल सर्जन के सभागार में पीरामल फाउंडेशन ने पत्रकारों के साथ एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें जिले के प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यशाला का उद्देश्य, फाइलेरिया उन्मूलन के अंतर्गत आगामी फरवरी माह में एमडीए राउंड पर चर्चा और सकारात्मक बदलाव की दिशा में ब्लू नींव पहल के अंतर्गत पत्रकारिता में आने वाली चुनौतियों, उनके समाधान, और सकारात्मक पत्रकारिता पर चर्चा करना था। पिरामल फाउंडेशन के निदेशक संजय सुमन ने बताया कि पत्रकारिता में लगातार बदलाव हो रहे हैं और इस बदलाव को समझने और पत्रकारों को बेहतर बनाने के लिए पिरामल फाउंडेशन देशभर में सर्वेक्षण कर रहा है। उन्होंने कहा कि पाठक अब प्रेरणादायक और सकारात्मक खबरें देखना चाहते हैं। अगर पत्रकार इस दृष्टिकोण से समाचार प्रस्तुत करें, तो वे अधिक प्रभावी बन सकते हैं। कार्यशाला में उपस्थित पत्रकारों ने सहमति जताई कि नकारात्मक खबरों की भरमार के बीच पाठक अब सकारात्मक कहानियों को प्राथमिकता दे रहे हैं। ब्लू निब पहल की सराहना की व अपने पत्रकारिता की यात्रा, चुनौतियों व अवसरों को साझा किया। पीरामल फाउंडेशन के डिस्ट्रिक्ट लीड ईमोन दास और प्रोग्राम लीड अजय केशरी, रजिया उमर तथा गांधी फेलो कोमल गुप्ता ने फाउंडेशन द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य और नीति आयोग के सूचकांकों पर आधारित प्रखंड व जिला स्तर पर किए जा रहे कार्यों का संक्षेप में वर्णन किया। पत्रकारों ने फाउंडेशन की सोच की सराहना करते हुए इसे पत्रकारिता में सकारात्मक बदलाव लाने का एक कदम बताया। इस कार्यशाला में वेक्टर बोर्न डिजीज के जिला सलाहकार प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रतिनिधि एवं पीरामल फाउंडेशन टीम के सदस्य उपस्थित थे।

साहिबगंज में राष्ट्रीय बालिका दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला अंतर्गत सदर प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय दहला में राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन जिला बाल संरक्षण इकाई, बाल कल्याण समिति साहिबगंज और चाइल्ड हेल्पलाइन साहिबगंज के संयुक्त प्रयासों से किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं के अधिकार, उनके विकास और संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम में जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष, चाइल्ड हेल्पलाइन के परियोजना समन्वयक और अन्य संबंधित कर्मी मुख्य रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन बाल कल्याण समिति के प्रतिनिधियों द्वारा किया गया। जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी ने बालिकाओं के अधिकार और उनके विकास के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि बालिकाओं के हितों की रक्षा करना समाज और प्रशासन की सामूहिक जिम्मेदारी है। बालिकाओं को शिक्षा, सुरक्षा और समान अवसर प्रदान करने के लिए सभी को एकजुट होकर कार्य करना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने सरकारी योजनाओं और कानूनों की जानकारी दी, जिनका उद्देश्य बालिकाओं के विकास और सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। चाइल्ड हेल्पलाइन के परियोजना समन्वयक ने बच्चों के अधिकारों के उल्लंघन के मामलों में सहायता प्राप्त करने के लिए हेल्पलाइन की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 एक महत्वपूर्ण माध्यम है, जिसके जरिए बच्चों को सुरक्षा और सहायता प्रदान की जाती है। बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष ने समाज में बालिकाओं के प्रति भेदभाव को समाप्त करने और समानता सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बालिकाओं को सशक्त बनाने से ही समाज प्रगति कर सकता है।

विधायक ने फीता काटकर किया ईचागढ़ में स्वास्थ मेला का उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : राज्य स्तरीय चल रहे स्वास्थ मेला के क्रम में शुक्रवार को ईचागढ़ प्रखंड में एक दिवसीय प्रखंड स्तरीय स्वास्थ मेला का उद्घाटन विधायक सविता महतो नें विधिवत दीप प्रज्वलित और फीता काटकर किया। इस दौरान विधायक नें कहा राज्य सरकार के द्वारा चलाए जा रहे स्वास्थ मेला में लोग पहुंच कर निशुल्क स्वास्थ्य जांच करा रहे है। इस दौरान उन्हें चिकित्सको द्वारा जांच कर निशुल्क दवाई भी दिया जा रहा है। उन्होंने लोगो से इस तरह के स्वास्थ्य मेला में अधिक से अधिक लोगो को पहुंचनें का अपिल किया। प्रखंड स्तरीय एक दिवसीय स्वस्थ मेला में विभाग द्वारा ब्लड टेस्ट, शुगर टेस्ट के साथ ओर सुविधाओं के लिए स्टॉल लगाया गया था। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधीकारी एकता वर्मा, जिला परिषद ज्योति लाल मांझी, राखोहरि सिंह मुंडा, काबलु महतो, निताई उरांव, अभय यादव, समेत चिकित्सक समेत ग्रामीण जनता उपस्थित थे।

हत्या मामले का पुलिस ने किया उद्भेदन, तीन आरोपी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : साहिबगंज जिले के जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के खुजली झरना के निकट गड्ढे से पिछले 23 दिसंबर को बरामद अधजली लाश मामले का पुलिस ने उद्भेदन कर लिया है। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी सदर एसडीपीओ किशोर तिर्की ने जिरवाबाड़ी थाना में शुक्रवार को प्रेसवार्ता में दी। मृतक की पहचान तालझारी थाना क्षेत्र के छोटी भागियामारी निवासी पृथ्वी सोरेन के रूप में हुई थी। एसडीपीओ ने बताया कि मृतक की पत्नी मरांग कुड़ी मुर्मू के आवेदन पर जिरवाबाड़ी थाना में कांड संख्या 207/24 के तहत मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया था। उन्होंने बताया कि अनुसंधान के क्रम में तकनीकी सहयोग से छोटी भागियामारी निवासी शेखर सोरेन को पकड़ा गया। कड़ाई पूछताछ करने पर वह टूट गया और हत्या में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली। उसके स्वीकारोक्ति बयान पर गांव की महिला ताला कुड़ी सोरेन व नीरा पाड़ा निवासी गंगा सोरेन को पकड़ा गया। फिर तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया। एसडीपीओ ने बताया कि महिला ताला कुड़ी सोरेन ने पुराने जमीन विवाद में अपने चाचा पृथ्वी सोरेन की हत्या करवा दी। छापेमारी में एसडीपीओ के अलावा सर्किल इंस्पेक्टर राजीव रंजन, जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह, एसआई लव कुमार, बंटी यादव, दीपक क्रिएसन व सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

केंद्रीय विद्यालय में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत दिलायी गयी शपथ

साहिबगंज : राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा के प्रति जन–जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से साहिबगंज जिले में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2025 का आयोजन किया गया है। साहिबगंज केंद्रीय विद्यालय में सड़क सुरक्षा स्कूल जागरूकता कार्यक्रम के तहत जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह द्वारा 500 से अधिक विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा का शपथ दिलाया गया साथ ही सड़क सुरक्षा का नियम, के साथ यातायात नियमों का पालन करना तथा अपने परिजनों को हेलमेट सीट बेल्ट इत्यादि लगाने को कहना एवं नशे तथा मोबाइल का प्रयोग कर वाहन न चलाने को कहा गया। जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश कुमार चौधरी द्वारा सभी बच्चों को संदेश दिया गया की सड़क सुरक्षा मानकों का पालन करें स्कूल आते समय आपके परिजनों को हेलमेट सीट बेल्ट लगाने को निश्चित तौर से कहे, अपने परिजनों को नशे की हालत में वाहन ना चलाने को कहे। साथी स्कूल बस अथवा टोटो ऑटो में विद्यालय आते समय अपने हाथ पांव या सर को वाहन के बाहर ना करें सुरक्षा नियमों का पालन करें एक आदर्श जागरुक एवं नेक विद्यार्थी बनकर देश का भविष्य बने। इस मौके पर जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह, केंद्र विद्यालय प्रिंसिपल, रोड इंजीनियर एनालिस्ट अनुज पराशर, आईटी सहायक राजहंस एवं विद्यालय के शिक्षक मौजूद रहे।

समस्याओं के समाधान के लिए परीक्षा नियंत्रण को सौंपा ज्ञापन

बरहरवा : साहिबगंज जिला अंतर्गत बीएसके महाविद्यालय बरहरवा में छात्र नेता सोयेब अख्तर के नेतृत्व में सिद्धू कानू मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका के परीक्षा नियंत्रक को बीएसके महाविद्यालय बरहरवा के प्राचार्य द्वारा ज्ञापन सोपा गया। जिसमें तीन समस्याओं का उल्लेख किया गया है। दिनांक 17–01–2025 मेमो नम्बर : एसकेएमयू/परीक्षा/39/25 के अनुसार यूजी सेमेस्टर–2 (सत्र 2023– 27) के विद्यार्थियों परीक्षा प्रपत्र भर सकते हैं। इसमें यूजी सेमेस्टर–2 (सत्र 2022– 26) में कई विद्यार्थी किसी विषय में फेल हुए हैं। इसमें यूजी सेमेस्टर–2 (सत्र 2022– 26) के अपने विषय में फेल विद्यार्थियों के लिए परीक्षा प्रपत्र भरने की अनुमति दी जाए एवं विश्वविद्यालय अपने स्तर एक सूचना भी जारी करने के लिए निवेदन किया। क्योंकि बहुत सारे विद्यार्थी असमंजस में है एवं उनकी विवरण वेबसाइट में नहीं आने के कारण परीक्षा प्रपत्र नहीं भर पा रहे हैं। एवं यूजी सेमेस्टर–2 के विद्यार्थियों परीक्षा प्रपत्र भर भरने के दौरान उनकी आईडी, पासवर्ड फॉरगेट नहीं हो पा रहे हैं। जिस कारण से बहुत सारे विद्यार्थी अपने परीक्षा प्रपत्र भरने से वंचित है। एवं यूजी सेमेस्टर–3 (सत्र 2022– 26) की परीक्षा 28 जनवरी से प्रारंभ हो रही है, लेकिन अभी तक सैकड़ो विद्यार्थियों का प्रवेश पत्र डाउनलोड नहीं हो रहे हैं। उपरोक्त बिंदुओं पर अभिलंब ध्यान देकर इसका समाधान जल्द से जल्द करने की मांग रखी है। छात्र नेता सोयेब अख्तर ने बताया कि विश्वविद्यालय में करीब 2 साल से कुलपति का पद खाली है। आप इसी से अंदाजा लगा सकते हैं कि विश्वविद्यालय छात्रों के भविष्य के साथ कैसे खिलवाड़ कर रहे हैं। एनईपी सत्र (2022–26) के सत्र बहुत देरी से चल रही है अभी तक हमारे विश्वविद्यालय में सत्र (2022–26) सेमेस्टर 3 का परीक्षा संपन्न नहीं हुई है। अन्य विश्वविद्यालयों में इसी सत्र का सेमेस्टर 5 की परीक्षा की तैयारी चल रही है।

स्वास्थ्य मेला में स्वास्थ्य जांच करवाने पहुंचे ग्रामीण, लाभुकों को मिली निःशुल्क दवा

पटमदा : लावजोड़ा स्थित पीएचसी में स्वास्थ्य विभाग के द्वारा स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया गया। जानकारी देते हुए चिकित्सा पदाधिकारी डॉ कृष्टोफर बेसरा ने बताया कि विभाग के निर्देशानुसार ग्रामीणों को स्वास्थ्य जांच करवाने के लिए प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेला आयोजित किया गया। स्वास्थ्य मेला उद्घाटन समारोह में विधायक प्रतिनिधि चंद्र शेखर टुडू, पार्षद गीतांजलि महतो, बोड़ाम विधायक प्रतिनिधि मानिक महतो, प्रखंड प्रमुख ललिता सिंह, बीडीओ किकू महतो ,मुखिया ,उप मुखिया ,पीएचसी प्रभारी डॉ ,सौरभ कुमार, बीएएम सुकदा मुर्मू,सीडीपीओ सुनीता केरकेट्टा, बड़ा बाबू आनंद सिंह बीपीएम मनोरंजन सिन्हा,सहित सभी विभाग के स्वास्थ्य कर्मी और चिकित्सक मौजूद थे। सभी प्रकार के चिकित्सा सेवा के लिए स्टॉल लगाया गया था।

जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी रितेश कुमार का हार्ट अटैक से निधन

साहिबगंज : गोड्डा जिले के बाल संरक्षण पदाधिकारी रितेश कुमार का हार्ट अटैक से निधन हो गया। वह रितेश कुमार मूलतः गोड्डा जिले के पथरगामा प्रखंड के सोनारचक के रहने वाले थे। मिली जानकारी के अनुसार, रितेश कुमार शादी समारोह में भाग लेने अपनी ससुराल के किसी रिश्तेदार के यहां बिहार के सीतामढ़ी गए हुए थे। गुरुवार की रात अचानक हार्ट अटैक आने से उनकी मौत हो गई। की लहर दौड़ गई। उनका शव शुक्रवार को एंबुलेंस से गोड्डा लाया गया। शाम में पुराने समाहरणालय भवन के पास सहकर्मियों ने उनके अंतिम दर्शन किए और पुष्प माला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद शव को अंतिम संस्कार के लिए पैतृक गांव ले जाया गया। स्वर्गीय रितेश कुमार सरल, मृदुभाषी, मिलनसार और उत्कृष्ट व्यक्तित्व के धनी थे। वह एक कुशल और मेहनती प्रशासक थे। उनकी कार्यशैली व समर्पण की भावना साथी कर्मियों की लिए प्रेरणादायक थी।

एक नजर

डोभा में फर्जी तरीके से बना 17 लाख का तालाब

पलामू : जिले के मनातू: प्रखंड की बंशी खुर्द पंचायत के सिलदिलीया खुर्द में भ्रष्टाचार का एक बड़ा मामला शुक्रवार को प्रकाश में आया है। यहां 17 लाख रुपये से अधिक की लागत से डोभा में ही बड़ा तालाब का निर्माण कर दिया गया। यह काम भूमि संरक्षण विभाग के माध्यम से किया गया है। पांकी के विधायक डॉ. कुशवाहा शशिभूषण मेहता ने इसे खुला घोटाला करार दिया है। विधायक ने शुक्रवार को पत्रकारों से बात करते हुए आरोप लगाया है कि सिलदिलीया खुर्द के मास्टर सिंह के खेत में मनरेगा के तहत पहले से डोभा बना हुआ था। मास्टर सिंह और कुछ बिचौलियों ने विभागीय मिलीभगत से डोभा को बड़ा तालाब बना डाला। भूमि संरक्षण विभाग से 200 गुने 200 आकार वाले बड़ा तालाब का नया निर्माण नहीं होता है। तालाब का जीर्णोद्धार किया जाता है, लेकिन यहां विभागीय मिलीभगत से नियम को दरकिनार कर डोभा में ही तालाब का निर्माण किया गया, जो कई सवालों को खड़ा करता है।

मॉडल कॉलेज में क्विज प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

साहिबगंज/राजमहल : शुक्रवार को मॉडल कॉलेज राजमहल में 15 वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस 2025 के पुरुष पूर्व संध्या पर क्विज प्रतियोगिता कराई गई जिसमें 69 छात्र छात्राओं ने भाग लिया। इस अवसर पर डॉ रणजीत कुमार सिंह प्राचार्य ने कहा कि छात्र छात्राओं सभी मतदाता को अपने राष्ट्रीय कर्तव्य मतदान करने का अवसर को अपनी ताकत समझ मतदान करें। मतदान कर आपके राष्ट्रीय एवं स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए एक शिक्षित स्वच्छ छवि दूरगामी सोच वाले जनप्रतिनिधि चुनने का अवसर मिलता है।

सर्वांगीण विकास के लिए सभी जनप्रतिनिधियों का सामूहिक प्रयास जरूरी : राधा कृष्ण किशोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : राज्य के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि किसी भी राज्य या जिले के विकास के लिए यह आवश्यक है कि वहां की शिक्षा व्यवस्था सुदृढ़ हो और यह तभी संभव है जब आपके क्षेत्र में संचालित प्राथमिक पाठशाला सुचारू रूप से बच्चों को शिक्षित करने का कार्य करें, क्योंकि प्राथमिक पाठशाला से ही शिक्षा की नींव पड़ती है। उन्होंने कहा कि इस नींव को मजबूत करने में आप सभी पंचायत के जनप्रतिनिधियों की अहम भूमिका है। वे शुक्रवार को जिले सतबरवा के मलय डैम में आयोजित जिला स्तरीय पंचायत सशक्तिकरण कार्यशाला में बोल रहे थे। उन्होंने उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों से नियमित रूप से विद्यालय में बच्चों को दी जा रही शिक्षा और मिडडे मिल का निरीक्षण करने की बात कही। अबुआ आवास का लाभ आवास सूची के सीरियल नंबर के अनुरूप ही मिले, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए। अगर किसी क्षेत्र में योजनाओं के क्रियान्वयन में कोई समस्या या शिकायत हो तो मेरा मोबाइल नंबर 9431135292 पर व्हाट्सएप करें, मामले का संज्ञान लेकर उचित कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने कहा कि आप सभी ग्राम पंचायत स्तर के जनप्रतिनिधि हैं। हमारा देश गांवों का देश है ऐसे में जब हमारे गांव-टोले विकसित होंगे तब स्वतः ही हमारा देश विकसित होगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में सभी एएनएम को प्रशिक्षण देने की योजना पर कार्य करने की बात कही। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं उनके आर्थिक सशक्तिकरण में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि पलामू के सर्वांगीण विकास के लिये सभी जनप्रतिनिधियों का सामूहिक प्रयास आवश्यक है। कार्यशाला में उपायुक्त शशि रंजन ने कहा कि जिले के विकास में आप सभी जनप्रतिनिधियों का अहम स्थान है। आप ही वह महत्वपूर्ण कड़ी है जिससे कि प्रशासन को ग्राउंड जीरो का फीडबैक प्राप्त होता है। इस कार्यशाला का उद्देश्य आप सभी को विभिन्न योजनाओं से अवगत कराना है। कार्यशाला में 15 से अधिक विभागों के जरिये संचालित योजनाओं से आपको अवगत कराया जा रहा है। उन्होंने सभी से अपने क्षेत्र अंतर्गत पीवीटीजी समूह के विकास पर विशेष ध्यान देने हेतु अनुरोध किया। इसके पूर्व मंत्री, जिला परिषद अध्यक्ष प्रतिमा कुमारी, मेदिनीनगर नगर आयुक्त जावेद हुसैन, उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद व जिप उपाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह के जरिये दीप प्रज्जवलन कर कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। वहीं राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर कार्यशाला में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों को बालिकाओं के सशक्तिकरण की शपथ दिलायी गयी।

गोपो गांव में एक किशोर हाथी की हुई मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो वन प्रमंडल के गोमिया रेंज के गोपो गांव में एक किशोर हाथी मृत अवस्था में कुएं में मिला हैं। अकेला हाथी रात में गांव में घूम रहा था, तभी गांव वालों ने उसे भगाने के लिए शोर मचाया। अंधेरे में हाथी घबरा गया और खुला कुआं नहीं देख पाया और सीधे उसमें जा गिरा। हाथी की सूंड और चेहरा कुएं के अंदर एक छोटे से छेद में फंस गया और वह बाहर नहीं निकल सका। वन विभाग को घटना की जानकारी सुबह-सुबह मिली और वहां से संसाधन जुटाए गए। गांव दूर-दराज होने के कारण क्रेन, जेसीबी और ट्रक जैसे भारी उपकरणों का वहां पहुंचना मुश्किल था। अंत में वन कर्मियों, पशु चिकित्सकों, वन समिति सदस्यों, सीसीएल रजरप्पा कर्मियों और पुलिस बल के सदस्यों की टीम ने सुबह 10 बजे मशीनरी के साथ प्रयास शुरू किया और दोपहर दो बजे तक शव को कुएं से बाहर निकाला गया। पशुपालन विभाग के पश चिकित्सकों द्वारा पोस्टमार्टम भी किया जा रहा है, हालांकि अधिकारियों के अनुसार श्वासावरोध के कारण कार्डियोरेस्पिरेटरी फेलियर मौत का प्राथमिक कारण बताया गया है। वन विभाग ने स्थानीय किसानों को हाथी के कारण हुई फसल क्षति के लिए शीघ्र मुआवजा देने का आश्वासन दिया है।

मुखिया के प्रयास से सौर ऊर्जा से संचालित जलमीनार की हुई स्थापना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो में एक ऐसे शक्स की कहानी जिसने अपने प्रयास से गांव की पानी की समस्या को दूर कराया। दरअसल राधा गांव पंचायत में पानी की घोर समस्या थी जहां ज्यादातर ग्रामीणों को इनके लिए चापाकल पर निर्भर रहना पड़ता था जो गर्मी के दिनों में प्राय सूख जाता था जिसके कारण ग्रामीणों को पानी के लिए जद्दोजहद करना पड़ता था। इस पंचायत के मुखिया स्वरूप दास ने ठाना की इस पंचायत में ऐसी व्यवस्था करनी है जहां बिना बिजली के ही लोगो को पानी उपलब्ध कराया जा सके। बिजली नहीं भी रहे तो भी लोगो को पानी मिलता रहे और इसके लिए उन्होंने सौर ऊर्जा से संचालित होने वाले पानी टंकी युक्त जलमिनार को अपने पंचायत में स्थापित करवा दिया। जहां मुखिया के प्रयास और सौर ऊर्जा ने हल की पानी की समस्या। राधागांव पंचायत जो की बोकारो जिले में आता है, यहां के स्थानीय मुखिया के अथक प्रयासों से ग्रामीणों को अब पानी बड़े ही सुगम तरीके से उपलब्ध हो गया है। पहले यहां के ग्रामीण पानी के लिए चापाकल का प्रयोग करते थे यह भी कम और सभी जगह मौजूद नहीं था। जिससे पानी निकालने में महिलाओं और बुजुर्गों को काफी तकलीफ होती थी। कभी कभी तो महिलाओ को पानी लाने के लिए दूर दराज जाना पड़ता था, लेकिन सौर ऊर्जा चलित जल मीनारों का निर्माण कराने और इसको धरातल पर लाने के लिए स्थानीय मुखिया स्वरूप दास ने अहम भूमिका निभाई। स्थानीय लोगों के मुताबिक खासकर महिलाएं और बुजुर्ग इन जल मीनारों के आने से वह काफी उत्साहित है। ग्रामीणों का कहना है की गर्मियों के समय चापाकल से पानी बहुत धीरे-धीरे निकलता था लेकिन अब यह समस्या नहीं आती और बहुत सुगम तरीके से पानी मिल जाता है।

संक्षिप्त खबरें

गणतंत्र दिवस रिहर्सल परेड और नेशनल वोटर डे कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बोकारो : झारखण्ड सशस्त्र पुलिस-4, बोकारो में 26 जनवरी 2025 (गणतंत्र दिवस) के मद्देजन वाहिनी के परेड ग्राउण्ड में फाईनल रिहर्सल परेड का आयोजन किया। गणतंत्र दिवस रिहर्सल परेड के अवसर पर मुकेश कुमार समादेष्टा, रा०औ० सु०बल-सह-झा०स०पु०-4, बोकारो द्वारा परेड का निरीक्षण किया गया। रिहर्सल परेड में भाग ले रहे झा०स०५-4, बोकारो एवं रा०औ० सु०बल, बोकारो के जवानो द्वारा उच्च कोटि के परेड का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर समादेष्टा महोदय द्वारा परेड में सम्मलित कर्मियों को सराहा गया एवं परेड में भव्यता लाने हेतु आवश्यक निर्देश भी दिये गये। जिसमें भारत वर्ष में लोकतांत्रिक परम्पराओं की मार्यादया बनाये रखेन, स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए निर्भीक होकर, धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना मताधिकार का प्रयोग करने हेतु शपथ ग्रहण किया गया। इस अवसर पर पतरस बरवा, राजवल्लभ पासवान, पुलिस उपाधीक्षक, झा०स०पु०-4, बोकारो / रा०औ० सु०बल, पुलिस एसो0 के सभी पदाधिकारीगण, पुलिस मेन्स एसो० के सभी पदाधिकारीगण, चतुर्थवर्गीय कर्मचारी संघ के सदस्य गण एवं वाहिनी के सभी पुलिस पदाधिकारी , कर्मी उपस्थित रहे। साथ ही इस वाहिनी की सभी कम्पनियों, सैट,पोस्ट, पिकेट पर भी निर्धारित समय पर नेशनल वोटर डे के मद्देनजर मतदाता शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन कराया गया।

संविधान गौरव दिवस मनाया गया

धनबाद : भारतीय जनता पार्टी राजगंज मंडल के अंतर्गत ईस्ट बसुरिया नया डिपो खटाल के पास संविधान गौरव दिवस मनाया गया एवं महापर्व सदस्यता अभियान को विशेष रूप से चलाया गया सर्वप्रथम बाबा भीमराव अंबेडकर की तस्वीर पर पुष्पांजलि कर शारदा सुमन अर्पित किया गया इस कार्यक्रम की अध्यक्षता राजगंज मंडल अध्यक्ष रंजीत सिंह ने किया मंडल अध्यक्ष रंजीत सिंह ने कहा संविधान गौरव दिवस पूरे देश में भारतीय जनता पार्टी के द्वारा मनाया जा रहा है। इसी निमित्त दलित भाइयों की गांव में मनाया गया बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी का शुरू से कांग्रेस पार्टी के द्वारा उनका अपमान करते आ रहे हैं। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बाबा साहेब का संविधान का सम्मान करते हुए उनके बताएं रास्ते पर चल रहे हैं।और गरीबों भाई बहन के लिए अनेक केंद्र सरकार के द्वारा योजना का लाभ लोगों को मिल रहा है। आज सच में कहे तो संविधान का सम्मान और बाबा भीमराव अंबेडकर जी का सम्मान भारतीय जनता पार्टी करता है। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से ग्रामीण जिले के उपाध्यक्ष सदस्यता प्रभारी मोहन कुंभकार, संचालन मंडल महामंत्री संजीत सिंह, धन्यवाद ज्ञापन जसवंत सिंह, मनोज यादव, सरजू विश्वकर्मा, डब्लू कुमार, गोविंद बाऊरी, जितेंद्र कुमार, सोनिया देवी, प्रकाश भुईयां, भारती देवी, रूबी देवी, शोभा देवी, भारती कुमारी, कुलेश्वरी देवी, शांति देवी, लाली देवी, शबनम देवी, आरती देवी, बभनी देवी, छोटी देवी, बिंदेश्वर प्रसाद, दिनेश्वर यादव सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

बिहार

कैमूर में भाजपा को मिला नया जिला अध्यक्ष

कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए थे ओमप्रकाश पांडे, मिली बड़ी जिम्मेदारी

कैमूर। में भाजपा को नया जिला अध्यक्ष मिल गया है। भभुआ स्थित एक निजी होटल में आयोजित भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक में ओमप्रकाश पांडे को नया जिला अध्यक्ष घोषित किया गया। बैठक में बिहार सरकार के श्रम संसाधन मंत्री संतोष सिंह, मोहनिया विधायक संगीता कुमारी और दीघा विधायक डॉ. संजीव चौरसिया मौजूद थे। ओम प्रकाश पांडे 7 साल पहले कांग्रेस में महामंत्री के पद पर कार्यरत थे। जहां 7 साल से बीजेपी में महामंत्री के पद पर काम कर चुके हैं। पार्टी के प्रति उनके लगन को देखते हुए उन्हें जिला अध्यक्ष बनाया गया है।ओमप्रकाश पांडे चार साल पहले कांग्रेस में थे महामंत्री दीघा विधायक डॉ. संजीव चौरसिया ने मंच से ओमप्रकाश पांडे के नाम की घोषणा की, जिसका सभी कार्यकर्ताओं ने खड़े होकर और तालियां बजाकर स्वागत किया। ओमप्रकाश पांडे चार साल पहले तक कांग्रेस में महामंत्री के पद पर थे। भाजपा में आने के बाद वे प्रदेश महामंत्री और जिला उपाध्यक्ष के रूप में कार्यरत रहे। इससे पहले दो कार्यकाल तक मनोज जायसवाल जिला अध्यक्ष थे।डॉ. चौरसिया ने बताया कि ओमप्रकाश पांडे की कर्तव्यनिष्ठा और पार्टी के प्रति समर्पण को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

उन्होंने कहा कि 2025 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है और पांडे पार्टी को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएंगे।

डबल डेकर पुल निर्माण के दौरान हादसा

छपरा। में डबल डेकर पुल निर्माण के दौरान देर रात एक बड़ा हादसा हो गया। नगरपालिका चौक पर निर्माणाधीन पुल पर लगी क्रेन का डक पुलिस की पेट्रोलिंग गाड़ी पर गिर गई। इससे तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। जानकारी के अनुसार घटना रात के करीब एक बजे की है। जब सुपर पेट्रोलिंग टीम के बजनार्दन सिंह, मनोज सिंह और अनिल कुमार पांडे गश्ती पर थे। हादसे में पुलिस की बोलेरो गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घायल पुलिसकर्मियों को तत्काल छपरा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां सीटी स्कैन समेत अन्य जरूरी जांच की गई। प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को छुट्टी दे दी गई। एसपी कुमार आशीष ने बताया कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। यह उल्लेखनीय है कि छपरा शहरी क्षेत्र में भारत के सबसे लंबे डबल डेकर पुल का निर्माण कार्य चल रहा है।

पुलिस ने निर्माण कंपनी की लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है।

20 साल बाद मिली लापता महिला

मोतिहारी। पुलिस ने 20 साल पुराने मामले को सुलझा लिया है। आदापुर थाना क्षेत्र की बरेया टोला निवासी हरेंद्र महतो की पत्नी गीता देवी, जो दो दशक पहले ट्रेन पकड़ने के दौरान लापता हो गई थी। उसे केरल से बरामद कर लिया गया है। एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर आदापुर थाना अध्यक्ष धर्मबीर चौधरी ने सोशल मीडिया का सहारा लिया। महिला की तस्वीर को सोशल मीडिया पर शेयर किया गया। इसके बाद केरल से सूचना मिली कि वहां एक महिला भीख मांगती दिखाई दे रही है, जो गीता देवी से मिलती-जुलती है। इस सूचना के आधार पर एसपी ने तत्काल एक टीम को केरल भेजा। टीम ने महिला की पहचान कर उसे सकुशल मोतिहारी लाया। बीस साल बाद अपने परिवार से मिलकर गीता देवी की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। परिवार के सदस्यों ने मोतिहारी पुलिस, विशेषकर एसपी और आदापुर थाना अध्यक्ष का आभार व्यक्त किया। एसपी स्वर्ण प्रभात ने कहा कि जिले के लोगों की सुरक्षा उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस दिशा में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

नाबालिग ने खुद के अपहरण की रची थी साजिश

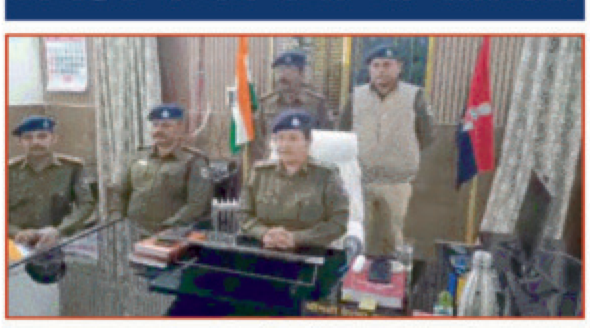

भागलपुर। झंडापुर इलाके के नाबालिग का अपहरण नहीं हुआ था। उसने खुद अपने पिता से पैसे ऐंठने के लिए दोस्तों के साथ मिलकर अपनी अपहरण की झूठी कहानी रची थी। पुलिस ने गुरुवार को नाबालिग को नवगछिया रेलवे स्टेशन से बरामद कर लिया, तो उसकी पोल खुल गई। नवगछिया एसपी प्रेरणा कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि पुलिस ने 8 घंटे के अंदर मामले का खुलासा कर दिया। झंडापुर थाना पुलिस को किशोर के पिता ने बीते बुधवार को सूचना दी थी कि उसके 17 साल के बेटे का अपहरण कॉलेज से लौटने के क्रम में अपराधियों ने कर लिया है और 4 लाख रुपए की फिरौती मांग रहे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए रउढड ओम प्रकाश के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम में बिहपुर सर्किल इंस्पेक्टर, झंडापुर थाना अध्यक्ष, तकनीकी टीम के पदाधिकारी और जवानों को शामिल किया गया।तीनों नाबालिग इंटर के हैं छात्र पकड़े गए तीनों नाबालिग इंटर के छात्र हैं। एसपी प्रेरणा कुमार ने बताया कि पूछताछ में नाबालिग ने बताया कि वो कारोबार करना चाहता था। इसके लिए 4 लाख रुपए की जरूरत थी। इस कारण उसने अपने साथियों के साथ मिलकर खुद के अपहरण की कहानी रची थी। इसके बाद साथियों से अपने मोबाइल से पिता को फोन करवाया और 4 लाख रुपए की फिरौती मांगी गई। एसपी ने बताया कि गठित विशेष टीम ने नाबालिग और उसके दो दोस्तों को कटिहार से नवगछिया आने के दौरान बरामद कर लिया।

औरंगाबाद में भोजपुरी कलाकारों ने बांधा समां

भगवान राम के नारे से गूंजा रफीगंज, राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के एक साल पूरे होने पर आयोजन

औरंगाबाद। के रफीगंज शहर के थाना गली में श्री राम राज्य संघ ने राम मंदिर अयोध्या में रामलला मंदिर निर्माण होने के एक वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में गुरुवार की रात भक्ति संगीत एवं जागरण का आयोजन किया गया। इस दौरान भोजपुरी के कलाकारों ने गाने गाए। कार्यक्रम का उद्घाटन ओबरा विधानसभा के पूर्व विधायक प्रत्याशी सह लोजपा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ प्रकाश चंद्रा, दाउदनगर पूर्व प्रमुख संजय कुमार सोम, शंकर शौंडिक सहित अन्य लोगों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर और दीप प्रज्वलित कर किया। अंग वस्त्र देकर कमेटी के सदस्यों ने अतिथियों का स्वागत किया। युवाओं ने हनुमान चालीसा का पाठ किया।आचरण भगवान राम के जैसा होना चाहिए- डॉ प्रकाश चंद्रा डॉक्टर प्रकाश चंद्र ने कहा कि राम मंदिर निर्माण के एक साल पूरे होने पर रामराज्य संघ ने भव्य जागरण का आयोजन किया है। उन्होंने कहा कि रफीगंज की आज की युवा पीढ़ी श्री राम में रुचि रखती है। बताया कि राम हमारे दिल में तब बसेंगे जब हम अपने माता-पिता का, गुरुजनों का, बड़े भाइयों का आदर सम्मान करेंगे। महिलाओं की और बहनों को इज्जत देंगे। आपका आचरण भगवान राम के जैसा होना चाहिए। आज 2 इंच जमीन के लिए आपस में लड़ जाते हैं भाई वर्तमान समय के परिवेश में भाई-भाई आपस में दो-दो इंच की जमीन के लिए लड़ाई कर लेते हैं। हम लोग को भगवान राम और भरत से सीख लेने की जरूरत है। क्योंकि भगवान राम के वनवास के बाद भी भरत अपने बड़े भाई को खोजते खोजते वनवास चले गए थे। भगवान राम के वनवास चले जाने के बाद भरत को राजगद्दी मिली लेकिन भरत ने कभी राजगद्दी का धारण नहीं किया। आज के प्रवेश में भगवान राम और भरत से सीख लेने की जरूरत है। सभी को भगवान राम एवं भरत की जैसे भाई-भाई में प्रेम होना चाहिए।"राम का मतलब होता है" त्याग, तप, संस्कार, दूसरों को दिए जाने वाला सम्मान, राम का मतलब होता है, जो जाती पाती से बढ़कर कम करें। लोगों की दुख की घड़ी में जो साथ देता है, उसे हमेशा याद करना चाहिए। स्थानीय कलाकारों ने दी प्रस्तुति कार्यक्रम के दौरान भोजपुरी गायक अंकित सिंह चंद्रवंशी, शत्रुघ्न लाल यादव, ममता सिंह, गुड्डू सुमन, प्रणव बिहारी सहित अन्य गायकों ने भक्ति गीत की प्रस्तुति दी। एक से बढ़कर एक कलाकारों ने भक्ति गीत गाया। इस दौरान पूरा शहर भक्तिमय हो उठा।कार्यक्रम में ये रहे शामिल इस मौके पर व्यवसायिक विकास कुमार शौंडिक, शंकर शौंडिक, नगर पंचायत उप मुख्य पार्षद प्रतिनिधि दिलीप उर्फ कारु, भाजपा नेता मयंक कुमार, अतुल मिश्रा, युवराज शौंडिक, जतिन विश्वकर्मा, दीक्षित मिश्रा, विकास मिश्रा, यीशु गुप्ता, रितिक कुमार, उत्तम मिश्रा, सूरज कुमार अमन विश्वकर्मा युवराज गुप्ता राहुल विश्वकर्मा नीतीश शौंडिक, रंजन शौंडिक,प्रिंस सिंह, ऋतिक शौंडिक, रोहन गुप्ता, धनराज विश्वकर्मा सहित अन्य लोग रहे।

बिग बॉस 18 फिनाले से बिना शूट किए निकलने पर बोले अक्षय

अक्षय कुमार ने उन खबरों पर चुप्पी तोड़ी है, जिनमें कहा जा रहा था कि वे सलमान खान के देर से आने के कारण बिग बॉस 18 के सेट से बिना शूटिंग किए वापस चले गए थे। अक्षय कुमार ने स्पष्ट किया कि उनके पास पहले से ही कुछ जरूरी कमिटमेंट्स थे, जिसकी वजह से उन्हें जाना पड़ा था। हाल ही में दिल्ली में हुई एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब अक्षय से पूछा गया कि क्या सलमान की देर से आने के कारण उन्हें सेट से बिना शूट किए जाना पड़ा था, तो उन्होंने इसका जवाब देते हुए कहा, मैं समय पर वहां पहुंच चुका था, लेकिन सलमान थोड़े देर से पहुंचे। उन्हें कुछ पर्सनल काम था, इसलिए उन्होंने मुझे बताया कि उन्हें करीब 40 मिनट की देरी होगी। लेकिन मुझे वहां से जाना पड़ा, क्योंकि मेरे पास पहले से कुछ कमिटमेंट्स थे। हमने इस बारे में बात की और मैं सेट से निकल गया, लेकिन वीर वहीं थे और उन्होंने सलमान के साथ शूट किया था। हालांकि, सलमान खान ने भी फिनाले एपिसोड में बताया था कि अक्षय कुमार अपनी अपकमिंग फिल्म स्काई फोर्स का प्रमोशन करने वीर पहाड़िया के साथ आने वाले थे। लेकिन वह थोड़ा लेट हो गए थे और अक्षय कुमार को किसी फंक्शन के लिए जाना था, इसलिए वो चले गए थे। फिल्म स्काई फोर्स में नजर आएंगे अक्षय कुमार 'स्काई फोर्स' का निर्देशन संदीप केलवानी और अभिषेक कपूर ने किया है। यह फिल्म 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की असली कहानी को दर्शाती है। फिल्म में अक्षय कुमार और वीर पहाड़िया के अलावा सारा अली खान और निम्रत कौर भी हैं। अक्षय कुमार का किरदार विंग कमांडर ओपी तनेजा से प्रेरित है, जबकि वीर पहाड़िया दिवंगत स्क्वाड्रन लीडर अमजद बी देवैया के रोल में नजर आ रहे हैं। वहीं, सारा अली खान उनकी पत्नी की भूमिका में हैं।

नेपोटिज्म के कारण बर्बाद हुआ करियर, हमेशा आइटम गर्ल समझा गया

हाल ही में राम गोपाल वर्मा की फिल्म 'सत्या' री-रिलीज हुई है। इस मौके पर एक्ट्रेस उर्मिला मातोंडकर ने रामू के साथ लड़ाई की खबरों को महज अफवाह बताया। एक्ट्रेस ने कहा कि उनका करियर रामगोपाल वर्मा के कारण नहीं, बल्कि नेपोटिज्म के कारण बर्बाद हुआ। उन्हें हमेशा ही आइटम गर्ल या फिर सेक्स साइरन के रूप में देखा गया। उर्मिला ने राम गोपाल वर्मा के साथ सत्या, जंगल, रंगीला और भूत जैसी फिल्मों में काम किया है। रंगीला बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट रही और इस फिल्म ने उर्मिला मातोंडकर को बॉलीवुड में 'रंगीला गर्ल' के तौर स्थापित कर दिया। इंडस्ट्री में ऐसी अफवाह थी कि एक्ट्रेस का रामू के साथ अफेयर चल रहा है जिस वजह से वो उनकी हर फिल्म में होती हैं। हालांकि, एक समय पर दोनों के बीच लड़ाई की खबरें आने लगीं। उर्मिला मातोंडकर ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि कई बेहतरीन फिल्में करने के बाद भी 90 के दशक में मीडिया सिर्फ उनके लुक और उनकी निजी जिंदगी के बारे में बात करती थी। लोगों को उनकी एक्टिंग के बजाय उनकी जिंदगी के हर पहलु में दिलचस्पी रहती थी। पिंजर, कौन, एक हसीना थी जैसी कई बेहतरीन फिल्मों में काम करने के बावजूद भी उर्मिला मातोंडकर को बॉलीवुड में सिर्फ एक आइटम गर्ल ही समझा गया। उर्मिला कहती हैं- इंडस्ट्री में सिर्फ एक आइटम गर्ल और सेक्स साइरन के तौर पर देखा जाता था। मैं इंडस्ट्री से ताल्लुक नहीं रखती थी, जिसका मुझे खामियाजा उठाना पड़ा था। सत्या की री-रिलीज के मौके पर उर्मिला मातोंडकर ने एक बार फिर डायरेक्टर राम गोपाल वर्मा और एक्टर मनोज बाजपेयी के साथ काम करने की इच्छा जताई है।

शाहिद कपूर की देवा के शूट हुए मल्टीपल क्लाइमैक्स टीम को भी नहीं पता कहानी का सही अंत

बॉलीवुड अभिनेता शाहिद कपूर अपनी आगामी फिल्म में पुलिस ऑफिसर का किरदार निभाने जा रहे हैं। अभिनेता ने फिल्म के लिए कई क्लाइमेक्स सीन शूट किए हैं। हालांकि, उनमें से केवल एक ही फाइनल कट में शामिल हुआ है। फिल्म की कहानी का अंत कैसा होगा इस बारे में टीम मेंम्बर्स को भी नहीं पता है।

देवा के कई क्लाइमेक्स शूट हो रहे

फिल्म के लिए कई क्लाइमेक्स सीन शूट किए गए थे और यहां तक कि कास्ट और क्रू को भी नहीं पता कि कौन सा वर्जन फाइनल कट में शामिल हुआ है। सूत्रों ने कहा, निर्माताओं ने क्लाइमेक्स को पूरी तरह से गुप्त रखा है, जिससे हर कोई अनुमान लगा रहा है। यह गोपनीयता न केवल दर्शकों के लिए बल्कि टीम के लिए भी रहस्य की एक अतिरिक्त परत सुनिश्चित करती है।

देवा का ट्रेलर हुआ रिलीज

देवा का ट्रेलर कुछ दिनों पहले ही रिलीज हुआ। इसमें अभिनेता ने फिल्म में एक गुस्सैल, युवा पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाई है और उन्हें कुछ गंभीर मुक्के और प्रभावशाली बंदूक-तान वाले दृश्य देते हुए देखा जा सकता है।

ऐसा है फिल्म का ट्रेलर

शाहिद कपूर पूरे ट्रेलर में धमाकेदार एक्शन और अपने इंटेंस लुक के साथ नजर आए। अभिनेता पूरे ट्रेलर में छाए रहें। वह शहर से गुंडों का सफाया करते दिख रहे हैं। ट्रेलर में गुंडों और देवा के बीच जबरदस्त संघर्ष दिखा है, जो फैंस की उत्सुकता को बढ़ाने वाला है। पुलिसवाले के किरदार में अभिनेता काफी जंच रहे हैं। वहीं, लंबे समय के बाद वह किसी एक्शन फिल्म में दिखे हैं। अभिनेता को 'आई एम माफियाज' डायलॉग बोलते हुए सुना जा सकता है।

ऐसी है स्टार कास्ट

'देवा' के स्टार कास्ट की बात की जाए तो फिल्म में शाहिद के अलावा देवी की मुख्य भूमिका में पूजा हेगड़े हैं और उनके साथ पावेल गुलाटी, प्रवेश राणा और कुबरा सैत भी शामिल हैं। फिल्म 31 जनवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। शाहिद के फैंस लंबे समय से उन्हें एक्शन अवतार में देखना चाहते थे।

अब टीवी-फिल्म एक्टर रोनित रॉय करेंगे सैफ अली खान की सुरक्षा

16 जनवरी को बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान पर एक व्यक्ति ने उनके घर में घुसकर चाकू से हमला किया, यह व्यक्ति चोरी के इरादे से एक्टर के घर में आया था। हमले में सैफ अली खान को कई चोटें आईं। लीलावती हॉस्पिटल में उनकी सर्जरी हुई। हमले के पांच दिन बाद यानी मंगलवार को सैफ को हॉस्पिटल से छुट्टी मिल गई है। सैफ अली खान पर हमला करने वाले व्यक्ति को भी पुलिस ने पकड़ लिया है। लेकिन अब सैफ अली खान की सुरक्षा की जिम्मेदारी एक्टर रोनित रॉय पर है।

रोनित रॉय लेंगे सुरक्षा की जिम्मेदारी

टीवी और फिल्मों में एक अलग पहचान रखने वाले कलाकार रोनित रॉय को हाल ही में एक्टर सैफ अली खान की सुरक्षा की जिम्मेदारी मिली है। एक्टर रोनित रॉय को, सैफ अली खान के आसपास लीलावती हॉस्पिटल और उनके घर में देखा गया। असल में एक्टिंग करने के अलावा रोनित रॉय एक सिक्योरिटी एजेंसी के मालिक भी हैं, वह लगभग कई सालों से इस एजेंसी को चला रहे हैं। यही कारण है कि रोनित रॉय की सिक्योरिटी एजेंसी को एक्टर सैफ अली खान की सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई है।

अमिताभ बच्चन को भी देते हैं सुरक्षा

सैफ अली खान को ही रोनित रॉय सिक्योरिटी नहीं दे रहे हैं। उनकी सिक्योरिटी एजेंसी अमिताभ बच्चन के अलावा कई और नामी बॉलीवुड एक्टर्स को सुरक्षा देती है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार रोनित रॉय की सिक्योरिटी एजेंसी जिन कलाकारों को सिक्योरिटी देती है, उसमें आमिर खान, सलमान खान, शाहरुख खान का नाम भी शामिल है।

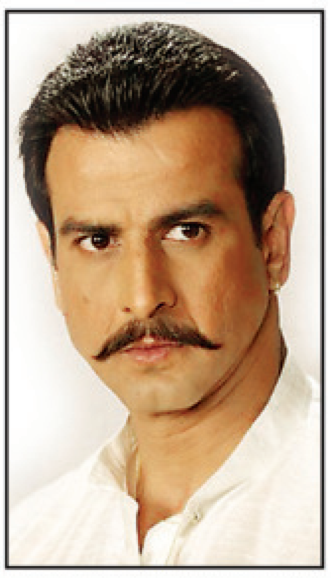

आपत्तिजनक अफवाहों पर भड़कीं तब्बू

एक्ट्रेस तब्बू ने अपने खिलाफ फैलाए गए आपत्तिजनक अफवाहों पर गुस्सा जाहिर किया है, जिसमें कहा गया था कि मुझे शादी में दिलचस्पी नहीं है, बल्कि मुझे सिर्फ अपने बिस्तर पर मर्द चाहिए। तब्बू की टीम ने ऐसी खबरों को प्रसारित करने वाले मीडिया हाउस को फटकार लगाई है। इस मामले में तब्बू की टीम ने एक सार्वजनिक बयान जारी किया है। जिसमें उन मीडिया रिपोर्ट्स की आलोचना की है, जिनमें शादी के बारे में एक्ट्रेस के विचार पब्लिश किए थे। तब्बू की टीम ने अपनी इस हरकत के लिए मीडिया हाउस से औपचारिक रूप से माफी मांगने को कहा है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक तब्बू की टीम ने बयान में कहा- कुछ वेबसाइट और सोशल मीडिया ने तब्बू के बयान को गलत तरीके से पब्लिश किया है। इससे पाठकों को गुमराह किया जा रहा है। हम यह स्पष्ट रूप से कहना चाहते हैं कि एक्ट्रेस ने कभी ऐसा कुछ नहीं कहा है। बता दें कि एक वेबसाइट ने एक्ट्रेस के बारे में एक न्यूज पब्लिश की थी। जिसमें यह दावा किया था कि तब्बू ने कहा मैं शादी में दिलचस्पी नहीं रखती है और केवल एक मर्द चाहती हूं जिसके साथ मैं बिस्तर पर सो सकूं।

जन्नत ज़ुबैर कर दिया ये कारनामा, इस मामले में शाहरुख खान को पछाड़ा

बॉलीवुड के किंग कहे जाने वाले अभिनेता शाहरुख खान भारत से लेकर विदेशों तक लाखों-करोड़ों लोगों के दिलों पर राज करते हैं। सोशल मीडिया पर भी उनके चाहने वालों की बहुत बड़ी तादाद है, लेकिन अभिनेता को 23 साल की अभिनेत्री और सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर ने इंस्टाग्राम फॉलोअर्स के मामले में पीछे छोड़ दिया है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर जन्नत जुबैर ने इंस्टाग्राम फॉलोअर्स के मामले में बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान को पीछे छोड़ते हुए एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। जन्नत जुबैर की बढ़ती लोकप्रियता डिजिटल क्रिएटर्स के बढ़ते प्रभाव को दिखाती है।

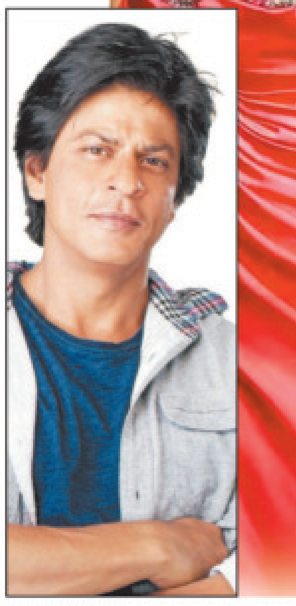

राम गोपाल वर्मा ने किया नई फिल्म सिंडिकेट का एलान

फिल्म निर्माता राम गोपाल वर्मा ने अपनी आगामी फिल्म सिंडिकेट के बारे में जानकारी साझा की है, जो कि उनका अब तक का सबसे महत्वाकांक्षी और डरावना काम होने का वादा करती है। राम गोपाल वर्मा के अनुसार, यह फिल्म एक भयानक आपराधिक संगठन के उदय को दर्शाने के लिए तैयार है, जो भारत के अस्तित्व को खतरे में डालता है।

नई फिल्म का खुलासा

एक्स पर साझा की गई एक पोस्ट में राम गोपाल वर्मा ने सिंडिकेट के पीछे की छिपी अपनी सोच के बारे में बात की। यह देखते हुए कि सड़क गिरोह अतीत में भारत में एक बड़ा खतरा थे, आज असली खतरा राजनीतिक ताकतों, कानून प्रवर्तन, अति-धनी व्यापारियों और यहां तक कि सैन्य कर्मियों सहित विभिन्न गुटों से मिलकर एक शक्तिशाली सिंडिकेट के गठन में है।

आपराधिक संगठन का गिरोह

राम गोपाली वर्मा ने कहा कि सिंडिकेट सुपरनैचरल हॉरर फिल्म नहीं है, बल्कि मानव की भयावह क्षमता को दिखाएगी। फिल्म निर्माता ने इस बात का खुलासा किया कि फिल्म अपराध और आतंक की प्रकृति को उजागर करेगी, यह दर्शाती है कि कैसे आपराधिक संगठन समय के साथ और भी अधिक घातक रूप में विकसित होते हैं। उन्होंने कहा, अपराध और आतंक कभी नहीं मरते। वे अधिक घातक रूपों में वापस आते रहते हैं।

सत्या जैसी फिल्में बनाना चाहते राम गोपाल वर्मा

इससे पहले राम गोपाल वर्मा ने खुलासा किया कि 27 साल बाद फिर से सत्या देखने पर वह बहुत भावुक हो गए, क्योंकि उन्होंने इस बात पर विचार किया कि कैसे सत्या और रंगीला जैसी फिल्मों की सफलता ने उन्हें भटका दिया, जिससे उनका रचनात्मक ध्यान भटक गया। उन्होंने स्वीकार किया कि वह अपनी सफलता के नशे में चूर हो गए और उन मूल सिद्धांतों को भूल गए, जिन्होंने उन्हें शुरू में यादगार फिल्में बनाने के लिए प्रेरित किया था।

छावा में महारानी येसूबाई बनीं हैं रश्मिका मंदाना

विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना स्टारर अपकमिंग फिल्म 'छावा' से अभिनेत्री का फर्स्ट लुक निर्माताओं ने रिलीज कर दिया है। पोस्टर में अभिनेत्री मराठा साम्राज्य की महारानी येसूबाई की भूमिका में हैं। मैडॉक फिल्म्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रश्मिका मंदाना के फर्स्ट लुक को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, हर महान राजा के पीछे ताकत से भरी रानी खड़ी होती है। महारानी येसूबाई के रूप में रश्मिका मंदाना का परिचय, स्वराज्य का गौरव है। पोस्टर में अभिनेत्री शाही अंदाज में दिखीं। लाल साड़ी, सोने के गहने, हरी चूड़ियों के साथ वह मराठी बिंदी में नजर आई। पोस्टर को रश्मिका ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर भी शेयर किया और बताया कि छावा का ट्रेलर बुधवार को रिलीज होगा। शिवाजी सावंत के मराठी उपन्यास 'छावा' पर बनी फिल्म में विक्की कौशल मराठा राजा छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका में नजर आएंगे। लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन में बनी फिल्म में अक्षय खन्ना अहम भूमिका में दिखाई देंगे। आशुतोष राणा, दिव्या दत्ता, नील भूपालम, संतोष जुवेकर और प्रदीप रावत भी अहम भूमिकाओं में हैं। विक्की और रश्मिका स्टारर छावा 14 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मैडॉक फिल्म्स ने छावा का निर्माण किया है। संगीत ए.आर. रहमान ने दिया है। सिनेमैटोग्राफी सौरभ गोस्वामी की है, जबकि मनीष प्रधान ने संपादन का काम संभाला है। रश्मिका मंदाना के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री के पास सलमान खान स्टारर सिकंदर है, जिसका निर्देशन ए.आर. मुरुगादॉस ने किया है।

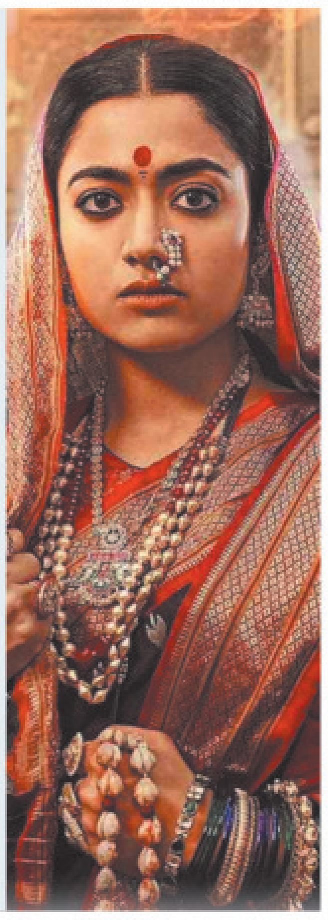

भारतीय टीम दूसरे टी20 में जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी

कोलकाता (एजेंसी)। चेन्नई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम शनिवार को इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में अपनी जीत का सिलसिला जारी रखने उतरेगी। भारतीय टीम ने पहले टी20 में अभिषेक शर्मा की शानदार बल्लेबाजी और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और स्पिनर वरुण चक्रवर्ती की घातक गेंदबाजी से जीत हासिल की थी। इससे वह पांच मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे है। अब अभिषेक इस मैच में भी बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। वहीं इस मैच में तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को अवसर मिलना भी तय माना जा रहा है। शमी पहले मैच में शामिल नहीं किये गये थे। भारतीय टीम निश्चित तौर पर शमी को मैदान पर उतारना चाहेगी हालांकि यह सब कुछ उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा। शमी को अंतिम ग्यारह में जगह मिली तो स्पिनर रवि बिश्नोई को आराम दिया जा सकता है। बिश्नोई ने पहले मैच में इंग्लैंड के खिलाफ 4 ओवर फेंके थे. इस दौरान 22 रन दिए थे. लेकिन एक भी विकेट नहीं ले पाए थे।

ईडन गार्डंस की पिच से तेज और स्पिन गेंदबाजों को पर्याप्त मदद मिल रही थी पर चेपक स्टेडियम की पिच से स्पिनरों को और अधिक सहायता मिलने की संभावना है। ऐसे हालातों में वरुण चक्रवर्ती के अलावा उप कप्तान अक्षर पटेल और रवि बिश्नोई को भी अंतिम ग्यारह में जगह मिलना तय माना जा रहा है। दूसरी ओर इंग्लैंड की तरफ से अनुभवी स्पिनर आदिल रशीद और लियम लिविंगस्टोन भारतीय बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने का प्रयास करेंगे।

अभिषेक और सैमसन ने पहले मैच में भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई थी और इस बार भी दोनों एक बार फिर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाने के इरादे से उतरेंगे। सैमसन पहले मैच में लंबी पारी नहीं खेल पाए थे पर अभिषेक ने 34 गेंद पर 79 रनों की आक्रामक पारी खेल थी। सैमसन का लक्ष्य इस मैच में भी बड़ी पारी खेलना रहेगा। भारतीय टीम की बल्लेबाजी कप्तान सूर्यकुमार यादव के अलावा नितीश रेड्डी और तिलक वर्मा पर आधारित रहेगी।

दूसरी ओर इंग्लैंड के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने कहा कि उनकी टीम को इस सीरीज में वापसी करने के लिए आक्रामक खेल खेलते हुए भारतीय टीम पर दबाव बनाये रखना होगा। ब्रूक ने दूसरे टी20 से पहले कहा, 'हम बिल्कुल भी दबाव में नहीं हैं। भारत एक बहुत अच्छी टीम है इसलिए हम जानते थे कि वे हमें कड़ी टक्कर देंगे और हां, उन्होंने शानदार खेल दिखाया। हमें बस दबाव बनाए रखने की जरूरत है, वही संदेश जो कोच ब्रेंडन मैकुलम) हर समय देते रहे हैं।' वहीं कप्तान जोस बटलर ने इससे पहले कहा था कि उनकी टीम को भारतीय हालातों में स्पिनरों का सामना करने के लिए नये तरीके तलाशने होंगे। ईडन गार्डंस में जीत के बाद भारतीय टीम पांच मैच की सीरीज में अभी 1-0 से आगे चल रही है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेट कीपर), तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, रिंकू सिंह, नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती

इंग्लैंड : जोस बटलर (कप्तान), फिल साल्ट (विकेट कीपर), बेन डकेट, हैरी ब्रूक, लियाम लिविंगस्टोन, जैकब बेथेल, जेमी ओवरटन, रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, मार्क वुड।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन : नोवाक जोकोविच चोटिल, पहला सेट हारने के बाद सेमीफाइनल से हटे

मेलबर्न (एजेंसी)। नोवाक जोकोविच चोटिल होने के कारण शुक्रवार को यहां अलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के सेमीफाइनल का पहला सेट हारने के बाद मैच से हट गए।

जोकोविच ने पहला सेट टाईब्रेकर में 7-6 (5) से गंवा दिया था। इसके बाद उन्होंने नेट के चारों ओर चक्कर लगाया और मैच से हटने का फैसला किया। इस तरह से ज्वेरेव फाइनल में जगह बनाने में सफल रहे। कार्लोस अल्कराज के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच के दौरान जोकोविच की पांव की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। उन्होंने प्रशंसकों का आभार व्यक्त किया और उनके बाद कोर्ट से बाहर चले गए।

जोकोविच ने बाद में संवाददाता सम्मेलन में अपने पैर में दर्द का जिक्र करते हुए कहा, 'यह और भी बदतर होता जा रहा था।' मैं अगर पहला सेट जीत भी लेता तब भी मेरे लिए आगे खेलना मुश्किल होता।' जोकोविच ऑस्ट्रेलियाई ओपन में 11वां और कुल 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कवायद में थे। उनके और ज्वेरेव के बीच एकमात्र सेट एक घंटे 20 मिनट तक चला।

रणजी ट्रॉफी : रवींद्र जडेजा का कहर, सौराष्ट्र ने दिल्ली को 10 विकेट से हराया

राजकोट (एजेंसी)। रवींद्र जडेजा कुल (12 विकेट) की घतक गेंदबाजी और हार्विक देसाई (93) रनों की अर्धशतकीय पारी की बदौलत सौराष्ट्र ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी के मुकाबले में दूसरे दिन शुक्रवार को दिल्ली को 10 विकेट से हराया। सौराष्ट्र ने कल के पांच विकेट पर 163 के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। प्रेरक मांकड़ (19) छठे विकेट के रूप में आज आउट होने वाले सौराष्ट्र के पहले बल्लेबाज थे। इसके बाद समर गज्जर (11), धर्मेंद्रसिंह जडेजा (शून्य), जयदेव उनादकट (छह) और आखिरी विकेट के रूप में अर्पित वसावड़ा (62) रन बनाकर आउट हुए।

सौराष्ट्र ने अपनी पहली पारी में 271 रनों का स्कोर बनाते हुए पहली पारी के आधार पर 83 रनों की बढ़त बनाई। दिल्ली के लिए हर्ष त्यागी ने चार विकेट लिए। आयुष बदोनी को तीन विकेट मिले। दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली को एक बार फिर रवींद्र जडेजा के कहर का सामना करना पड़ा। सौराष्ट्र के गेंदबाजी आक्रमण के दिल्ली की पूरी टीम 25.2 ओवर में 94 रन पर सिमट गई। दिल्ली के लिए कप्तान आयुष बदोनी सर्वाधिक (44) रनों की पारी खेली। ऋषभ पंत (17) और अर्पित राणा (12) रन बनाकर आउट हुए।

सौराष्ट्र की ओर से रवींद्र जडेजा ने 38 रन देकर 7 विकेट लिए। धर्मेंद्रसिंह जडेजा को दो विकेट मिले। युवराजसिंह डोडिया ने एक बल्लेबाज को आउट किया। सौराष्ट्र को जीत के लिए 11 रनों का लक्ष्य मिला। सौराष्ट्र ने दूसरी पारी में बिना कोई विकेट खोए 3.1 ओवर में 15 रन बनाकर मुकाबला 10 विकेट से जीत लिया। दिल्ली ने पहली पारी में 55 रन बनाए थे।

बुमराह, जडेजा और जायसवाल को आईसीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट टीम में जगह

दुबई (एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ जसप्रीत बुमराह, अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा और युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को शुक्रवार को 2024 के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की साल की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट टीम में जगह मिली। इंग्लैंड के चार खिलाड़ी भी इस टीम का हिस्सा हैं जबकि ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस को कप्तान बनाया गया है। टीम में दिग्गज बल्लेबाज केन विलियमसन सहित न्यूजीलैंड के दो खिलाड़ियों को शामिल किया गया है।

आईसीसी की इस ऑल स्टार टीम में जगह बनाने वाले कमिंस एकमात्र ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर हैं। बुमराह ने 2024 में शानदार प्रदर्शन किया और प्रत्येक टीम तथा प्रत्येक उस बल्लेबाज पर दबदबा बनाया जिसे उन्होंने गेंदबाजी की। वह टेस्ट क्रिकेट में 20 से कम की औसत से कम से कम 200 विकेट चटकाने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज बने और इतिहास में अपना नाम लिखवाया। बुमराह ने 2024 में 14.92 के औसत से 71 विकेट चटकाए और टेस्ट क्रिकेट में साल में सर्वाधिक विकेट चटकाने वाले गेंदबाज रहे।

उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में 32 विकेट चटकाए लेकिन भारत को पांच मैच की श्रृंखला में 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। बुमराह ने साल की शानदार शुरुआत करते हुए इंग्लैंड के खिलाफ चार मैच में 19 विकेट चटकाए जिसमें विशाखापत्तम में मैच में नौ विकेट भी शामिल हैं। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ स्वदेश में दो मैच में 11 विकेट

हासिल किए।

बुमराह न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर सिर्फ तीन विकेट चटका पाए और भारत को 0-3 से क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा। इस तेज गेंदबाज ने हालांकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। जडेजा ने 2024 में 29.27 के औसत से 527 रन बनाने के अलावा 24.29 के प्रभावी औसत से 48 विकेट भी चटकाए। जायसवाल ने स्वयं को शीर्ष टेस्ट सलामी बल्लेबाज के रूप में स्थापित किया और 2024 में भारतीय बल्लेबाजों के बीच शानदार प्रदर्शन किया।

दक्षिण अफ्रीका में चुनौतीपूर्ण श्रृंखला के बाद इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए 712 रन बनाए। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला में दो दोहरे शतक और तीन अर्धशतक जड़ते हुए दबदबा बनाया। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में चार पारियों में तीन अर्धशतक जड़े। न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में भारत को बुरी तरह से हार का सामना करना पड़ा लेकिन वह प्रभावी प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में शामिल रहे।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में जायसवाल ने पर्थ में पहली पारी में खाता खोलने में नाकाम रहने के बाद दूसरी पारी में 161 रन बनाकर भारत की बड़ी जीत में अहम भूमिका निभाई। वह 391 रन के साथ श्रृंखला में भारत के शीर्ष स्कोरर रहे। जायसाल ने कैलेंडर वर्ष में 54.74 के प्रभावी औसत से कुल 1478 रन बनाए। उनसे अधिक रन सिर्फ इंग्लैंड के जो रूट (2024 में 55.57 के औसत से 1556 रन) बना पाए। रूट को भी आईसीसी की ऑल स्टार टीम में जगह मिली है।

विलियमसन ने भी 2024 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 59.58 के शानदार औसत से 1013 रन बनाए जिससे वह साल में सर्वाधिक रन बनाने वालों की सूची में छठे स्थान पर रहे। श्रीलंका के कामिंदु मेंडिस ने भी 74.92 के बेहद शानदार औसत के साथ 2024 में 1049 रन बनाते हुए टीम में जगह बनाई। कमिंस की अगुआई में ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज, न्यूजीलैंड और भारत के खिलाफ श्रृंखला जीती। उन्होंने 2024 में 24.02 के औसत से 37 विकेट चटकाने के अलावा 23.53 के औसत से 306 रन भी बनाए।

आईसीसी की 2024 की साल की सर्वश्रेष्ठ टीम: पैट कमिंस (कप्तान) (ऑस्ट्रेलिया), यशस्वी जायसवाल (भारत), बेन डकेट (इंग्लैंड), केन विलियमसन (न्यूजीलैंड), जो रूट (इंग्लैंड), हैरी ब्रूक (इंग्लैंड), कामिंदु मेंडिस (श्रीलंका), जेमी स्मिथ (विकेटकीपर) (इंग्लैंड), रविंद्र जडेजा (भारत), मैट हेनरी (न्यूजीलैंड) और जसप्रीत बुमराह (भारत)।

ऑस्ट्रेलियन ओपन : ऑस्ट्रेलियाई वाइल्डकार्ड गैडेकी-पीयर्स ने जीता मिश्रित युगल खिताब

मेलबर्न। वाइल्ड कार्ड जोड़ी ओलिविया गैडेकी और जॉन पीयर्स ने शुक्रवार को ऑस्ट्रेलियाई ओपन में मिश्रित युगल खिताब जीता। उन्होंने हमवतन किम्बर्ली बिरेल और जॉन-पैट्रिक स्मिथ को हराकर खिताब जीता। ऑस्ट्रेलियाई वाइल्डकार्ड ने रॉड लेवर एरिना में रोमांचित प्रशंसकों के सामने एक घंटे और 24 मिनट में हमवतन बिरेल और स्मिथ पर 3-6, 6-4 (10-6) से वापसी की।

गैडेकी और पीयर्स को ग्रैंड स्लैम चैंपियन लेस्ली बोरे और बिल बोरे ने ट्रॉफी प्रदान की, और यह जीत पीयर्स के लिए दूसरा ऑस्ट्रेलियाई खिताब है, जिन्होंने 2017 में हेनरी कोंटिनेन के साथ पुरुष युगल खिताब जीता था। 36 वर्षीय पीयर्स, जिन्होंने मैथ्यू एबडेन के साथ पेरिस में ओलंपिक युगल स्वर्ण जीता था, ने स्टॉर्म सैंडर्स के साथ 2022 यूएस ओपन मिश्रित युगल खिताब और हेनरी कोंटिनेन के साथ 2017 ऑस्ट्रेलियन ओपन पुरुष युगल खिताब भी जीता। गैडेकी के लिए, मेलबर्न ट्रॉफी किसी प्रमुख टूर्नामेंट में उनकी पहली ट्रॉफी है। 22 वर्षीय गैडेकी और 36 वर्षीय पीयर्स ने 25 विजयी मुकाबलों में जीत हासिल की और 2013 के बाद से पहले ऑल-ऑस्ट्रेलियाई मिश्रित युगल ऑस्ट्रेलियाई चैंपियन बन गए, जब मैट एबडेन और जर्मिला गजदोसोवा ने ताज उठाया था। टूर्नामेंट के आंकड़ों के अनुसार, वे ओपन युग में यह उपलब्धि हासिल करने वाली चौथी ऑल-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी भी हैं, इससे पहले 2005 में एबडेन और गजदोसोवा, स्कॉट ड्रेपर और सामंथा स्टोसुर और 1992 में मार्क वुडफोर्ड और निकोल प्रोविस ने यह उपलब्धि हासिल की थी।

अब ईशान किशन खोलेंगे क्रिकेट एकेडमी

पटना। भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे विकेटकीपर बल्लेबाल ईशान किशन भी अब क्रिकेट एकेडमी खोलने जा रहे हैं। ईशान से पहले इरफान और यूसुफ पठान के अलावा आकाशदीप सिंह ने भी अपनी क्रिकेट एकेडमी खोली थी। ईशान के एकेडमी खोलने से बिहार के क्रिकेट प्रेमी युवाओं को लाभ होगा। इससे उन्हें भारतीय टीम में रहे खिलाड़ियों की देखरेख में क्रिकेट सीखने का मौका मिलेगा। ईशान की एकेडमी का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है और उम्मीद है कि फरवरी महीने में इसका उद्घाटन कर दिया जाएगा। ईशान ने अपनी एकेडमी का नाम द ईशान किशन एकेडमी रखा है। यह राजधानी पटना के एनर्जी पार्क के पास बन रही है। अनुमान है कि 15 फरवरी से पहले इसका उद्घाटन खुद ईशान करेंगे। फिलहाल एकेडमी में एडमिशन शुरू हो चुके हैं। एकेडमी में चार सीमेंटेड पिच और चार टर्फ एरिया बनाए जा रहे हैं। अभी इनमें कुछ बदलाव हो सकते हैं। इसके अलावा, ऊर्जा स्टेडियम की पिच का उपयोग भी प्रैक्टिस और मैच के लिए किया जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने इंग्लैंड को छह रन से हराया

कैनबरा, (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की महिला टीम के बीच एशेज का आयोजन किया जा रहा है। जहां ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने दो मैच रहते महिला एशेज के खिताब को अपने नाम कर लिया है। पुरुषों और महिलाओं के एशेज में काफी ज्यादा अंतर होता है। जहां पुरुषों के बीच एशेज के लिए टेस्ट सीरीज का आयोजन किया जाता है। वहीं महिला एशेज के लिए तीन वनडे, तीन टी20 और एक टेस्ट मैच खेला जाता है। वनडे और टी20 मैच जीतने पर दो अंक और टेस्ट मैच जीतने पर चार अंक मिलते हैं। ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने अंकों के आधार पर खिताब अपने नाम कर लिया है।

ऑस्ट्रेलिया ने कैनबरा के मनुका ओवल में दूसरे टी20द्व में इंग्लैंड को छह रन (छस्र) से हराकर महिला एशेज 2025 पर कब्जा कर लिया। एलिसा हीली की कप्तानी में मेजबान टीम ने वनडे सीरीज में इंग्लैंड को धूल चटाते

हुए 3-0 से सीरीज जीत ली। ञ्20द्ब में कुछ भी नहीं बदला क्योंकि ऑस्ट्रेलिया ने सिडनी में पहले मैच में आरामदायक जीत हासिल की, उसके बाद सीरीज के दूसरे गेम में भी शानदार जीत दर्ज की। ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने इस मुकाबले को 6 रन जीता।

दोनों टीमों के बीच खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले के बारे में बात करें तो, इस मैच में इंग्लैंड की टीम ने टॉस जीता और उन्होंने कीपर-बल्लेबाज बेथ मूनी अच्छी लय में दिखीं, लेकिन 31 वर्षीय खिलाड़ी 31 गेंदों पर 44 रन बनाकर आउट हो गईं। कप्तान ताहलिया मैकग्राथ और ग्रेस हैरिस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 71 रनों की शानदार साझेदारी की और ऑस्ट्रेलिया को 185 रन बनाने में मदद की। मैकग्राथ ने 35 गेंदों पर नाबाद 48 रन बनाए जबकि हैरिस ने 17 गेंदों पर 35* रन बनाए। मेहमान टीम ने बल्लेबाजी में अच्छी शुरुआत की, मैया बाउचियर और डेनी वायट-हॉज ने 46 रन की ओपनिंग साझेदारी की। बाउचियर के जाने के बाद वायट-हॉज ने पारी को संभाला और 40 गेंदों पर 52 रन बनाए। हीथर नाइट इस मुकाबले में काफी शानदार फॉर्म में दिखी। वह 19 गेंदों पर 43 रन बनाकर खेल रही थी। तब ही बारिश ने मैच में खलल डाला और मैच को रोक दिया गया। उस वक्त इंग्लैंड को जीते कि लिए 5 गेंदों पर 16 रनों की जरूरत थी, लेकिन बारिश के कारण मैच फिर से शुरू नहीं हो सका और इंग्लैंड को यह मैच डीएलएस के नियमों के अनुसार 6 रनों से गंवाना पड़ा।

चिराग-सात्विक, लक्ष्य की हार के साथ भारत का इंडोनेशिया मास्टर्स में अभियान समाप्त

जकार्ता, । चिराग शेट्टी-सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और लक्ष्य सेन को गुरुवार को दूसरे दौर में मिली हार के साथ ही इंडोनेशिया मास्टर्स 2025 में भारत का अभियान समाप्त हो गया। इस मैच में मौजूदा एशियाई खेलों के चैंपियन चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की जोड़ी को थाईलैंड के किटिनुपोंग केड्रेन और डेचापोल पुवारानुक्रोह के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। 50 मिनट तक चले मुकाबले में चिराग-सात्विक को थाईलैंड की जोड़ी ने 22-20, 23-21 से हराया। भारतीय जोड़ी ने पहले गेम में तीन और दूसरे गेम में दो गेम प्वाइंट गंवा दिए। दुनिया के 10वें नंबर के बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन जापान के केंटा निशिमोटो के खिलाफ राउंड ऑफ 16 के मैच में एक घंटे और 13 मिनट तक संघर्ष करने के बाद हार कर बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट से बाहर हो गए। पुरुष एकल बैडमिंटन रैंकिंग में 15वें स्थान पर मौजूद केंटा निशिमोटो ने पहला गेम जीता, जबकि लक्ष्य सेन ने दूसरा गेम जीतने के लिए अपना पूरा जोर लगा दिया। लक्ष्य सेन ने एक मैच प्वाइंट बचाकर निर्णायक गेम को टाई-ब्रेक में पहुंचा दिया, लेकिन केंटा निशिमोटो ने धैर्य बनाए रखते हुए मुकाबले को अपने नाम करने के लिए शानदार वापसी की और मैच को 21-16, 12-21, 23-21 से जीत लिया। लक्ष्य सेन का केंटा निशिमोटो के साथ यह पांचवां मुकाबला था और इस हार के बावजूद, भारतीय शटलर वर्तमान में उनसे हेड-टू-हेड मुकाबले में 3-2 से आगे हैं। राउंड 2 में सेन के बाहर होने के साथ ही इंडोनेशिया मास्टर्स में पुरुष और महिला वर्ग में भारत का एकल अभियान भी समाप्त हो गया। तनीषा क्रास्टो-ध्रुव कपिला की मिश्रित युगल जोड़ी को राउंड ऑफ 16 के मुकाबले में मलेशिया की हू पैंग रॉन-चेंग सु यिन से हार का सामना करना पड़ा।

स्वियाटेक को हराकर मैडिसन कीज ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में

मेलबर्न। अमेरिका की मैडिसन कीज ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में बृहस्पतिवार को यहां मैच प्वाइंट का बचाव करते हुए विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज पोलैंड की इगा स्वियातेका को शिकस्त दी। विश्व रैंकिंग में 14वें स्थान पर काबिज 29 साल की कीज ने शुरुआती सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए 5-7, 6-1, 7-6 (10-8) से जीत दर्ज की। कीज के सामने शनिवार को होने वाले खिताबी मुकाबले में शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी एरिना सबालेंका की चुनौती होगी। बेलारूस की 26 साल की सबालेंका ने अपनी अच्छी सहेली और 11वीं वरीयता प्राप्त पाउला बडोसा को 6-4, 6-2 से हराकर लगातार तीसरी बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैम्पियन बनने की ओर कदम बढ़ाया। स्वियातेक को शिकस्त देने के बाद कीज कोर्ट पर बैठ गई और रैकेट नीचे रख अपने हाथों से सिर को पकड़ लिया। उन्होंने शायदा मैच में शानदार वापसी करने को 'काफी नाटकीय समापन' करार देते हुए कहा कि मैं अब भी यह समझने की कोशिश कर रही हूं कि मैंने यह सब कैसे किया। इस 19वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने 5 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन को हराने को बड़ी सफलता करार देते हुए कहा कि मुझे ऐसा लगा जैसे मैं इसमें बने रहने के लिए संघर्ष कर रही हूं। यह बहुत ज्यादा उतार-चढ़ाव से भरा मैच था। सबालेंका अगर इस बार भी चैंपियन बनती है तो फिर वह ऑस्ट्रेलियाई ओपन के महिला एकल में मार्टिना हिंगिस के बाद खिताबी हैट्रिक बनाने वाली पहली खिलाड़ी बन जाएगी। हिंगिस ने 1997 से 1999 तक यह कारनामा किया था। सेरेना विलियम्स भी 2015 से 2017 तक 3 बार इसके फाइनल में पहुंची है लेकिन वह 2 बार चैंपियन बनी थी। फाइनल में जगह बनाने के बाद सबालेंका ने कहा कि मेरे रोंगटे खड़े हो रहे हैं। मुझे अपने आप पे गर्व है। मुझे अपनी टीम पर गर्व है कि हम खुद को ऐसी स्थिति में पहुंचाने में सफल रहे। उन्होंने कहा कि अगर मैं खुद को इतिहास (किताबों) का हिस्सा बना पाऊं, तो यह मेरे लिए बहुत मायने रखने वाला होगा।

राष्ट्रीय रिकॉर्ड दोबारा तोड़ना और राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक है प्रवीण का लक्ष्य

विजयनगर (कर्नाटक) (एजेंसी)। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता ट्रिपल जम्प खिलाड़ी प्रवीण चित्रावेल महाद्वीपीय खेलों में एक बार फिर पदक जीतने को लेकर आश्वस्त हैं लेकिन उनका लक्ष्य अगले साल स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतना है। प्रवीण बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 की त्रिकूद स्पर्धा में कांस्य पदक विजेता से सिर्फ तीन सेंटीमीटर पीछे रहे थे।

तमिलनाडु का यह खिलाड़ी 16.89 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ इन खेलों में चौथे स्थान पर रहा था जबकि बरमूडा के जाह-एनहाई पेरिनचीफ ने 16.92 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता था। भारत के ही एलधोस पॉल (17.03 मीटर) और अब्दुल्ला अबुबाकर (17.02 मीटर) ने इस स्पर्धा में क्रमश- स्वर्ण और रजत पदक जीता था। प्रवीण का लक्ष्य इस साल 17.37 मीटर के अपने निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार करने का है जबकि वह ग्लास्गो 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में पोडियम में शीर्ष स्थान हासिल करना चाहते हैं।

यहां इंस्पायर इंस्टीट्यूफ ऑफ स्पोर्ट्स (आईआईएस) में ट्रेनिंग कर रहे प्रवीण ने विशेष साक्षात्कार में कहा, 'मैं अब भी और अधिक उपलब्धियां हासिल करने के लिए प्रयास कर रहा हूं, जैसे ओलंपिक, विश्व कप, विश्व चैंपियनशिप, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल, सब कुछ। मैं एशियाई खेलों का पदक विजेता हूं, मैंने राष्ट्रमंडल खेलों में दो सेंटीमीटर (तीन सेंटीमीटर) से पदक गंवा दिया था। मेरे पास एशियाई इंडोर चैंपियनशिप का पदक, और युवा ओलंपिक का पदक है।'

उन्होंने कहा, 'मुझे यकीन है कि मैं एशियाई खेल (आइची-नागोया 2026) में पदक जीतूंगा लेकिन मैं राष्ट्रमंडल खेलों (2026 में) में स्वर्ण पदक जीतना चाहता हूं, निश्चित रूप से राष्ट्रमंडल खेलों की वजह से मैं अब भी ठीक से सो नहीं सकता।' राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में 23 जुलाई से दो अगस्त 2026 तक किया जाएगा जबकि आइची-नागोया 2026 एशियाई खेल जापान में 17 सितंबर से चार अक्टूबर क होंगे। तेइस साल के प्रवीण ने कहा कि इस वह 2025 में अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार करना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, 'मेरा निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 17.37 मीटर है, यह एक राष्ट्रीय रिकॉर्ड है इसलिए मैं फिर से राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ना चाहता हूं। मैंने 2023 में ऐसा किया था और 2025 में फिर से राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ना चाहता हूं।' प्रवीण ने कहा, 'मैं इस साल विश्व इंडोर चैंपियनशिप, एशियाई चैंपियनशिप, विश्व ओपन चैंपियनशिप और फिर डाइमंड लीग पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं।'

प्रवीण ने 2023 में क्यूबा के हवाना में पुएबा डि कनफ्रोनटेसिन एथलेटिक्स मीट में 17.37 मीटर के प्रयास से स्वर्ण पदक जीतते हुए राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। इस स्टार खिलाड़ी ने कहा कि परिवार के कई सदस्यों के खेलों से जुड़े होने और पढ़ाई में काफी अच्छा नहीं होने के कारण उनके लिए खेलों से जुड़ने का फैसला करना अधिक मुश्किल नहीं था। प्रवीण ने कहा, 'मेरा परिवार खेलों में रहा है, मेरे चाचा, मेरे पिताजी कबड्डी खेलते थे। मैं भी पहले कबड्डी खेलता था, फिर मेरे पिता ने कहा कि जब आपके लिए अच्छा हो तो आप व्यक्तिगत खेलों को खेल सकते हैं। टीम खेल ऐसा नहीं है कि हर व्यक्ति हर बार आपके साथ आए इसलिए व्यक्तिगत रूप से आप अपने लिए नाम बना सकते हैं।'

उन्होंने कहा, 'पढ़ाई में मैं काफी अच्छा नहीं था लेकिन खेल मुझे अधिक सहज लगे इसलिए मैंने इनसे जुड़ने का फैसाल किया।' प्रवीण ने कहा कि शुरुआत में सुविधाओं की कमी थी लेकिन

नतीजे हासिल करने के बाद उन्हें सुविधाएं मिलने लगीं। तमिलनाडु के थंजावुर जिले के इस खिलाड़ी ने कहा, 'नहीं, मेरे गांव में हमारे पास कोई सुविधा नहीं थी लेकिन मैं अपने राज्य और जिले में क्षेत्रीय और जिलास्तरीय प्रतियोगिताओं में जगह बना रहा था। इसके बाद सातवीं कक्षा के दौरान मुझे चेन्नई में हॉस्टल मिला, 10 या 11 साल की उम्र में, फिर मुझे सुविधाएं मिलने लगीं।'

चैम्पियंस ट्रॉफी : अगले माह ही मिल पायेंगे पीसीबी को स्टेडियम

लाहौर। अगले माह 19 फरवरी से शुरु हो रहे आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी मुकाबलों के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को स्टेडियम दो सप्ताह पहले ही मिल पायेंगे। इसका कारण है कि यहां निर्माण का काम अभी पूरा नहीं हो पाया है। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले इन दोनों स्टेडियम को पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच होने वाली त्रिकोणीय सीरीज के मैचों से परखा जाएगा कि ये सही हैं कि नहीं। अभी इस बात को लेकर भी पीबीबी को चिंता है कि क्या यह स्टेडियम चैंपियंस ट्रॉफी तक पूरी तरह से तैयार हो जाएंगे और उनमें जोड़ी गई नई सुविधाओं की जांच परख करने के लिए पर्याप्त समय होगा या नहीं। कराची के नेशनल स्टेडियम के महा प्रबंधक अरशद खान ने कहा कि नवीनीकरण का कार्य जनवरी के आखिर तक पूरा हो जाएगा और पांच फरवरी को इसे पीसीबी को सौंप दिया जाएगा। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम की भी यही स्थिति है। पीसीबी ने इन दोनों स्टेडियम और रावलपिंडी स्टेडियम के नवीनीकरण पर 12 अरब पाकिस्तानी रुपए खर्च किए हैं। कराची के नेशनल स्टेडियम में काफी बदलाव किए गए हैं। इसमें एक पांच मंजिला इमारत तैयार होने के करीब है।

मिल्कीपुर से योगी ने दिया नया नारा, ...ना जातिवाद, ना परिवारवाद, इस बार सिर्फ मोहर लगेगी राष्ट्रवाद

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या के मिल्कीपुर सीट पर होने वाले उपचुनाव पर सभी की निगाहें टिकी हैं। बीजेपी और समाजवादी पार्टी ने अपनी पूरी ताकत लगा दी है। शुक्रवार को बीजेपी के प्रत्याशी चंद्रभान पासवान के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मिल्कीपुर में बड़ी जनसभा को संबोधित किया। मुख्यमंत्री योगी ने समाजवादी पार्टी और उनके प्रत्याशी पर निशाना साधकर एक नया नारा दिया...ना जातिवाद, ना परिवारवाद, इस बार सिर्फ मोहर लगेगी राष्ट्रवाद।

वहीं, दूसरी ओर नाबालिग बच्ची से रेप के आरोपी सपा नेता मोईद खान के मुद्दे पर भी सीएम योगी ने सपा को जमकर घेराबंदी की। उन्होंने कहा कि सपा की सरकार के समय जितना बड़ा माफिया होता था, उस उतना बड़ा ओहदा मिल जाता था। यही सपा सरकार की पहचान थी। सीएम की इस रैली के बाद बीजेपी के कार्यकर्ता से लेकर बड़े पदाधिकारी तक उत्साहित हैं। उन्होंने मिल्कीपुर उपचुनाव में जीत का दावा किया है।

बता दें कि सीएम योगी ने रैली से मिल्कीपुर में जातिगत समीकरण को जहां साधने की कोशिश की, वहीं दूसरी ओर पार्टी के स्थानीय नेताओं के विरोध को भी खत्म किया। मंच पर जहां एक तरफ मिल्कीपुर से पूर्व विधायक और इस बार टिकट के प्रबल दावेदार बाबा गोरखनाथ नजर आए। वहीं दूसरी ओर ब्राह्मण वोट बैंक का चेहरा कहे जाने वाले पूर्व विधायक खब्बू तिवारी भी दिखाई दिए। ब्राह्मणों की नाराजगी पर बीजेपी के पूर्व विधायक तिवारी ने कहा कि कोई नाराजगी नहीं है। बीजेपी सिर्फ विकास की राजनीति करती है। योगी जी की रैली के बाद मिल्कीपुर बीजेपी की जीत निश्चित है।

सीएम योगी ने कहा कि एक ओर महाकुंभ में करोड़ों लोग स्नान कर रहे हैं वहीं, दूसरी आई सपाई महाकुंभ के बारे में दुष्प्रचार कर जनता की आस्था के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। ये वहीं सपा है जिसने अपनी सरकार में सरयू के जल को रामभक्तों के खून से लाल कर दिया था। ये परिवारवादी लोग जातिवाद के नाम पर समाज को तोड़ने का काम करते हैं। बीजेपी में परिवारवाद नहीं विकासवाद और राष्ट्रवाद है। इस बीच यूपी सरकार के आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु ने कहा कि शुक्रवार की यह रैली मिल्कीपुर की जीत को सुनिश्चित करती है। आज की उमड़ी इस जनसभा ने तय कर दिया इस कैसे इस बार जीत का बड़ा मार्जिन होने जा रहा है। जनता 2024 में जो भूल कर चुकी है वह दोहराने वाली नहीं है।

उत्तरकाशी में 40 मिनट के भीतर तीन भूकंप के झटके, लोगों में दहशत

उत्तरकाशी । उत्तराखंड की देवभूमि उत्तरकाशी में शुक्रवार सुबह धरती तीन बार हिली, जिससे पहाड़ों में खौफ का माहौल बन गया। नेशनल सेंटर ऑफ सिस्मोलॉजी के अनुसार, 40 मिनट के भीतर तीन भूकंप के झटके महसूस किए गए। पहले झटके का समय सुबह 7 बजकर 42 मिनट था, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 2.7 मापी गई। इसके बाद सुबह 8 बजकर 19 मिनट पर दो और झटके आए, जिनकी तीव्रता 3.5 थी। भूकंप का केंद्र उत्तरकाशी के भटवाड़ी प्रखंड में बताया जा रहा है। यह झटके जमीन के 5 किलोमीटर अंदर थे, जिससे उत्तरकाशी और आसपास के इलाकों में तेज कंपन महसूस हुआ। हालांकि, भूकंप के कारण किसी प्रकार के जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। भूकंप के बाद लोग दहशत के कारण घरों से बाहर निकल आए और काफी देर तक खुले में बैठे रहे। वरुणावत पर्वत के भूस्खलन जोन से मलबा और पत्थर गिरने की भी खबर है। आपदा प्रबंधन विभाग और स्थानीय प्रशासन ने सभी तहसीलों से जानकारी जुटानी शुरू कर दी है। उत्तरकाशी भूकंप के लिहाज से अतिसंवेदनशील क्षेत्र माना जाता है। यह इलाका भूकंप जोन IV और V में आता है, जहां भूकंप की संभावना अधिक रहती है। आपदा कंट्रोल रूम को पूरी तरह अलर्ट मोड पर रखा गया है, और क्षेत्र में लगातार नजर रखी जा रही है। आपदा प्रबंधन विभाग ने क्षेत्र के लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है। अधिकारियों ने बताया कि किसी अप्रिय स्थिति में तुरंत हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें। विशेषज्ञों ने भी लोगों को भूकंप के बाद झटकों (आफ्टरशॉक्स) को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी है।

देशभर में कोचिंग सेंटर फिटजी की ब्रांचें बंद, अभिभावकों ने किया हंगामा... फीस वापसी की मांग

नई दिल्ली । पिछले कुछ दिनों में दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के कई जगहों पर कोचिंग सेंटर फिटजी की कई ब्रांच बंद हुई हैं। ब्रांच के अचानक बंद होने से सैकड़ों अभिभावकों में गुस्सा है, जिन्होंने फीस वापसी की मांग को लेकर पुलिस में शिकायत दर्ज करा दी है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि कोचिंग सेंटर की कई शाखा बंद हो गई हैं। उन्होंने कहा कि इसके पीछे का कारण ये है कि संस्थान वित्तीय संकट और लाइसेंसिंग और अग्नि सुरक्षा नियमों के उल्लंघन में फंसी है। उस पर प्रशासनिक कार्रवाई की गई है। बता दें कि फिटजी के नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ और भोपाल जैसे शहरों में ब्रांच बंद हुए हैं, जहां के अभिभावकों ने कई पुलिस शिकायतें दर्ज कराई हैं। वहीं, आईआईटी-दिल्ली के पास कालू सराय में कोचिंग संस्थान के नामी दक्षिण दिल्ली शाखा को टीचर्स के पलायन के कारण कुछ कक्षाएं निलंबित करने पर मजबूर होना पड़ा है। इन टीचर्स को कथित तौर पर कई महीनों से वेतन नहीं मिला था। वहीं फिटजी के एक शिक्षक ने बताया कि अधिकांश संकाय सदस्य इसलिए छोड़ रहे हैं क्योंकि उन्हें कई महीनों से वेतन नहीं मिला है। गाजियाबाद के जिला विद्यालय निरीक्षक धर्मेंद्र शर्मा ने हाल ही में अपंजीकृत संस्थानों के खिलाफ उत्तर प्रदेश कोचिंग विनियमन अधिनियम 2002 के तहत शुरू किए नए अभियान का जिक्र किया था। जबकि सोशल मीडिया पर संस्थान की अब बंद हो चुकी शाखाओं और पुलिस थानों के बाहर अभिभावकों के विरोध प्रदर्शन के वीडियो की बाढ़ आ गई है। कंपनी के शीर्ष प्रबंधन और अवैतनिक संकाय सदस्यों द्वारा जारी किए गए कई वीडियो भी सामने आए हैं। ऐसा लगता है कि यह संकट 22, 23 और 24 जनवरी को जेईई मेंस के सत्र-1 में बैठने वाले छात्रों के लिए शैक्षणिक सत्र की समाप्ति के ठीक बाद शुरू हुआ है।

ओडिशा में जनवरी में मार्च जैसी गर्मी का एहसास, तापमान 52 साल के शीर्ष 33.2 डिग्री पर पहुंचा

भुवनेश्वर। ओडिशा को जनवरी के महीने में ही भयानक गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। कोरापुट में तापमान 52 साल के शीर्ष 33.2 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। मौसम वैज्ञानिक इसकी वजह एंटी-साइक्लोनिक सिस्टम को मना रहे हैं। साथ ही आगे तापमान में और ज्यादा इजाफा होने की भविष्यवाणी की है। ओडिशा इस जनवरी में असामान्य रूप से उच्च तापमान से जूझ रहा है, जिसमें सबसे प्रमुख कोरापुट जिला है। जहां पारा 33.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। मौसम वैज्ञानिक उमाशंकर दास के अनुसार यह पिछले 52 वर्षों में दर्ज किया गया सबसे अधिक जनवरी का तापमान है। जानकारों के अनुसार ओडिशा में आमतौर पर मार्च से पहले ठंड का अनुभव होता है परंतु इस साल लोगों ने मार्च से बहुत पहले पंखों का उपयोग करना शुरू कर दिया है। ओडिशा और बंगाल की खाड़ी के तटीय क्षेत्र वर्तमान में एक एंटी-साइक्लोनिक सिस्टम से प्रभावित हैं, जो क्षेत्र में नम हवाएं ला रहा है। इसकारण तापमान बढ़ रहा है। आने वाली गर्म दक्षिण-पश्चिमी हवाओं के कारण ये जलवायु परिस्थितियां और बिगड़ जाती हैं, जो प्रचलित गर्मी में और योगदान देती हैं। मौसम विज्ञानियों का अनुमान है कि अगले तीन दिनों में तापमान में दो से चार डिग्री सेल्सियस की और वृद्धि होगी, जो ओडिशा के निवासियों के लिए और अधिक परेशानी का संकेत है।

मणिपुर में तीन उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार बरामद

इंफाल । मणिपुर के थौबल और इंफाल पश्चिम जिलों में अलग-अलग अभियानों के दौरान सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठनों के 3 सदस्यों को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने बताया कि थौबल के उनिंगखोंग से प्रतिबंधित संगठन कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीडब्ल्यूजी) के दो सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया। सक्रिय सदस्यों के पास से पिस्तौल, गोला-बारूद, नकदी और अन्य सामान बरामद किया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक अन्य अभियान में इंफाल पश्चिम के लांगोल टाइप-थ्री से प्रतिबंधित कांगलेई यावोल कन्ना लूप (केवाईकेएल) के एक सदस्य को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

सांसद औवेसी का आरोप, 'मोदी और केजरीवाल भाई जैसे, एक सिक्के के दो पहलू

नई दिल्ली । एआईएमआईएम अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि आम आदमी पार्टी प्रमुख और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच ज्यादा अंतर नहीं है और वे एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। ओखला निर्वाचन क्षेत्र से पार्टी प्रत्याशी शिफा-उर-रहमान के लिए प्रचार करते हुए उन्होंने कहा, ''मोदी और केजरीवाल भाई जैसे हैं, एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। दोनों आरएसएस की विचारधारा से निकले हैं, एक संघ की शाखा से और दूसरा इसकी संस्थाओं से। ओवैसी ने शाहीन बाग में पैदल मार्च भी किया और जनता से पांच फरवरी को होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी के चुनाव चिह्न पतंग का बटन दबाने का आग्रह किया।

गणतंत्र दिवस के मद्देनजर जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

कुलगाम। 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के मद्देनजर जम्मू और कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है, जिसके चलते संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बलों को तैनात किया है। कुलगाम में सुरक्षा बलों द्वारा व्यापक तलाशी अभियान चलाया जा रहा है, जिसके चलते वाहनों और लोगों की जांच की जा रही है और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। यह सुरक्षा इसलिए बढ़ाई गई है ताकि गणतंत्र दिवस के मौके पर कोई अप्रिय घटना न हो सके। इन उपायों का उद्देश्य इलाके में शांति बनाए रखना और गणतंत्र दिवस के दौरान सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देना है। स्थानीय लोगों से सहयोग की अपील की जा रही है कि वे सुरक्षा बलों की तैयारियों में उनका साथ दें ताकि सभी सुरक्षित रहें।

महाराष्ट्र को मिलेगा तीसरा उपमुख्यमंत्री, संजय राउत के बयान से सियासी हलचल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की सियासत में हलचल मचाते हुए शिवसेना (उद्धव बाला साहब ठाकरे) के सांसद संजय राउत ने बड़ा दावा किया है कि राज्य में जल्द ही तीसरा उपमुख्यमंत्री नियुक्त किया जाएगा। उनके अनुसार, यह नया डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे गुट की शिवसेना का कोई नेता होगा। संजय राउत ने कहा, महाराष्ट्र में अब दो नहीं, बल्कि तीन उपमुख्यमंत्री होंगे। नया डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की शिवसेना से चुना जाएगा। इस बयान के बाद राज्य की राजनीति में अटकलों का दौर शुरू हो गया है।

संजय राउत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और एकनाथ शिंदे गुट पर निशाना साधते हुए कहा कि ईडी और सीबीआई के डर से नेता भाजपा के साथ खड़े हो रहे हैं। उन्होंने कहा, यह सरकार दबाव और डर की राजनीति के जरिए चल रही है, लेकिन इसका सच जल्द सामने आएगा।

- तीसरे डिप्टी सीएम को लेकर अटकलें तेज

महाराष्ट्र में फिलहाल एकनाथ शिंदे और अजित पवार उपमुख्यमंत्री पद पर हैं। तीसरे उपमुख्यमंत्री की नियुक्ति के दावे ने राजनीति में नए समीकरण बनने की संभावनाओं को हवा दे दी है। शिवसेना के शिंदे गुट से किस नेता को यह पद मिलेगा, इसे लेकर कयास लगाए जा रहे हैं। शिवसेना के उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे गुटों के बीच खींचतान जारी है। राउत के इस बयान को राजनीतिक दबाव और शिंदे गुट की स्थिति को लेकर भाजपा की रणनीति से भी जोड़कर देखा जा रहा है।

संजय राउत के इस दावे ने महाराष्ट्र की राजनीतिक फिजा में हलचल मचा दी है। विपक्ष और सत्ताधारी गठबंधन के बीच बयानबाजी तेज होने की संभावना है। अब सबकी नजरें इस बात पर हैं कि राज्य सरकार और भाजपा इस दावे पर क्या प्रतिक्रिया देती हैं।

लाउडस्पीकर का इस्तेमाल किसी भी धर्म का हिस्सा नहीं, शोर स्वास्थ्य के लिए खतरा

-बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा-नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ करें कार्रवाई

-एनटीए और सरकार ने अब तक आरोपियों को पहचानने के लिए क्या कदम उठाए

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने लाउडस्पीकर के इस्तेमाल को लेकर कहा कि लाउडस्पीकर का इस्तेमाल किसी भी धर्म का अनिवार्य हिस्सा नहीं है। साथ ही, कानून प्रवर्तन एजेंसियों को निर्देश दिया कि वे ध्वनि प्रदूषण के मानदंडों और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करें। जस्टिस एएस गडकरी और जस्टिस एससी चांडक की पीठ ने कहा कि शोर-शराबा स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा है। कोई भी यह दावा नहीं कर सकता कि अगर उसे लाउडस्पीकर के इस्तेमाल की अनुमति नहीं दी गई तो उसके अधिकार किसी भी तरह प्रभावित होंगे।

होईकोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को निर्देश दिया कि वह धार्मिक संस्थाओं को ध्वनि स्तर को नियंत्रित करने के लिए तंत्र अपनाने का निर्देश दें, जिसमें डेसिबल सीमा तय करने की ध्वनि प्रणालियां भी शामिल हों। होईकोर्ट ने यह फैसला कुर्ला उपनगर के 2 आवास संघों की ओर से दायर याचिका पर दिया। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि क्षेत्र की मस्जिदों पर लगे लाउडस्पीकर से होने वाले ध्वनि प्रदूषण के खिलाफ पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है।

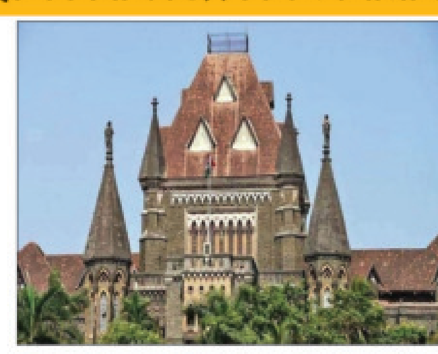

याचिकाकर्ताओं ने दलील दी कि धार्मिक उद्देश्यों के लिए लाउडस्पीकर का इस्तेमाला शांति को भंग करता है। ध्वनि प्रदूषण नियम 2000 के साथ पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 के प्रावधानों का उल्लंघन है। पीठ ने अपने आदेश में कहा कि मुंबई एक महानगर है और जाहिर है कि शहर के हर हिस्से में कई धर्मों के लोग रहते हैं। होईकोर्ट ने कहा कि यह जनहित में है कि ऐसी इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। ऐसी अनुमति देने से इनकार करने पर अधिकारों का उल्लंघन नहीं होता है। लाउडस्पीकर का इस्तेमाल किसी भी धर्म का अनिवार्य हिस्सा नहीं है।

होईकोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार और अन्य प्राधिकारियों का यह कर्तव्य है कि वह कानून के प्रावधानों के तहत निर्धारित सभी आवश्यक उपाय अपनाकर कानून को लागू करें। कोर्ट ने कहा कि एक लोकतांत्रिक राज्य में ऐसी स्थिति नहीं हो सकती कि कोई व्यक्ति/समूह/संगठन कहे कि वह देश के कानून का पालन नहीं करेगा और कानून लागू करने वाले अधिकारी मूकदर्शक बने रहेंगे। कोर्ट ने कहा कि पुलिस को ध्वनि प्रदूषण नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि ऐसे शिकायतकर्ताओं को निशाना बनाए जाने, दुर्भावना और घृणा से बचाया जा सके।

हाईकोर्ट ने मुंबई पुलिस आयुक्त को निर्देश दिया कि वे सभी थानों को निर्देश जारी करें कि धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर के खिलाफ कोई भी शिकायत मिलने पर तुरंत कार्रवाई हो। पीठ ने कहा कि हम इस तथ्य का न्यायिक संज्ञान लेते हैं कि आम तौर पर लोग तब तक किसी चीज के बारे में शिकायत नहीं करते जब तक कि वह असहनीय और परेशानी का कारण न बन जाए। कोर्ट ने आवासीय क्षेत्रों में परिवेशी ध्वनि का स्तर दिन में 55 डेसिबल और रात में 45 डेसिबल से ज्यादा नहीं होना चाहिए।

महाकुंभ में लगी आग की खालिस्तान समर्थक आतंकी संगठन केजेडएफ ने ली जिम्मेदारी, कहा-यह सिर्फ एक चेतावनी थी

प्रयागराज । यूपी के प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में बीते 19 जनवरी को लगी आग की जिम्मेदारी आतंकवादी संगठन खालिस्तानी जिंदाबाद फोर्स (केजेडएफ) ने ली है। जिसके बाद अब यूपी एटीएस और एनआईए अलर्ट हो गई है। अब ये एजेंसियां अग्निकांड में आतंकी कनेक्शन तलाश रही हैं। आतंकवादी संगठन केजेडएफ ने ईमेल के जरिए बताया कि यह हादसा पीलीभीत में हुए एनकाउंटर का बदला था। इसके साथ ही, ईमेल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भी जिक्र किया गया है। विदित हो कि प्रयागराज महाकुंभ में 19 जनवरी शाम करीब 4 बजे सेक्टर 19 में आग लग गई थी। इस हादसे में 40 कुटिया और छह टेंट जल गए थे। महाकुंभ प्रशासन के मुताबिक गीता प्रेस की रसोई में छोटे सिलेंडर से चाय बनाने के दौरान गैस लीक होने के कारण आग लगी। खालिस्तानी जिंदाबाद फोर्स ने कनाडा और पंजाब के पत्रकारों को ई-मेल भेजा है। इसमें लिखा है, ‟खालिस्तानी जिंदाबाद फोर्स कुंभ मेले के दौरान हुए दोहरे विस्फोट की जिम्मेदारी लेता है। इस कृत्य का मुख्य उद्देश्य किसी को चोट पहुंचाना नहीं था। यह सिर्फ सीएम योगी के लिए एक चेतावनी थी कि हम आपके बहुत करीब हैं। यह ब्लास्ट पीलीभीत फर्जी मुठभेड़ में मारे गए तीन भाइयों की हत्या का बदला लेने के लिए किया है। यह तो बस शुरुआत है।‟ यह मेल फतेह सिंह नाम के युवक ने भेजा है।

अनंत सिंह और सोनू-मोनू गिरोह विवाद पर बिहार सरकार के मंत्री और विपक्ष आमने-सामने

पटना (एजेंसी)। मोकामा के पंचमहला थानांतर्गत नौरंगा जलालपुर गांव में पूर्व विधायक अनंत सिंह और सोनू-मोनू गिरोह के बीच 22 जनवरी को हुई फायरिंग मामले में अनंत सिंह ने सरेंडर किया है। पूर्व विधायक ने बाढ़ अनुमंडल न्यायालय में सरेंडर किया, जिसकी जानकारी लगते ही भारी संख्या में पुलिस बल पहुंच गया। इसके पहले शुक्रवार सुबह मामले में सोनू-मोनू गैंग के सोनू और अनंत सिंह के एक समर्थक की गिरफ्तारी हुई थी। अनंत सिंह के सरेंडर के बाद अब मामले में डिप्टी सीएम विजय सिन्हा, सम्राट चौधरी सहित कई अन्य नेताओं की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। वहीं, बाढ़ कोर्ट में सरेंडर करने के बाद पूर्व विधायक सिंह ने कहा कि वे कानून का पालन कर रहे हैं।

इस मामले पर डिप्टी सीएम सिन्हा ने कहा कि छोटी-मोटी घटनाओं पर सरकार की निगाहें बनी हुई हैं। क्राइम करने वाला बचेगा नहीं। ईमानदारी के साथ प्रशासन भी लगा हुआ है। सरकार पूरी सजगता के साथ कानून का राज स्थापित कर रही है। वहीं डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन अपना काम कर रहा है।

वहीं इस मामले में विरोधी नेता पप्पू यादव, पूर्णिया सांसद ने कहा कि पटना के पास दानापुर में बालू माफिया 200 गोलियां चलाता है, दूसरी ओर मोकामा में 100 गोलियां चलती हैं। दोनों शूटर मजे से इंटरव्यू दे रहे हैं और कैमरे पर एक-दूसरे को मारने की धमकी दे रहे हैं। प्रदेश में सरकार नाम की चीज नहीं है। हम सरकार से जानना चाहते हैं कि वे दोनों गोली चलाने वाले में से किसका समर्थन कर रही है और इन शूटरों को इतनी आजादी कैसे है कि वे खुलेआम एक-दूसरे की हत्या कर रहे हैं?...बिहार में अपराधी माफिया के बिना न सत्ता और ही विपक्ष चुनाव जीत सकता है।

वहीं राजद के नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने नीतिश सरकार पर हमला करते हुए कहा कि बिहार में अचेत मुख्यमंत्री होने के कारण अपराध-आदत तथा भ्रष्टाचार-शिष्टाचार में तब्दील हो चुका है। अब रूह कंपकपाने वाली घटनाएं सामान्य हो गई है। कई राउंड गोलियां चलाने वाले दोनों पक्ष केंद्रीय मंत्री के साथ खुलेआम घूमते है। मुख्यमंत्री स्वयं जेल से छुड़ाने के बाद उनके घर जाकर उनका स्वागत और अभिनंदन करते है। लेकिन अब कोई जंगलराज नहीं बोलेगा क्योंकि घटना में सम्मिलित सभी पक्ष सर्वश्रेष्ठ है।

कर्नाटक में मिला मंकीपॉक्स का मरीज, हालत स्थिर, डॉक्टर रख रहे पैनी नजर

-स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से की अपील, घबराएं नहीं अपना रखें ध्यान

मंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मंगलुरु में मंकीपॉक्स का पहला केस दर्ज किया है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा है कि उडुपी जिले के करकला तालुक में रहने वाले 40 वर्षीय मरीज की हालत स्थिर है उसे कोई गंभीर परेशानी नहीं है। उन्होंने कहा कि 17 जनवरी को दुबई से आए इस मरीज को जल्द ही छुट्टी दे दी जाएगी। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वह घबराएं नहीं।

एक बयान में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के प्रधान सचिव और एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम के निदेशक अंसार अहमद ने लोगों को आश्वस्त किया कि यह बीमारी ज्यादातर मामलों में हल्की और सीमित है। उन्होंने कहा कि लोगों को घबराना नहीं

चाहिए, क्योंकि यह बीमारी मुख्य रूप से निकट या घनिष्ठ संपर्क से फैलती है और यह कोविड-19 जितनी संक्रामक भी नहीं है। इसके लक्षणों में आमतौर पर त्वचा पर चकत्ते, बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द और ठंड लगना शामिल हैं।

अधिकारियों ने उच्च जोखिम वाले देशों की यात्रा करने वाले लोगों या पुष्टि वालों मामलों के निकट संपर्क में रहने वाले लोगों को इनमें से किसी भी तरह का लक्षण पाए जाने पर चिकित्सा सलाह लेने की सलाह दी है। मंकीपॉक्स का उपचार बुखार और शरीर के दर्द जैसे लक्षणों को कम करने पर केंद्रित है, साथ ही संक्रमित घावों से होने वाले द्वितीयक संक्रमणों के लिए एंटीबायोटिक्स का इस्तेमाल किया जाता है। पर्याप्त हाइड्रेशन, पोषण और विश्राम सुनिश्चित करना भी अहम है।

वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए केंद्र सरकार की ओर से अनिवार्य परीक्षण आवश्यकताएं या सलाह नहीं दी गई है। स्वास्थ्य अधिकारी स्थिति पर नजर रख रहे हैं और लोगों को आश्वस्त कर रहे हैं कि मामले को प्रबंधित करने के लिए जरुरी उपाय करें।

साल 2069 में होने वाले महाकुंभ का दृश्य सोशल मीडिया पर वायरल

नईदिल्ली (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) की मदद से भविष्य के महाकुंभ की एक दिलचस्प झलक सामने आई है। साल 2069 में होने वाले महाकुंभ का दृश्य सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसे देखकर हर किसी के रोंगटे खड़े हो गए हैं। महाकुंभ के आयोजन को लेकर सरकार ने हर संभव प्रयास किए हैं, जिसमें टेंट, टॉयलेट्स, पीने का पानी और अन्य सुविधाओं का इंतजाम किया गया है। बावजूद इसके, श्रद्धालु कुछ समस्याओं का सामना कर रहे हैं। इन समस्याओं के बीच, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने एक अनोखी झलक पेश की, जिसमें दिखाया गया है कि 2069 के महाकुंभ में लोग किस प्रकार की तकनीकी परिवर्तनों का सामना करेंगे। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो और चित्रों में इस भविष्य के महाकुंभ की कल्पना की गई है, जहां पारंपरिक साधु-बाबाओं की जगह रोबोटिक साधु नजर आएंगे। ये साधु अपनी हथेली से आरती की लौ जला सकेंगे। वहीं, आसमान में ग्रह-नक्षत्रों के संगम का दृश्य भी श्रद्धालुओं के लिए अलौकिक होगा। यह वीडियो न सिर्फ तकनीकी दृष्टिकोण से, बल्कि धार्मिक दृष्टिकोण से भी अनोखा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से यह वीडियो दिखाता है कि महाकुंभ का आयोजन भविष्य में कैसे पूरी तरह से टेक्नोलॉजी से सुसज्जित होगा।

लोग इस दृश्य को देखकर मंत्रमुग्ध हो गए हैं और इसे लाखों बार देखा जा चुका है। इसमें दिखाया गया है कि अगले 144 वर्षों में तकनीक कितनी विकसित हो जाएगी, जिससे महाकुंभ का अनुभव एक नई और अद्भुत दिशा में परिवर्तित हो जाएगा। इस महाकुंभ का हिस्सा बनने के लिए लोग अपनी अगली पीढ़ी को खुशकिस्मत मान रहे हैं, क्योंकि यह तकनीकी परिवर्तन न सिर्फ धार्मिक अनुभव को प्रभावित करेगा, बल्कि इसे एक नए आयाम पर भी ले जाएगा। वर्तमान में जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शुरुआत हो चुकी है, भविष्य में यह तकनीक बेहद एडवांस हो जाएगी।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**